MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 19 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-195

MoU गया तेल लाने

इस्लामाबाद शांति समझौता खत्म

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका के बीच हुआ शांति समझौता शनिवार को आखिरकार पूरी तरह से खत्म हो गया है। पाकिस्तान की सरपंची में हुए इस्लामाबाद एमओयू के नाम से चर्चित इस समझौते का चैप्टर अब पूरी तरह से बंद हो गया है। पाकिस्तान ने इस समझौते को लेकर दुनिया भर में वाहवाही लूटने की कोशिश की थी और खुद को शांति का बड़ा पैरोकार बता रहा था। लेकिन अब ईरान ने साफ-साफ कह दिया है कि वह इस समझौते के किसी भी नियम का पालन नहीं कर रहा है। इस तरह ईरान ने पहली बार आधिकारिक तौर पर माना है कि इस्लामाबाद समझौता खत्म हो गया है और वे इस समझौते के किसी भी क्लॉज का पालन नहीं कर रहे हैं।

ईरान के उप विदेश मंत्री काज़ेम ग़रीबाबादी ने कहा है कि असल में अमेरिका ने सभी वादों को तोड़ा है और एमओयू को पूरी तरह से बेकार साबित कर दिया है। उन्होंने आगे कहा, इसके जवाब में हमने भी अपने सभी वादों पर अमल बंद कर दिया है; अब हम उन वादों को पूरा नहीं कर रहे हैं। आधिकारिक तौर पर यह पहली बार है जब ईरानी कह रहे हैं कि एमओयू खत्म हो गया है और वे इसकी किसी भी शर्त को लागू नहीं करेंगे।

इस्लामाबाद एमओयू पर ठीक एक महीने पहले 18 जून को समझौता हुआ था। शनिवार 18 जुलाई को 30 दिन बाद यह समझौता डस्टबिन में चला गया। ईरान ने अमेरिका पर इस समझौते के सभी पहलुओं को तोड़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि ईरान भी अब समझौते का पालन नहीं कर रहा है।

इस समझौते का उद्देश्य अमेरिका-ईरान तनाव को कम करना, क्षेत्रीय स्थिरता बढ़ाना और परमाणु कार्यक्रम समेत कई विवादित मुद्दों पर संवाद का रास्ता खोलना बताया गया था। समझौते के तहत दोनों पक्षों ने कुछ विश्वास-निर्माण उपायों, कूटनीतिक संपर्क बढ़ाने और भविष्य की वार्ताओं के लिए रूपरेखा पर सहमति जताई थी।

AI Generated

पाकिस्तान ने इसे अपनी बड़ी कूटनीतिक सफलता के रूप में पेश किया था। यह समझौता अमेरिका-ईरान युद्धविराम, होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही और आगे 60 दिनों के भीतर व्यापक समझौते की रूपरेखा पर आधारित था। लेकिन जुलाई की शुरुआत से ही इसमें दरारें दिखने लगीं। सबसे पहले होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही और उसके नियंत्रण को लेकर दोनों देशों की अलग-अलग व्याख्याएं सामने आईं। होर्मुज स्ट्रेट में जो जहाज ओमानी जल क्षेत्र से होकर गुजर रहे थे, ईरान ने उन पर हमला करना शुरू कर दिया। ईरान का कहना था कि होर्मुज से जहाज उसके द्वारा तय रास्ते से ही गुजर सकते हैं, जबकि कई जहाज होर्मुज में ओमान की ओर से गुजर रहे थे। ईरानी हमले पर अमेरिका ने तीखी प्रतिक्रिया दी और ईरानी नौसेना व उसके जहाजों पर हमला करना शुरू कर दिया। इसके बाद अमेरिका ने ईरान से जुड़े कुछ तेल निर्यात राहत उपाय वापस लेने शुरू किए, जिसे ईरान ने समझौते का खुला उल्लंघन बताया। दूसरी ओर, ईरान ने अमेरिका पर फ्रीज हुए फंड जारी न करने और इजरायल की लेबनान में सैन्य कार्रवाई न रोक पाने का आरोप लगाया। जवाब में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान समझौते की शर्तों का पालन नहीं कर रहा है और युद्धविराम खत्म हो चुका है। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच फिर से सैन्य तनाव बढ़ गया और तकनीकी वार्ताएं भी संकट में पड़ गईं।

बुनियादी ढांचों पर भीषण हमले

पिछले कुछ दिनों में अमेरिका ने ईरान के बिजली, नौसेना, पोर्ट, ब्रिज जैसे बुनियादी संसाधनों पर हमले किए और उसे तहस-नहस कर डाला। इसके जवाब में ईरान ने भी गल्फ में कुवैत, बहरीन और कतर में मौजूद अमेरिकी बेस पर हमला किया। शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात को दोनों देशों के बीच भीषण हमले देखने को मिले। शनिवार को अमेरिका और ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर कब्ज़े की लड़ाई तेज़ होने के साथ ही एक-दूसरे के बुनियादी ढांचे और सैन्य ठिकानों पर हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने शनिवार तड़के बताया कि लगातार सातवीं रात किए गए हमलों में निगरानी स्थलों, सैन्य लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर, ज़मीन के नीचे बने हथियारों के गोदामों और समुद्री क्षमताओं को निशाना बनाया गया। ईरान ने भी जवाबी हमला किया। कुवैत के अधिकारियों और कुवैत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के अनुसार, शनिवार को ईरान द्वारा पानी को खारेपन से मुक्त करने वाले प्लांट (डिसैलिनेशन प्लांट) और तेल सुविधा केंद्र पर हमला करने के बाद कुवैत में सबसे ज़्यादा नुकसान हुआ। ▶10पर

ईरान के हमले में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत

यूएस राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की कोई विश्वसनीयता नहीं : मोजतबा

अमेरिकी सेना ने एक बेहद चौंकाने वाले बयान में कहा है कि जॉर्डन में एक सैन्य बेस पर हुए भीषण ईरानी हमलों के बाद उसके दो सैनिकों की मौत हो गई है और एक सैनिक लापता है। युद्ध के शुरुआती दिनों के बाद से यह पहला मामला है जब ईरान के सीधे हमले में अमेरिकी सैनिकों की जान गई है। जाहिर है कि इस बड़ी घटना से अब अमेरिका पर जवाबी कार्रवाई का दबाव काफी बढ़ जाएगा, जिससे यह युद्ध और भी खतरनाक स्थिति में पहुंच सकता है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि शुक्रवार को उस समय इन सैनिकों की मौत हो गई, जब अमेरिकी और सहयोगी सेनाएं ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमलों का मुकाबला कर रही थीं। हमलों के दौरान चार अन्य अमेरिकी सैनिक भी गंभीर रूप से घायल हुए थे, जिन्हें तुरंत इलाज के लिए जॉर्डन के विभिन्न अस्पतालों में ले जाया गया। हालांकि, प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। सुरक्षा कारणों से फिलहाल मारे गए सैनिकों की पहचान उजागर नहीं की गई है।

दूसरी ओर, ईरान की सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने शनिवार को आधिकारिक पुष्टि की है कि उसने जॉर्डन में अमेरिकी बेस पर बड़ा हमला किया है। इसके साथ ही कुवैत में फ्यूल सप्लाई डॉक को निशाना बनाया गया है और बहरीन में एक डेटा सेंटर को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया है। ▶10पर

अंतरिक्ष में वंदेमातरम्

पहला निजी यान विक्रम-1 सफल

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)

देश के पहले निजी तौर पर विकसित आर्बिटल क्लास रॉकेट विक्रम-1 ने शनिवार को यहां से सफलतापूर्वक अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी और अपनी लक्षित कक्षा तक पहुंचने में सफल रहा। इस उड़ान को देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित इस प्रक्षेपण यान की पहली परीक्षण उड़ान को मिशन आगमन नाम दिया गया है। इसने यहां स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के प्रथम प्रक्षेपण प्लेटफार्म से दोपहर 12.05 बजे अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी। लगभग 36 घंटे की सुचारू उल्टी गिनती (काउंटडाउन) के बाद, 40 टन वजनी और 22 मीटर ऊंचे इस यान के स्वचालित प्रक्षेपण अनुक्रम के शुरू होते ही तकनीकी खराबी आ गई थी। इस खराबी को तुरंत ठीक किया गया और सभी प्रणालियों की अंतिम जांच के लिए 20 मिनट की एक नयी उल्टी गिनती शुरू की गई, जिसके बाद यान ने बादलों से घिरे आकाश में उड़ान भरी। लगभग 15 मिनट की उड़ान अवधि और सभी चरणों के सफलतापूर्वक पूरे होने बाद, यान ठीक 450 किलोमीटर की ऊंचाई और 60 डिग्री के झुकाव पर अपनी लक्षित कक्षा में पहुंच गया। यान के कक्षा में पहुंचते ही भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नियंत्रण कक्ष में खुशी की लहर दौड़ गई और इसरो अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने अन्य वैज्ञानिकों को बधाई दी। इसरो ने यान के कक्षा में पहुंचने के बाद घोषणा की, विक्रम-1 अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस अभियान के प्रतीकात्मक भार (पेलोड) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा एक पोस्टकार्ड भी शामिल है, जिस पर वंदे मातरम अंकित है। प्रक्षेपण से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने विक्रम-1 अभियान को भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक ऐतिहासिक नया क्षितिज बताया था। उन्होंने कहा था कि यह अभियान देश के युवाओं की प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और उद्यमशीलता की भावना को प्रदर्शित करता है और यह भी दिखाता है कि अंतरिक्ष क्षेत्र के सुधार किस प्रकार नवाचार और उद्यम के नए अवसर खोल रहे हैं। ▶10पर

मॉनसून सत्र कल से

सत्ता पक्ष मजबूत-विपक्ष कमजोर

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सोमवार से शुरू होने वाले संसद के मॉनसून सत्र में शक्ति और सत्ता के नए समीकरण देखने को मिलेंगे। इस सत्र में ममता बनर्जी की टीएमसी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) का संख्याबल लोकसभा में काफी कम हो जाएगा। वहीं, संसद में एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना की ताकत में बड़ा इजाफा होगा, जो फिलहाल सत्ताधारी एनडीए के साथ है। मॉनसून सत्र से ठीक पहले लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने शनिवार को शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे गुट में विलय को मंज़ूरी दे दी। इसके साथ ही, उन्होंने नेशनलिस्ट सिटिज़न्स पार्टी ऑफ़ इंडिया' (एनसीपीआई) नाम की एक पार्टी में शामिल हुए टीएमसी के 20 बागी सांसदों के लिए भी सदन में अलग बैठने की व्यवस्था की इजाज़त दे दी है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, इन छह सांसदों के विलय के बाद लोकसभा में शिंदे की पार्टी के सांसदों की संख्या 7 से बढ़कर अब 13 हो गई है।

सोमवार से लोकसभा का सीटिंग अरेंजमेंट भी पूरी तरह से बदला हुआ नजर आएगा। टीएमसी के 20 बागी सांसद अब अपनी मूल पार्टी के नेताओं से अलग बैठेंगे। हालांकि, बागी टीएमसी सांसदों की खुद को आधिकारिक तौर पर एनसीपीआई का हिस्सा माने जाने की मांग पर लोकसभा अध्यक्ष द्वारा अभी कोई अंतिम ▶10पर

वांगचुक अस्पताल में

शेखर का व्यवस्था पर तीखा व्यंग्य

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

सोशल एक्टिविस्ट और साइंटिस्ट सोनम वांगचुक इस समय देश के लाखों बच्चों की उम्मीद बने हुए हैं और जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे हुए थे। लेकिन शनिवार की सुबह दिल्ली पुलिस ने उन्हें सफदरजंग अस्पताल शिफ्ट कर दिया। उनकी तबीयत काफी बिगड़ती जा रही थी, जिसे देखते हुए प्रशासन द्वारा ऐसा कदम उठाया गया। हालांकि, इस प्रक्रिया के दौरान वहां थोड़ी-बहुत झड़प भी देखने को मिली। सोनम वांगचुक पिछले 21 दिन से लगातार अनशन पर बैठे हैं। बॉलीवुड का लगभग हर सेलेब उनके सपोर्ट में उतरता दिखा है और सभी को इस साइंटिस्ट की सेहत की चिंता हो रही है। इसी क्रम में, बीते दिन शुक्रवार को प्रसिद्ध अभिनेता शेखर सुमन ने भी सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल पर अपनी गहरी प्रतिक्रिया दी। ▶10पर

अब पछताए होत क्या...

बागी लौटें तो दे दूँगा इस्तीफा: अभिषेक

कोलकाता, 18 जुलाई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में जारी अभूतपूर्व बगावत के बीच पार्टी सांसद अभिषेक बनर्जी ने बागी नेताओं को खुली चुनौती दी है। उन्होंने कहा है कि अगर वे सभी ममता बनर्जी के नेतृत्व को स्वीकार कर वापस लौट आते हैं, तो वह एक घंटे के भीतर पार्टी से इस्तीफा दे देंगे। अभिषेक बनर्जी ने कहा, जो लोग पार्टी छोड़कर चले गए हैं और आज मुझे दोषी ठहरा रहे हैं या गालियां दे रहे हैं, मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वे दीदी (ममता बनर्जी) के पास वापस लौटें। अगर वे लौट आते हैं तो मैं एक घंटे के भीतर पार्टी से इस्तीफा दे दूंगा। अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि बागी नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के साथ गुप्त समझौता कर लिया है। उन्होंने कहा, उन्होंने बीजेपी के साथ डील कर रखी है। पहले पार्टी छोड़ो, फिर बागी गुट या बीजेपी में शामिल हो जाओ और उसके बाद अभिषेक बनर्जी को दोष दो। उन्होंने दोहराया कि अगर वास्तव में पार्टी में बगावत की वजह वही हैं, तो बागी नेताओं के टीएमसी में लौटते ही वह घंटे भर के भीतर अपना पद छोड़ने को तैयार हैं। अभिषेक बनर्जी का यह बयान ऐसे समय आया है जब टीएमसी के कई सांसद और विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं और उन्होंने इस संकट के लिए अभिषेक बनर्जी की कार्यशैली को जिम्मेदार ठहराया है। टीएमसी में बगावत का दायरा बेहद व्यापक हो चुका है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28^0
न्यूनतम : 23^0

अब चलेंगे 10- 20 के प्लास्टिक नोट

RBI ने मँगाये ग्लोबल टेंडर

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। देश में अगले साल से 10 रुपये और 20 रुपये की वैल्यू वाले पॉलिमर या प्लास्टिक के करेंसी नोट देखने को मिल सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है। आरबीआई इस प्रोजेक्ट के तहत भाग लेने के लिए ग्लोबल आपूर्तिकर्ताओं को आमंत्रित करके एक पायलट रोलआउट की तैयारियों में जुटा हुआ है। एएनआई और दैनिक भास्कर की रिपोर्ट में आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, आरबीआई द्वारा 10 और 20 रुपये के नोटों के साथ इस पायलट प्रोजेक्ट को शुरू किए जाने की संभावना है। इसके लिए टेंडर जारी कर वैश्विक स्तर पर आवेदन मांगे गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, व्यापक स्तर पर इन नोटों को जारी करने का अंतिम फैसला फील्ड ट्रायल के परिणामों पर निर्भर करेगा। अगर यह टेस्टिंग सफल रहती है, तो साल 2027 में पूर्ण पैमाने पर इन्हें आम चलन में लाया जा सकता है। इसके लिए आरबीआई की करेंसी छापने वाली सहायक कंपनी, भारतीय रिजर्व बैंक नोट प्रिंटिंग प्राइवेट लिमिटेड ने सुरक्षा सुविधाओं से लैस ट्रांसपैरेंट पॉलिमर सब्सट्रेट शीट की आपूति के लिए ग्लोबल एक्प्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट जारी किया है। सूचना प्रस्ताव में ओरिएंटेड पॉलीप्रोपाइलीन बेस्ड पॉलिमर सब्स्ट्रेट की 68,000 रीम की सांकेतिक मात्रा मांगी गई है, ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा निर्मोही अखाड़ा

फॉरेंसिक ऑडिट की मांग

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राम मंदिर ट्रस्ट के गठन, उसके कामकाज और वित्तीय लेन-देन को लेकर एक बार फिर मामला देश की शीर्ष अदालत की चौखट पर पहुंच गया है। निर्मोही अखाड़े ने सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दाखिल कर आरोप लगाया है कि वर्ष 2019 के ऐतिहासिक फैसले को करीब सात साल बीत जाने के बाद भी उसकी मूल भावना के मुताबिक लागू नहीं किया गया। अखाड़े का कहना है कि केंद्र सरकार ने अदालत के फैसले का पूरी तरह पालन नहीं किया, जिसके कारण आज यह स्थिति पैदा हुई है। इस याचिका में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की कार्यशैली और उसके गठन पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। निर्मोही अखाड़े ने दलील दी है कि सार्वजनिक ट्रस्ट की जगह इसे एक निजी ट्रस्ट की तरह संचालित किया जा रहा है। इसके साथ ही आशंका जताई गई है कि ट्रस्ट के कुछ सदस्य भ्रष्टाचार में शामिल हो सकते हैं। याचिका के अनुसार, इन तमाम विवादों के चलते इस पवित्र धार्मिक स्थल की गरिमा और वैश्विक छवि को भारी नुकसान पहुंचा है।

पारंपरिक सेवादारों की हुई अनदेखी

निर्मोही अखाड़े ने अदालत के सामने मुख्य रूप से यह पक्ष रखा है कि किसी भी मंदिर की व्यवस्था शेबैत (पारंपरिक सेवादार) के बिना अधूरी मानी जाती है। याचिका के मुताबिक, मौजूदा ट्रस्ट में ऐसे लोगों को शामिल कर लिया गया है, जिनका श्रीराम जन्मभूमि से कोई ऐतिहासिक, धार्मिक या कानूनी संबंध रहा ही नहीं है। इसी वजह से अखाड़े ने मांग की है कि पूरे ट्रस्ट का पुनर्गठन किया जाए और इसे एक पूर्ण सार्वजनिक ट्रस्ट का रूप देकर उसमें अखाड़े को उचित व सम्मानजनक भूमिका दी जाए। यह विवाद सिर्फ मंदिर प्रबंधन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वित्तीय लेन-देन को लेकर भी अखाड़े ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। याचिका में ट्रस्ट के अब तक के सभी वित्तीय ▶10पर

अमेरिकी चुनाव में हार का डर चीन पर इलेक्शन में दखल का आरोप, ट्रंप को अपनी ही एजेंसियों पर नहीं भरोसा

वाशिंगटन

अमेरिका में नवंबर 2026 में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर 2020 के चुनावों को लेकर एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा छेड़ दिया है। गुरुवार रात राष्ट्र के नाम संबोधन में ट्रंप ने दावा किया कि 2,78,000 ऐसे लोग वोटर बने बैठे हैं, जो अमेरिकी नागरिक नहीं हैं।

ट्रंप ने सबसे गंभीर आरोप यह लगाया कि चीन ने 2020 के चुनाव में अमेरिका के 22 करोड़ मतदाताओं का डेटा अवैध तरीके से हासिल किया। इसमें वोटरों के नाम, पते, फोन नंबर और वोटर रजिस्ट्रेशन से जुड़ी अन्य संवेदनशील जानकारी शामिल थी। ट्रंप ने एफबीआई से इस पूरे मामले की जांच की भी मांग की है। हालांकि, उनके इस दावे को अमेरिकी इंटेलिजेंस कम्युनिटी अपने आधिकारिक आकलन में पहले ही गलत बता चुकी है, जिसमें कहा गया था कि चीन ने 2020 के चुनाव के नतीजों को प्रभावित करने की कोशिश नहीं की।

ट्रंप ने अपनी ही खुफिया एजेंसी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इस पूरी जानकारी को अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के कुछ अधिकारियों ने दबा दिया।

एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने अपने भाषण में कहा कि व्हाइट हाउस ऐसे दस्तावेज सार्वजनिक करेगा, जिनसे यह साबित होगा कि चीन ने वर्षों तक अमेरिकी चुनावी डेटा को निशाना बनाया। ट्रंप का आरोप है कि एफबीआई के पास 2020 में ऐसी रा इंटेलिजेंस थी, जिसमें चीन की कथित गतिविधियों का जिक्र था, लेकिन उसे जानबूझकर दबा दिया गया। ट्रंप के आरोपों के बीच सबसे बड़ा सवाल अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के आधिकारिक निष्कर्षों को लेकर है।

मार्च 2021 में, नेशनल इंटेलिजेंस काउंसिल की रिपोर्ट में अमेरिकी इंटेलिजेंस कम्युनिटी ने उच्च आत्मविश्वास के साथ कहा था कि चीन ने 2020 के चुनाव के नतीजों को प्रभावित करने की कोशिश नहीं की। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन को न तो ट्रंप और न ही जो बाइडेन की जीत में ऐसा कोई फायदा दिखा, जिसके लिए वह पकड़े जाने का जोखिम उठाता। ट्रंप जिन दस्तावेजों का हवाला दे रहे हैं, उनमें शुरुआती खुफिया सूचनाएं यानी रा इंटेलिजेंस शामिल हैं। ट्रंप का कहना है कि इन्हें जानबूझकर राष्ट्रपति की दैनिक ब्रीफिंग से बाहर रखा गया।

न्यूज ब्रीफ

फ्रांस कराची स्थित अपना वाणिज्य दूतावास स्थायी रूप से बंद करेगा

पेरिस/कराची। फ्रांस ने पाकिस्तान के कराची स्थित अपने वाणिज्य दूतावास (कान्सुलेट) को स्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया है। यह कदम बजट में कटौती और दुनिया भर में अपने राजनयिक नेटवर्क को छोटा करने की नीति के तहत उठाया गया है।

कराची में फ्रांस के महावाणिज्यदूत एलेक्सिस शहताहतिंस्की ने पुष्टि करते हुए कहा कि दूतावास के बंद होने के बावजूद पाकिस्तान के साथ फ्रांस के राजनयिक और द्विपक्षीय संबंध प्रभावित नहीं होंगे। उन्होंने बताया कि आगे सभी राजनयिक और कांसुलर सेवाओं का संचालन इस्लामाबाद स्थित फ्रांसीसी दूतावास के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कराची में अलायंस फ्रांसेज़ (फ्रांसीसी सांस्कृतिक केंद्र) और पाकिस्तान-फ्रांस बिजनेस अलायंस अपनी गतिविधियां पहले की तरह जारी रखेंगे। इससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान, शैक्षणिक सहयोग और व्यापारिक संपर्कों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। फ्रांस हाल के वर्षों में अपने वैश्विक राजनयिक ढांचे की समीक्षा कर रहा है और खर्चों में कमी लाने के उद्देश्य से कई देशों में अपने कांसुलर नेटवर्क का पुनर्गठन कर रहा है। कराची स्थित वाणिज्य दूतावास को बंद करने का निर्णय भी इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

समुद्री तटों पर नीले रंग के बैलून जैसे दिखने वाले समुद्री जीव से रहे सावधान

लंदन। हाल के वर्षों में दुनिया के कई समुद्री तटों पर नीले रंग के बैलून जैसे दिखने वाले एक समुद्री जीव की मौजूदगी बढ़ी है।

विशेषज्ञों के अनुसार यह जीव बेहद जहरीला होता है और इसके डंक से तेज दर्द, सूजन, उल्टी, बुखार तथा गंभीर एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई मामलों में पीड़ित को अस्पताल में भर्ती तक कराना पड़ता है। इस समुद्री जीव का नाम पुर्तगाली मैन ओ वार है, जिसका वैज्ञानिक नाम फिसालिया फिसालिस है। देखने में यह जेलीफिश जैसा लगता है, लेकिन वास्तव में यह जेलीफिश नहीं बल्कि सिफोनोफोर नामक जीवों का समूह है। यह चार अलग-अलग प्रकार के विशेष जीवों से मिलकर बना एक सामूहिक जीव होता है, जिनमें प्रत्येक का अलग कार्य होता है। इसके ऊपरी हिस्से में गैस से भरा नीले या बैंगनी रंग का गुब्बारे जैसा फ्लोट होता है, जिसकी मदद से यह समुद्र की सतह पर तैरता रहता है। इसके नीचे लटकने वाली टेंटेकल्स या डंक वाली लंबी रस्सियां 30 मीटर तक लंबी हो सकती हैं। इन्हीं में मौजूद विषैले स्टिंगिंग सेल्स इसके सबसे खतरनाक हथियार होते हैं। पुर्तगाली मैन ओ वार अपनी टेंटेकल्स की मदद से छोटी मछलियों और अन्य समुद्री जीवों का शिकार करता है। डंक लगते ही शिकार का शरीर सुन्न पड़ जाता है और फिर यह उसे भोजन के रूप में उपयोग करता है। इंसानों पर भी इसका विष तेजी से असर करता है। डंक लगते ही त्वचा में असहनीय जलन, तेज दर्द, लाल निशान और सूजन शुरू हो जाती है। कुछ लोगों में चक्कर आना, उल्टी, सांस लेने में कठिनाई और गंभीर एलर्जिक प्रतिक्रिया भी देखी गई है। समुद्री वैज्ञानिकों का कहना है कि समुद्र के बढ़ते तापमान, बदलती समुद्री धाराओं और जलवायु परिवर्तन के कारण यह जीव पहले की तुलना में अधिक संख्या में समुद्र तटों तक पहुंच रहा है। भारत में गोवा, केरल, तमिलनाडु, ओडिशा और गुजरात के कई समुद्र तटों पर इसके डंक लगने के मामले सामने आ चुके हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में ऐसी घटनाओं में और वृद्धि हो सकती है। यदि किसी व्यक्ति को इस जीव का डंक लग जाए तो प्रभावित हिस्से को ताजे पानी से नहीं बल्कि समुद्री पानी से साफ करना चाहिए।

जापान में खारे पानी और सीवेज के पानी से बन रही बिजली

टोक्यो। जापान ने ऐसी तकनीकी विकसित की है जिसके तहत अत्यधिक खारे पानी और शोधित सीवेज के पानी की मदद से बिजली बनाई जा रही है।

जापान के फुकुओका स्थित एक समुद्री जल विलवणीकरण केंद्र में स्थापित आस्मोटिक पावर प्लांट प्राकृतिक वैज्ञानिक सिद्धांत का उपयोग कर बिना जीवाश्म ईंधन जलाए बिजली पैदा कर रहा है। इस तकनीक को ब्लू एनर्जी या सैलिनिटी ग्रेडिएंट एनर्जी भी कहा जाता है। यह तकनीक आस्मोसिस यानी परासरण की प्राकृतिक प्रक्रिया पर आधारित है। यही प्रक्रिया पौधों की जड़ों द्वारा मिट्टी से पानी ग्रहण करने और जीवित कोशिकाओं में जल संतुलन बनाए रखने में भी काम करती है। इसमें एक विशेष अर्ध-पारगम्य झिल्ली के दोनों ओर अलग-अलग लवणता वाला पानी रखा जाता है। यह झिल्ली पानी के अणुओं को गुजरने देती है, लेकिन नमक को रोक लेती है। परिणामस्वरूप कम खारे पानी के अणु स्वाभाविक रूप से अधिक खारे पानी की ओर बढ़ते हैं और इसी प्रवाह में ऊर्जा उत्पन्न होती है। फुकुओका के ममिजुपिया विलवणीकरण केंद्र में स्थापित यह संयंत्र प्रेशर-रिटार्डेड आस्मोसिस तकनीक का उपयोग करता है। इस प्रक्रिया में मीठा पानी झिल्ली को पार कर दबाव वाले अत्यधिक खारे पानी के हिस्से में पहुंचता है।

अमेरिका-ईरान में सैन्य टकराव तेज, होर्मोजगन में तीन नागरिकों की मौत, वाशिंगटन के सहयोगी देशों पर हमले

तेहरान/वाशिंगटन

ईरान का होर्मुज जलडमरूमध्य युद्ध के मैदान में तबदील हो चुका है। अमेरिका और ईरान के मध्य छिड़ी जंग के रुकने के आसार फिलहाल नहीं दिख रहे। अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकाम) ने ईरान पर ताजा हमले किए हैं। ईरान ने दावा किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से सटे होर्मोजगन प्रांत में शनिवार सुबह हुए हमलों में कम से कम तीन नागरिक मारे गए हैं और आठ अन्य घायल हुए हैं। सेंटकाम ने इस दावे को झुठलाते हुए कहा कि दो तेल टैंकर होर्मुज में माइंस (बारूदी सुरंगों) से टकरा गए। इससे विस्फोट हुआ है। ईरान की सेना का कहना है कि उसने बहरीन, जार्डन और कुवैत में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। रिपोर्ट के अनुसार, तस्नीम समाचार एजेंसी ने ईरान की सेना के हवाले से कहा कि कुवैत और जार्डन में अनेक अमेरिकी सैन्य बुनियादी ढांचों को निशाना बनाते हुए ड्रोन हमले किए हैं। ईरान ने चेतावनी दी कि उसके हमले और तेज होंगे।

बंदर अब्बास के अधिकारियों ने बिजली सुविधा केंद्रों और रेलवे स्टेशन पर हमलों की जानकारी दी है। इस टकराव से खाड़ी क्षेत्र में भी तनाव बढ़ गया है। कतर ने कहा कि उसने दोहा के पास एक मिसाइल हमले को रोका। कतर ने उन दावों को बेबुनियाद बताया कि वह ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए सहमत हो गया है। दुबई के अधिकारियों ने डाउनटाउन दुबई में विस्फोटों के दावों को खारिज कर दिया है।

सेंटकाम ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर सेना ने ईरान पर लगातार सातवीं रात हमले किए। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि बीते कुछ घंटों की तुलना में अमेरिका के हवाई हमले तेज हो गए हैं। मध्य शहर यज्द और दक्षिणी शहरों लार, अहवाज, सिरिक, बुशहर, बंदर अब्बास और दराब में धमाके हुए हैं। केशम द्वीप पर भी लगातार दूसरी रात धमाके हुए हैं। होर्मोजगन प्रांत के स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि अमेरिकी हवाई हमलों में प्रांत के दो पुलों और एक सुरंग को निशाना बनाया गया। होर्मोजगन के डिप्टी गवर्नर ने बताया कि शनिवार तड़के प्रांत में कई जगहों पर हुए हुए हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए।

आईआरजीसी का कहना है कि बुशहर के ऊपर एक एमक्यू-9 ड्रोन को ट्रैक कर मार गिराया गया। यही नहीं, उत्तरी हिंद महासागर में अमेरिकी जहाज को शोर-टू-सी (तट से समुद्र में मार करने वाली) क्रूज मिसाइल से निशाना बनाया। आईआरजीसी ने बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले करने की पुष्टि भी की है। आईआरजीसी ने दावा किया कि अमेरिकी सेना समर्थित चार जहाजो ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश की, जिन्हें मिसाइल और ड्रोन के संयुक्त आपरेशन के दौरान वहीं रोक दिया गया। इसके अलावा होर्मुज जलडमरूमध्य के दक्षिण में बारूदी सुरंगों वाले रास्ते से गुजरने के बाद दो तेल टैंकरों में धमाका हुआ और उनमें आग लग गई।

तस्नीम के अनुसार, ईरान की सेना ने कुवैत और जार्डन में कई अमेरिकी सैन्य बुनियादी ढांचा स्थलों को निशाना बनाते हुए ड्रोन हमले किए हैं। इन स्थलों में कैंप उदैरी (कुवैत) गोला-बारूद का डिपो, अली अल सलेम बेस (कुवैत) मुख्यालय की इमारतें, गोला-बारूद डिपो और पास के जोड़ने वाले पुल, मुवाफक साल्टी, अल अजराक एयर बेस (जार्डन) और सैन्य ईंधन टैंक पर जोरदार हमला किया गया है। इस बीच ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला सैयद मोजेतबा खामेनेई के सीनियर मिलिट्री एडवाइजर मोहसिन रेजाई ने चेतावनी दी कि अगर 14-सूत्रीय समझौते के टूटने के बाद अमेरिका इस्लामिक रिपब्लिक के खिलाफ चल रहे संघर्ष और सैन्य अभियान को जारी रखता है तो तेहरान जवाबी हमलों से आगे बढ़कर कार्रवाई करेगा।

किडनी देने के बाद पत्नी ने मांगा तलाक, पति ने कहा-मेरी किडनी वापस करो

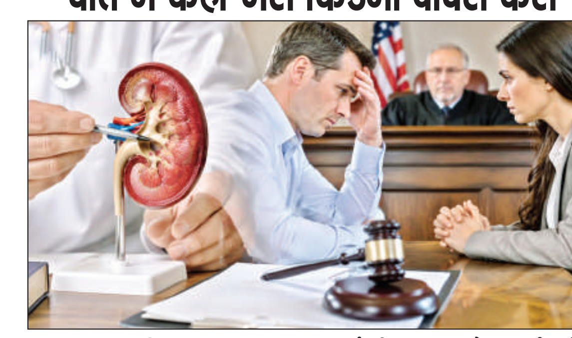

वाशिंगटन

अमेरिका में वैवाहिक रिश्तों और कानूनी जटिलताओं से जुड़ा एक बेहद अनोखा मामला वर्षों बाद भी दुनिया भर में चर्चा का विषय बना हुआ है। न्यूयार्क के लान्ग आइलैंड में रहने वाले एक डाक्टर ने अपनी पत्नी की जान बचाने के लिए अपनी एक किडनी दान की थी। लेकिन कुछ साल बाद जब पत्नी ने तलाक की अर्जी दाखिल कर दी, तो डाक्टर ने अदालत में एक ऐसी मांग रख दी जिसने सभी को हैरान कर दिया। पीड़ित डाक्टर ने कोर्ट से गुहार लगाई कि या तो उन्हें उनकी दान की गई किडनी वापस दिलाई जाए, या फिर उसके बदले 1.5 मिलियन डालर (लगभग 14.45 करोड़ रुपये) का मुआवजा दिलाया जाए। यह मामला डा. रिचर्ड बतिस्ता और उनकी पत्नी डानेल बतिस्ता के बीच का है।

रिचर्ड और डानेल का विवाह वर्ष 1990 में हुआ था। शादी के कुछ वर्षों बाद डानेल की किडनी गंभीर रूप से खराब हो गई। पत्नी की जान बचाने के लिए वर्ष 2001 में डा. रिचर्ड ने अपनी एक किडनी उन्हें दान कर दी। यह आपरेशन पूरी तरह सफल रहा और डानेल को नया जीवन मिल गया।

हालांकि, इस महान त्याग के बावजूद दोनों के रिश्तों में खटास आने लगी और आखिरकार वर्ष 2005 में डानेल ने तलाक के लिए कोर्ट का रुख कर लिया। इस कदम से आहत डा. रिचर्ड बतिस्ता ने सार्वजनिक रूप से अपनी पीड़ा जाहिर करते हुए कहा कि उन्होंने पत्नी को केवल दिल ही नहीं बल्कि जिंदगी बचाने के लिए अपनी किडनी भी सौंप दी थी, लेकिन बदले में उन्हें केवल विश्वासघात मिला।

डा. रिचर्ड के वकील ने कोर्ट में तर्क दिया कि उनके मुवक्किल प्रत्यारोपित किडनी वापस चाहते हैं और यदि चिकित्सकीय रूप से ऐसा करना संभव नहीं है, तो उन्हें उसकी कीमत के बराबर मुआवजा मिलना चाहिए। दूसरी तरफ, पत्नी के वकील ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा कि मामले के तथ्य वैसे नहीं हैं जैसे पेश किए जा रहे हैं और वे अदालत के सामने सही सच रखेंगे। चिकित्सा और कानून के जानकारों का मानना है कि स्वेच्छा से दान किया गया कोई भी अंग वैवाहिक संपत्ति के दायरे में नहीं आता। अंगदान को कानूनी रूप से एक स्थायी और स्वैच्छिक निर्णय माना जाता है, जिसे किसी भी स्थिति में वापस नहीं लिया जा सकता।

हाल ही में यह दिलचस्प मामला सोशल मीडिया पर एक बार फिर तेजी से वायरल हो रहा है। इंटरनेट पर कई लोग यह दावा कर रहे हैं कि पत्नी ने किसी दूसरे व्यक्ति के लिए अपने पति को छोड़ दिया था, जिसके बाद पति ने अपनी किडनी वापस मांग ली। हालांकि, वास्तविक कानूनी दस्तावेजों और सार्वजनिक रिपोर्टों में इस दावे की पुष्टि नहीं होती है कि पत्नी ने किसी दूसरे पुरुष के लिए तलाक लिया था।

पहली बार अंतरिक्ष में हुआ इंसान का सफल एक्सरे

वाशिंगटन। अंतरिक्ष विज्ञान के इतिहास में एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए वैज्ञानिकों ने पहली बार अंतरिक्ष में किसी इंसान का सफलतापूर्वक डिजिटल एक्सरे करने में बड़ी सफलता हासिल की है। एक निजी अंतरिक्ष मिशन के दौरान पोर्टेबल मिनी एक्सरे मशीन का यह परीक्षण पूरी तरह सफल रहा, जिससे भविष्य के चंद्रमा और गहरे अंतरिक्ष अभियानों के लिए चिकित्सा सुविधाओं का एक नया और आधुनिक रास्ता खुल गया है। अब तक अंतरिक्ष में किसी भी चोट या आंतरिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या की तत्काल जांच के लिए मुख्य रूप से केवल अल्ट्रासाउंड तकनीक का उपयोग किया जाता था, लेकिन अल्ट्रासाउंड के लिए शरीर के भीतर माध्यम की आवश्यकता होती है, जबकि इसके विपरीत एक्सरे तकनीक निर्वात जैसी कठिन परिस्थितियों में भी प्रभावी ढंग से कार्य कर सकती है। यही मुख्य कारण है कि वैज्ञानिक लंबे समय से अंतरिक्ष के अनुकूल एक ऐसी हल्की, मजबूत और बेहद कम ऊर्जा खपत वाली एक्सरे प्रणाली विकसित करने पर लगातार काम कर रहे थे। विशेषज्ञों के अनुसार पारंपरिक एक्सरे मशीनें आकार में काफी बड़ी, भारी और अधिक बिजली की मांग करने वाली होती हैं, जिसके अलावा राकेट प्रक्षेपण और पृथ्वी पर वापसी के दौरान लगने वाले तेज झटकों से इनके क्षतिग्रस्त होने का खतरा हमेशा बना रहता है।

बांग्लादेश में परीक्षा विवाद पर भड़का जेन-जी आंदोलन, शिक्षा मंत्री की फार्म चिकन टिप्पणी से बढ़ा छात्रों का गुस्सा

ढाका

बांग्लादेश में उच्च माध्यमिक (एचएससी) परीक्षा व्यवस्था को लेकर छात्रों का विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। बाढ़ और खराब मौसम के बीच परीक्षाएं कराने के सरकारी फैसले तथा शिक्षा मंत्री ए.एन.एम. एहसानुल हक मिलोन की विवादित फार्म चिकन टिप्पणी के बाद ढाका समेत कई शहरों में हजारों छात्र सड़कों पर उतर आए। यह आंदोलन बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सरकार के सत्ता में आने के कुछ ही महीनों बाद सामने आया है।

02 जुलाई से शुरू हुई एचएससी और समकक्ष परीक्षाओं में करीब 13 लाख छात्र शामिल हो रहे हैं। जुलाई के दूसरे सप्ताह में मूसलाधार बारिश और बाढ़ से चटगांव क्षेत्र सहित कई इलाकों में हालात बिगड़ गए। शिक्षा मंत्रालय ने चटगांव शिक्षा बोर्ड के अंतर्गत आने वाले पांच जिलों में परीक्षाएं स्थगित कर दीं, लेकिन अन्य बोर्डों में परीक्षाएं जारी रखने के फैसले से छात्रों और अभिभावकों में भारी नाराजगी फैल गई।

रिपोर्टों के मुताबिक, कई छात्रों को घुटनों तक पानी में चलकर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचना पड़ा। कई परीक्षार्थी बारिश, जलभराव और बीमारी के बावजूद परीक्षा देने के लिए मजबूर हुए, जिससे परीक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे।

विवाद उस समय और बढ़ गया जब शिक्षा मंत्री मिलोन की एक आडियो रिकार्डिंग सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इसमें वह कथित तौर पर कहते सुनाई दिए, ये तो फार्म चिकन हैं, थोड़ा भीगते ही बुखार आ जाता है। इस टिप्पणी को छात्रों ने अपमानजनक बताते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, ढाका, चटगांव, कुमिल्ला सहित कम से कम 13 जिलों में छात्रों ने सड़कें जाम कीं, शिक्षा बोर्ड कार्यालयों का घेराव किया और प्रदर्शन किए। राजधानी ढाका में प्रदर्शनकारियों ने व्यंग्यात्मक नारे लगाए— तुम कौन हम कौन फार्म चिकन, बढ़ते विरोध के बीच प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने 14 जुलाई को शिक्षा मंत्री के साथ आपात बैठक की। इसके बाद मंत्री मिलोन ने संसद में अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगते हुए भारी बारिश और जलभराव से छात्रों को हुई परेशानियों को स्वीकार किया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जो छात्र परीक्षा नहीं दे सके, उनके लिए नई परीक्षा व्यवस्था की जाएगी।

दो विशाल ग्रहों पर होता है हीरों का निर्माण: वैज्ञानिक

लंदन

क्या कभी आपने ऐसे ग्रहों के बारे में सुना है, जहां आसमान से पानी नहीं बल्कि हीरों की बारिश होती है वैज्ञानिकों का मानना है कि हमारे सौरमंडल के दो विशाल ग्रह, नेपच्यून और यूरेनस, ऐसे वातावरण और परिस्थितियां रखते हैं जहां प्राकृतिक रूप से हीरों का निर्माण होता है और वे ग्रह के भीतर नीचे की ओर गिरते हैं। इसी प्रक्रिया को सामान्य भाषा में हीरों की बारिश कहा जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार नेपच्यून और यूरेनस दोनों ही पृथ्वी से कहीं बड़े गैसीय ग्रह हैं। नेपच्यून का आकार पृथ्वी से लगभग 15 गुना और यूरेनस का करीब 17 गुना बड़ा माना जाता है। इन दोनों ग्रहों के वातावरण में मीथेन गैस की मात्रा काफी अधिक है। मीथेन मुख्य रूप से कार्बन और हाइड्रोजन से मिलकर बनी होती है। ग्रहों के अंदर अत्यधिक दबाव और हजारों डिग्री तापमान के कारण मीथेन के अणु टूट जाते हैं और कार्बन तथा हाइड्रोजन अलग हो जाते हैं। इसके बाद कार्बन के कण अत्यधिक दबाव में संकुचित होकर हीरे का रूप ले लेते हैं।

वैज्ञानिकों का मानना है कि ये हीरे ग्रह के अंदर गहराई की ओर गिरते रहते हैं, जिसे हीरों की बारिश कहा जाता है। इस सिद्धांत की पुष्टि के लिए वैज्ञानिकों ने पृथ्वी पर प्रयोगशाला में विशेष परीक्षण किए। उन्होंने अत्यधिक शक्तिशाली लेजर तकनीक की मदद से नेपच्यून और यूरेनस जैसी परिस्थितियां तैयार कीं। कार्बन और हाइड्रोजन युक्त विशेष प्लास्टिक पदार्थ पर लेजर किरणें डालकर अत्यधिक दबाव और तापमान उत्पन्न किया गया। इस प्रयोग के दौरान बेहद सूक्ष्म आकार के नैनो हीरे बनते देखे गए। इस सफलता के बाद वैज्ञानिकों का विश्वास और मजबूत हुआ कि इन दूरस्थ ग्रहों के भीतर भी इसी प्रकार की प्रक्रिया लगातार चल रही होगी। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इन ग्रहों पर हीरों की मात्रा इतनी अधिक हो सकती है कि यदि भविष्य में उन्हें पृथ्वी तक लाना संभव हो जाए, तो उनकी कीमत दुनिया की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह बदल सकती है।

हालांकि फिलहाल यह केवल एक सैद्धांतिक संभावना है, क्योंकि नेपच्यून और यूरेनस तक पहुंचना और वहां से कोई संसाधन लाना वर्तमान तकनीक से संभव नहीं है। इन ग्रहों का तापमान शून्य से लगभग 200 डिग्री सेल्सियस नीचे तक पहुंच जाता है और विशेष रूप से नेपच्यून पर सौरमंडल की सबसे तेज हवाएं चलती हैं, जिनकी गति लगभग 1,500 मील प्रति घंटा तक हो सकती है। ऐसे वातावरण में किसी अंतरिक्ष यान या मानव मिशन का लंबे समय तक संचालन बेहद कठिन है। विशेषज्ञों का कहना है कि पृथ्वी पर हीरों की बारिश होने की कोई संभावना नहीं है।

इंफॉर्मेशन

भालू परिवार का सबसे छोटा सदस्य - सन बेयर

सूरज के जैसे गुलाबी रोएं होने के कारण इसे सन बेयर यानी सूरज भालू कहा जाता है। मात्र पांच फुट लम्बे इस भालू के बारे में आइए जानें कुछ और रोचक बातें।

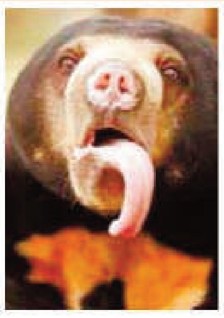

वो अपनी लम्बी जीभ से मधुमक्खियों के छत्ते से बड़ी आराम से शहद गटक जाता है। पैरों में इतनी मजबूती होती है कि ये पलक झपकते ही पेड़ की ऊंची टहनियों तक चढ़ जाता है। कद में छोटा होने, छोटे कान और एक छोटा थूथन होने के कारण इसे डॉग बेयर यानी कुत्ता भालू भी कहा जाता है। सूरज भालू दक्षिण-पूर्व एशिया के निचले जंगलों में पाया जाता है। इसे सूरज भालू इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसकी छाती पर गुलाबी रंग के रोएं का एक गोल घेरा बना होता है।

अमेरिकन ब्लैक बेयर की तुलना में सन बेयर केवल आधे ही बढ़ते हैं। इनकी लंबाई तकरीबन डेढ़ मीटर के आस-पास होती है और वजन सत्तर किलो के आसपास होता है।

ये रात के समय अधिक सक्रिय रहते हैं। ये रात को जंगलों से फल, बेर, छोटे पक्षियों, कीट-पतंगों का शिकार करते हैं। इनमें गजब की सूंघने की क्षमता होती है। अपने चार इंच से अधिक लंबे पंजों की मदद से ये बड़ी तेजी से पेड़ पर चढ़ने में माहिर होते हैं। इन्हीं पंजों की मदद से पुराने पेड़ों पर लगी दीमक को निकालकर खा जाते हैं।

बहुमूल्य देन

कहते हैं कि रोजाना एक सेब खाओ और डॉक्टर को दूर भगाओ। फल मनुष्य को प्रकृति की बहुमूल्य देन हैं। प्रकृति ने इनमें इतने गुण भर दिए हैं कि यदि आप नियमित रूप से अपने भोजन में इन्हें शामिल करते हैं, तो आपको दवाईयां लेने की जरूरत नहीं पड़ती, । सेब में विटामिन ए, सी, बी1, बी-2, बी-6, फॉलिक और पैंटोथेनिक एसिड पाया जाता है। इसमें मिनरल जैसे पोटाशियम, आयरन और कुछ मात्रा में कॉपर, मैग्नीशियम व फॉस्फोरस पाया जाता है। सुबह सेब खाने से सुस्ती दूर होती है। यह किडनी में सोडियम क्लोराइड की मात्रा संतुलित रखता है। कब्ज दूर करता है। फ्री रैडिकल्स को खत्म करता है और बुरे कोलेस्ट्रॉल को भी कम करता हैं।

इनसे तुम दोस्ती कर लो...

वन्य प्राणियों की तेजी से घट रही संख्या से चिंतित होकर अभ्यारण्यों की स्थापना की गई, ताकि वहां के कुदरती परिवेश में जानवरों को संरक्षित रखा जा सके। हाथी की मस्ती भरी चाल, मोर का नाच, ऊंट की सैर, शेरों की दहाड़ का आप यहां आनंद ले सकते हैं...

मारे देश में विश्व के करीब 60 प्रतिशत शेर, 80 प्रतिशत एक सींग वाले गैंडे और 50 प्रतिशत एशियाई हाथी पाए जाते हैं। लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई और शिकार के कारण जानवरों की गिनती लगातार घटती जा रही है। इन जीवों के बचाव के लिए भारत में 70 से ज्यादा नैशनल पार्क और 400 जंगली जीवों के अभयारण्य हैं, इसके अलावा पक्षी अभयारण्य भी हैं। इन मूक जानवरों से दोस्ती करके हम अपनी भावी पीढ़ियों के लिए इन्हें महफूज रख सकते हैं।

काजीरंगा नैशनल पार्क

काजीरंगा नैशनल पार्क विश्वभर में एक सींग वाले गैंडे के लिए प्रसिद्ध है। एक सींग वाला गैंडा, हाथी, भारतीय भैंसा, हिरण, सांभर, भालू, बाघ, चीते, भेड़िया, साही, अजगर और अनेक प्रकार की चिड़ियां जैसे पेलीकन, बत्तख, कलहंस, हॉर्नबिल, आइबिस, जलकाक, अगरेट, बगुला, लेसर एडजुलेंट, रिंगटेल फिशिंग इगल आदि भी यहां पाई जाती हैं। काजीरंगा नैशनल पार्क मध्य असम में 430 वर्ग किमी. इलाके में फैला हुआ है। इसका प्राकृतिक परिवेश जंगलों से युक्त है। यहां बड़ी एलिफेंट ग्रास, पेड़, दलदली जगह व उथले तालाब हैं। इसे यूनैस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया है।

जिम कोर्बेट नैशनल पार्क

जिम कोर्बेट नैशनल पार्क दिल्ली से 240 किमी. उत्तर-पूर्व में स्थित है। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य अद्भुत है। जंगलों से ढंकी पहाड़ियां और घाटियों के बीच से कल-कल करती नदी बहती है। कई बार इसके तट पर घड़ियाल भी देखे जाते हैं। इस नैशनल पार्क में हाथी, चीता, तेंदुआ, सांभर और भालू भी देख सकते हैं।

सरिस्का नैशनल पार्क

1958 में बना सरिस्का नैशनल पार्क टाइगर रिजर्व के लिए प्रसिद्ध है। यह राजस्थान के अलवर जिले में अरावली की पहाड़ियों पर 800 वर्ग किमी. के क्षेत्र में फैला हुआ है। यहां आप जंगल के राजा को उसके परिवार के साथ घूमते हुए देख सकते हैं। पहाड़ों और जंगलों से घिरा यह अभयारण्य स्तनधारी जानवरों, पक्षियों, सांपों, बाघों और तेंदुओं के लिए प्रसिद्ध है। इस स्थान का ऐतिहासिक महत्व भी है। कहा जाता है कि पांडवों ने अपने वनवास के दौरान सरिस्का में आश्रय लिया था। यहां मंदिरों के अवशेष देखे जा सकते हैं।

केवलादेव नैशनल पार्क

केवलादेव घाना नैशनल पार्क राजस्थान में स्थित एक प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान है। यह ढाई लाख पक्षियों का घर है। यहां बड़ी संख्या में साइबेरियाई पक्षी भी आते हैं।

राजाजी नैशनल पार्क

830 वर्ग किमी. इलाके में फैला राजाजी नैशनल पार्क हाथियों की संख्या के लिए जाना जाता है। यह उत्तरांचल में देहरादून से 23 किमी. आगे है। महान् स्वतंत्रता सैनानी सी.राजगोपालाचार्य के नाम पर इसका नाम राजाजी नैशनल पार्क रखा गया। यहां हिरण,चीते, सांभर और मोर भी देखे जा सकते हैं। इसके अलावा यह पक्षियों की भी 315 प्रजातियों का निवास है।

दुधवा नैशनल पार्क

दुधवा नैशनल पार्क एक प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान और बाघ संरक्षित क्षेत्र है। यह उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में शिवालिक पर्वत श्रेणियों की तराई में स्थित है। भारत और नेपाल की सीमाओं से लगा हुआ यह एक विशाल वन क्षेत्र है। दुधवा नैशनल पार्क प्रमुख रूप से बाघों एंव बारहसिंगा के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

गिर वन नैशनल पार्क

गिर वन नैशनल पार्क बाघ संरक्षित क्षेत्र है, जो 'एशियाई बब्बर शेर' के लिए विश्व प्रसिद्ध है। इसकी स्थापना 1913 में एशियाई शेरों को संरक्षण प्रदान करने के लिए की गई थी। स्थापना के बाद से यहां सैकड़ों एशियाई सिंहों का जन्म हो चुका है। यह अभयारण्य जूनागढ़ से 60 किमी. दक्षिण-पश्चिम में गुजरात में स्थित है। 1295 वर्ग किमी. इलाके में फैले इस उद्यान में आप तेंदुआ, चित्तीदार हिरण, नीलगाय, चौसिंगा हिरण और चिंकारा भी देख सकते हैं। यहां स्थित विशाल जलाशय में मगरमच्छ भी हैं।

सुंदरबन नैशनल पार्क

सुंदरबन नैशनल पार्क भारत का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है, जो पश्चिम बंगाल में स्थित है। इसमें करीब 250 टाइगर्स हैं। इसे बर्ड वॉचर्स का स्वर्ग माना जाता है। यहां कई रेंगने वाले जानवर भी देखे जा सकते हैं। यह वर्ल्ड हैरिटेज साइट भी है।

कान्हा नैशनल पार्क

कान्हा नैशनल पार्क विश्व के सर्वोत्तम संरक्षित वन्य जीव स्थलों में से एक है, जो मध्य प्रदेश में स्थित है। यह 1,949 वर्ग किमी में फैला है। यह राष्ट्रीय उद्यान बारासिंघा के लिए प्रसिद्ध है, जो विश्व में और कहीं भी नहीं मिलता।

जिज्ञासा

जुगनू कैसे चमकते हैं?

अंधेरी रातों में जुगनूओं को चमकते हुए तो आप सबने जरूर देखा होगा। यदि अंधेरा हो, तो जुगनू का बारी-बारी से चमकना और बंद होना रोमांचक और आर्कषक दिखता है। जुगनू लगातार नहीं चमकते, बल्कि एक निश्चित अंतराल में ही चमकते और बंद होते हैं।

जुगनू के पेट में नीचे की ओर स्किन के ठीक नीचे कुछ हिस्सों में रोशनी पैदा करने वाले अंग होते हैं। इन अंगों में एक रसायन होता है। यह रसायन ऑक्सीजन के संपर्क में आकर रोशनी पैदा करता है। वहां एक और रसायन भी होता है, जो इस रोशनी पैदा करने की क्रिया को उकसाता है, हालांकि यह पदार्थ खुद क्रिया में भाग नहीं लेता है।

पुराने जमाने में लोग रोशनी पैदा करने वाले कीटों को पकड़कर अपनी झोंपड़ियों में उजाले के लिए इस्तेमाल करते थे। ये लोग किसी छेद वाले बर्तन में जुगनूओं को पकड़ कर कैद कर लेते थे और रात को इन कीटों की रोशनी में अपना काम करते थे। दूसरे विश्व युद्ध में जापानी फौजी किसी संदेश या नक्शे को पढ़ने के लिए कीटों से निकलने वाली रोशनी की मदद लेते थे।

जुगनूओं के अलावा और भी जीव हैं जो रोशनी पैदा करते हैं। कुछ बैक्टीरिया, कुछ मछलियां, कुछ किस्म के शैवाल, घोंघे और केकड़ों में भी रोशनी पैदा करने के गुण होते हैं। कुछ फफूंद भी चमकने की क्षमता रखती हैं और लगातार रोशनी पैदा कर कीटों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। कुकरमुत्ते की एक किस्म भी रात में बड़ी तेजी से चमकती है।

जमीन के नीचे दुनिया

समय के साथ-साथ कई शहरों का नामोनिशां मिट गया। आज इनके केवल कुछ अवशेष ही बचे हैं, जो इनकी कहानी बताते हैं।

पेट्रा : पेट्रा शहर सातवीं सदी ईस्वी सन् में दुनिया के नक्शे से गायब हो गया। यह व्यापार का बड़ा केंद्र था। हजारों साल तक यह मलबे के नीचे दबा रहा। 1812 में स्विस स्कॉलर ने इसकी पहचान प्राचीन राजधानी नबातियन के खंडहरों के रूप में की। दक्षिणी जॉर्डन में सुदूर रेगिस्तानी दर्रों की एक श्रृंखला फैली हुई है। 2000 साल से भी ज्यादा साल पहले अरेबिया, सीरिया, फिलिस्तीन और मिस्र के बीच व्यापार करने वाले काफिले इसी रास्ते से होकर जाते थे। खुदाई से पता चलता है कि नबातियन लोग पानी की सप्लाई को कंट्रोल करने की कला जानते थे।

मोहन जोदाड़ो : 1921 तक सिंधु घाटी की सभ्यता के बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं थी, जब तक हड़प्पा और मोहन जोदाड़ो की खुदाई का काम शुरू नहीं हुआ था। यह सभ्यता करीब 4,500 साल पहले यहां रहती थी और हजार साल तक यहां रही। मोहन जोदाड़ो एक सुव्यवस्थित शहर था।

माचू पिचू : माचू पिचू की खोज पुरातत्ववेताओं ने करीब 100 साल पहले की थी, लेकिन इतिहासकार अभी भी इस प्राचीन शहर की कार्यप्रणाली के बारे में यकीन से कुछ नहीं कर रहे। इंका लोगों का लिखने का कोई सिस्टम नहीं था, इसलिए उनका कोई लिखित रिकॉर्ड भी नहीं है। माना जाता है कि इंका लोगों ने 1430 ईस्वी सन् के आसपास इसका निर्माण शुरू करवाया था, पर करीब सौ साल बाद इंका शासकों ने इसे त्याग दिया, क्योंकि उस समय स्पेन ने इंका सम्राज्य को हरा कर कब्जा कर लिया था।

कारवां और भी : प्लेंक मैक्सिको , स्टोनहेंज, इंग्लैंड, पलमिरा, सीरिया, टैनिस, मिस्र, पर्सपोलिस, ईरान, ग्रेट एनक्लोजर, जिम्बाबवे, निमरूद, इराक, मेसा वर्दे, कोलोराडो, प्राचीन ट्रॉय।

चोंच का कमाल

कठफोड़वे (वुडपैकर) की 200 से ज्यादा प्रजातियां दुनियाभर में पाई जाती हैं। इन्हें जंगलों में रहना पसंद है। पेड़ों की शाखाओं को चोंच से छेदते हुए ये बहुत शोर करते हैं। माना जाता है कि यह उनका कम्यूनिकेशन का तरीका है। लकड़ी में वे इसलिए भी चोंच मारते हैं, ताकि पेड़ों की छाल के नीचे और शाखाओं पर छुपे हुए छोटे-छोटे कीड़े खा सकें। इनकी लंबी जीभ कीट-पतंगों को पकड़ने में इनकी मदद करती है।

कठफोड़वे अपना घोंसला बनाने के लिए भी चोंच का ही सहारा लेते हैं। ये अपनी चोंच से पेड़ की शाखाओं में छेद बनाते हैं, जो 15 से 45 सेंटीमीटर तक गहरे होते हैं। इन्हीं छेदों में ये अपना घर बनाते हैं और अंडे देते हैं।

कठफोड़वे की चोंच बहुत मोटी होती है और इनके सिर में एक खास किस्म की पैडिंग होती है, जिससे वह चोंच मारते वक्त मिलने वाले तेज़ झटकों से सुरक्षित रहता है।

छोटी टांगों और तीखे नाखूनों के कारण ये पेड़ की छाल के साथ आसानी से चिपक जाते हैं। इनके पैरों में दो खुर आगे और दो पीछे की ओर होते हैं। इसे 'जाइगोडैक्टिल फीट' कहते हैं।

ये दोनों मिलकर अपने बच्चों का ध्यान रखते हैं। जन्म के समय इनके बच्चे अंधे होते हैं और उनके शरीर पर पंख भी नहीं होते।

हिरण और खरगोश की दोस्ती तो आप देख ही रहे हैं न, लेकिन ये तस्वीर कुछ बेरंग-सी है। तो फिर इसमें मनचाहे रंग भर डालिए।

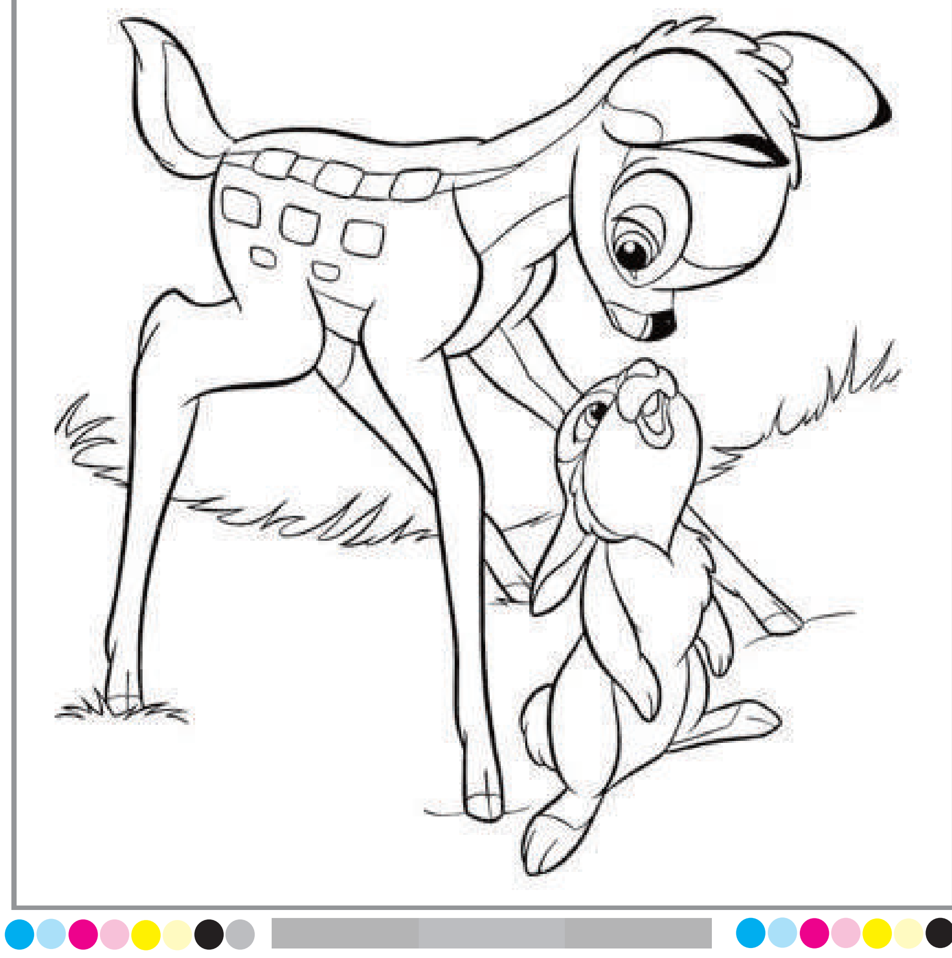

दो मेंढक

शहर को करीब से देखने का बड़ा मन था दो मेढ़क दोस्तों का, सो वो खाने का सामान बांधकर शहर की ओर बढ़ चले। फर्राटे से दौड़ती गाड़ियां और ऊंची इमारतें देखने को मिली, फिर जाने क्या हुआ जो इनकी जान पर बन आई। पढ़ें और जान जाएं...!!!

बहुत समय पहले की बात है। जंगल में तालाब के किनारे एक पेड़ के नीचे दो मेंढक रहते थे। एक दिन उन दोनों ने सोचा- 'हमने तो बाहर की दुनिया देखी ही नहीं, जंगल के बाहर भी तो कुछ होगा। चलो जरा इंसानों की दुनिया में घूम कर आते हैं।'

खाने-पीने का थोड़ा-सा सामान लेकर वे दोनों निकल पड़े। फुदकतेफु दकते वे जंगल की सीमा को पार करके शहर पहुंचे। वहां उन्होंने बहुत कुछ देखा- बड़ी-बड़ी ऊंची इमारतें, प्रदूषण फैलाते वाहन, रोटी कमाने की दौड़ में भागते हुए लोग, खेलकूद और पढ़ाई में मस्त नन्हें- नन्हें बच्चे और बहुत शोरगुल।

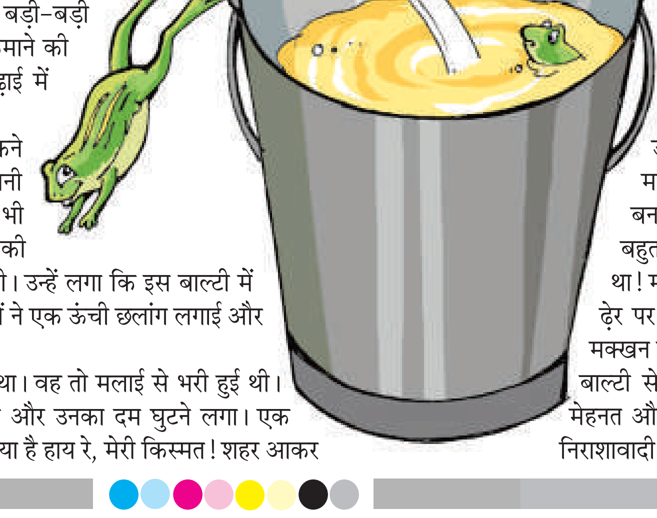

उन्हें अपने घर की याद आने लगी। थकने की वजह से उनको प्यास भी लग आई। पानी के साथ बैठने के लिए ठंडे स्थान की तलाश भी करने लगे। खोजते-खोजते वे एक दूधवाले की दुकान में घुस गए। वहां एक बाल्टी रखी थी। उन्हें लगा कि इस बाल्टी में पानी होना चाहिए। फिर क्या था, झट से दोनों ने एक ऊंची छलांग लगाई और पहुंच गए उस बाल्टी के अन्दर।

पर यह क्या? बाल्टी में तो पानी नहीं था। वह तो मलाई से भरी हुई थी। बेचारे दोनों मेंढक उस मलाई में डूबने लगे और उनका दम घुटने लगा। एक मेंढक ने सोचा- 'मेरा तो अंतिम समय आ गया है हाय रे, मेरी किस्मत! शहर आकर इन अनजान लोगों के बीच ही मरना था।' उसने अपने ईश्वर को याद किया और मौत का इन्तजार करने लगा।

परन्तु दूसरा मेंढक हार मानने को तैयार नहीं था। वह कोशिश करने लगा कि किसी तरह उस मलाई भरी बाल्टी में से वह बाहर निकल आए। वह अपने पैर जोर से चलाने लगा। बहुत कोशिश करने पर भी वह बार-बार फिसल जाता। फिर भी उसने अपना दिल छोटा नहीं किया। लगातार कोशिश करता रहा और अपने पैर चलाता रहा। अरे यह क्या! अचानक उसने देखा कि वह ऊपर उठने लगा। उसके लगातार जोर से पैर चलाने से मलाई भी लगातार हिल रही थी और वह मक्खन बनने लगी। मेंढक में उम्मीद की लहर दौड़ गई। वह बहुत थक चुका था, लेकिन पैर चलाता रहा। फिर क्या था! मक्खन बनता गया और आखिर में उस मक्खन के ढ़ेर पर सवार वह साहसी मेंढक ऊपर उठने लगा। जब मक्खन छाछ के ऊपर तैरने लगा, तब उस साहसी मेंढक ने बाल्टी से बाहर छलांग लगा दी। अपनी हिम्मत, लगन, मेहनत और जीने की उमंग के कारण वह बच गया, परन्तु निराशावादी मेंढक उसी मलाई की बाल्टी में डूब कर मर गया।

ऐसे मिलेगी सफलता और समृद्धि

फेंगशुई के अनुसार अगर आपको अपने घर को बेहतर और समृद्ध बनाना है तो आपको अपने घर की दक्षिण दिशा को गतिशील बनाना चाहिए। साथ ही घर का धन और तिजोरी पूर्व दिशा में रखनी चाहिए। इससे उसमें वृद्धि होती है।

फेंगशुई में जानवरों, वाहनों उनके चित्रों को शुभ बताया गया है। फेंगशुई के अनुसार घोडा, कछुआ, हाथी, बाघ आदि की छोटी प्रतिमा घर में उचित स्थान पर रखने से घर में रहने वाले लोगों के जीवन में सफलता एवं संपन्नता आती है। सौभाग्य और शक्ति प्राप्त होती हैं, तो घर में ऊर्जा का संचार होता है और जिंदगी को जिंदादिली से जीने का संदेश मिलता है। इसे ट्विन क्रिस्टल भी कहा जाता है। इसे फेयरी क्रास भी कहते हैं। इसे घर में रखने से घर के लोगों के बीच अच्छी आदतों का संचार होता है। फेंगशुई में पैसा कमाने और धन-समृद्धि बढाने के लिए कई तरह के उपाय अपनाने पर जोर दिया जाता है। इसके प्रभाव से जातक को सकारात्मक ऊर्जा का आभास होता है। इसके फलस्वरूप गृह, कलेह जैसी समस्याएं दूर हो जाती हैं। फेंगशुई के अनुसार बेड के नीचे बेकार चीजें या पुराना कबाडा रखा होने पर घर में अशांति पैदा होती है। धन लाभ व समृद्धि प्राप्ति के लिए ड्राइंग रूम के प्रवेश द्वार के दाएं कोने पर विंड चाइम लगाना शुभ होता है।

यदि खराब नल की वजह से पानी टपकता है तो उसे तुरंत सही करवा लेना चाहिए। नल से पानी टपकने का मतलब है धन की हानि। इसलिए घर में पानी टपकने न दें। दक्षिण दिशा को संवारे और पैसा पूर्व दिशा में रखें। फेंगशुई के अनुसार अगर आपको अपने घर को बेहतर और समृद्ध बनाना है तो आपको अपने घर की दक्षिण दिशा को गतिशील बनाना चाहिए। साथ ही घर का धन और तिजोरी पूर्व दिशा में रखनी चाहिए। इससे उसमें वृद्धि होती है। फेंगशुई में भी झाडू को धन-संपत्ति का सूचक बताया गया है। इसके अनुसार इस्तेमाल ना होने की सूरत में झाडू को दूसरों की नजरों से हटाकर रखना चाहिए। इसके अनुसार मुख्य द्वार के नीचे और सामने की जमीन को हमेशा साफ रखना चाहिए। साथ ही घर की नालियों की गंदगी को घर से बाहर निकालने की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। पैसों की तंगी से बचने के लिए टॉयलेट के दरवाजे हमेशा बंद रखने चाहिए। अगर हो सके तो मछलियों के जोडे को घर में लटकाना चाहिए। इनके प्रभाव से घर में धन की बरकत और कार्यक्षेत्र में उन्नति होती है। वैसे मछलियों को प्राचीन ग्रंथों में भी शुभ माना गया है। इसे शुभता की निशानी कहा गया है। इन्हें गुरुवार अथवा शुक्रवार को घर में टांगना शुभ होता है। माना जाता है कि तीन भाग्यशाली सिक्कों को अगर लाल रिबन से लटका कर घर के मुय द्वार में अंदर की तरफ लटकाया जाए तो यह धन और समृद्धि को घर खिंच कर ले आता है। मनीप्लांट एक लंबे अर्से से भारतीय घरों में जगह बनाए हुए है। इसकी वृद्धि के लिए मिट्टी की जरूरत नहीं होती। इसे कांच की साफ बोतल में लगाया जा सकता है। ध्यान रखें कि इसकी बेल हमेशा जमीन से ऊपर उठती हुई ही प्रतीत हो।

जानिये आखिर कब-कब शांतचित्त भगवान श्री राम को आया क्रोध

क्रोधित श्रीराम ने भ्राता लक्ष्मण को अपना दूत बना कर सुग्रीव के पास भेजा ताकि उन्हें उनके वचन की याद दिलाई जा सके। लक्ष्मण सुग्रीव के पास पहुंचते हैं और उन्हें भोग विलास में लिप्त देखकर क्रोधित हो जाते हैं। तत्पश्चात सुग्रीव अपने श्रेष्ठतम सेनानायक हनुमान को श्री राम की सहायता के लिए नियुक्त करते हैं।

भगवान विष्णु के सातवें अवतार श्री राम को शांतचित्त, गंभीर, सहिष्णु और धैर्यवान माना जाता है। वाल्मीकि रामायण हो या राम चरित मानस, दोनों में मर्यादापुरुषोत्तम की महानता के विशद वर्णन के साथ उनके कुछ ऐसे प्रकरणों का भी उल्लेख है जबकि श्री राम क्रोधावेश में निमग्न हो जाते हैं। आइए जानते हैं उन विशेष प्रकरणों को जबकि भगवान श्री राम को अपना क्रोध प्रकट करना पडा:

सीता जी के स्वयंवर के लिए राजा जनक की प्रतीज्ञा थी कि ''जो कोई भी उनके दरबार में मौजूद भगवान शिव के धनुष को उठा कर उस पर तीर चढाएगा, उसी से सीता जी का विवाह होगा।'' श्री राम जब धनुष उठाकर उस पर तीर चढाने की कोशिश करते हैं तो धनुष टूट जाता है।

शिव भक्त परशुराम इससे बेहद क्रोध में आ जाते हैं तथा लक्ष्मण को चेतावनी देते हैं। तब मर्यादा पुरुषोत्तम भी क्रोधावेश में आकर अपने धनुष पर दिव्यास्त्र चढाते हैं।

ऐसे में परशुराम जी को श्री राम की वास्तविकता का भान होता है तथा वे स्वयं उन्हें शांत हो जाने के लिए मनाने लगते हैं। सीता जी को लंका से वापस लाने के लिए युद्ध करना आवश्यक था। रावण को लंका गए बिना पराजित कैसे किया जा सकता था। श्री राम ने इसके लिए समुद्र से अपनी लहरों को शांत कर देने का अनुरोध किया ताकि उस पर सेतु का निर्माण किया जा सके। जब तीन दिन तक की निरंतर प्रार्थना के बाद भी समुद्र शांत नहीं हुआ तब श्री राम ने ब्रहमास्त्र के द्वारा उसे सुखा देने का निश्चय किया।

उनके ऐसा निश्चय करते ही समुद्र देवता थर-थर कांपने लगते हैं तथा प्रभु श्री राम से शांत होने की प्रार्थना करते हैं। बालि वध कर श्री राम ने सुग्रीव को किष्किंधा का राज्य दिला दिया। इसके एवज में सुग्रीव ने सीता जी के खोज अभियान में सहायता करने का वचन दिया। किंतु बहुत दिनों से भोग-विलास से च्युत सुग्रीव अचानक राज-पाट पाकर अपना वचन भूल बैठे।

क्रोधित श्रीराम ने भ्राता लक्ष्मण को अपना दूत बना कर सुग्रीव के पास भेजा ताकि उन्हें उनके वचन की याद दिलाई जा सके। लक्ष्मण सुग्रीव के पास पहुंचते हैं और उन्हें भोग विलास में लिप्त देखकर क्रोधित हो जाते हैं। तत्पश्चात सुग्रीव अपने श्रेष्ठतम सेनानायक हनुमान को श्री राम की सहायता के लिए नियुक्त करते हैं।

वनवास काल में चित्रकूट प्रवास के दौरान इंद्र का पुत्र काकासुर सीता जी की गरिमा व मर्यादा से खिलवाड करने की कोशिश करता है। इस पर भगवान श्री राम ने क्रोधित होते हुए तृण को ही ब्रहमास्त्र के रूप में प्रयोग करने का निश्चय किया। काकासुर तीनों लोकों में अपनी रक्षा की गुहार लगाता है किंतु उसकी सहायता के लिए कोई आगे नहीं आता।

ऐसे में वह प्रभु श्रीराम के चरणों में लोट जाता है। ब्रहमास्त्र को निष्फल नहीं होने दिया जा सकता है। श्रीराम ने उसके प्राण तो बख्श दिए किंतु ब्रहमास्त्र से उसकी दाईं आंख पर प्रहार किया। इसीलिए मान्यतानुसार आज भी कौवे की दाईं आंख में दोष पाया जाता है।

प्रभु श्री राम जब भी क्रोधित हुए उसके पीछे कोई न कोई बहुत बडा कारण अवश्य रहा। मर्यादापुरुषोत्तम ने धर्म और कर्तव्य पालन के दौरान बाधा आने पर ही क्रोध प्रकट किया। इसका आशय यही है कि धर्म स्थापना व कर्तव्य पालन में आने वाली बाधा सर्वथा अस्वीकार्य है।

जानें, पुत्र प्राप्ति की हनुमान कथा

जब कोई भक्त हनुमानजी को सच्चे मन से याद करता है तब आसानी से हनुमानजी उस पर प्रसन्न हो जाते है। आइये जाने हनुमानजी को खुश करके उनकी विशेष कृपा पाने के कुछ नियम और कार्य। हर दिन भगवान श्री हनुमान की मूर्ति का मंदिर में जा कर दर्शन करे । सुबह जगने के बाद और रात्रि में सोने से पहले हनुमान चालीसा या हनुमान मंत्र का जाप करे। दिन में कम से कम एक बार हनुमान चालीसा पूर्ण ध्यान और समझते हुए पढे। यदि हो सके तो मंगलवार को पूर्ण रूप से मांसाहारी खाना और मादक पेय त्याग दे। हनुमान भक्त को श्री राम और माँ जानकी की भी पूजा करनी चाहिए। हो सके तो मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी का व्रत करना चाहिए। हर मंगलवार या शनिवार को हनुमान मंदिर में बालाजी की लाल मूर्ति पर सिंदूर चढाना चाहिए उसके बाद जनेऊ पहनानी चाहिए फिर उन्हें गुड चन्ना या केले का प्रसाद चढा कर हो सके तो वानरों को यह प्रसाद खिलाना चाहिए। इस तरह इन बातो का ध्यान और पालन करते हुए आप बालाजी महाराज की विशेष कृपा के पात्र बन सकते है। समर्पण और धैर्य ही उचित कुजी है हनुमान कृपा द्वार खोलने के लिए।

पुत्र प्राप्ति की हनुमान कहानी :

एक समय की बात है एक ब्राहमण पत्नी और पति थे । उनके कोई संतान नही थी इसी कारणवश वे दुखी थे । ब्राहमण हनुमान जी का परम भक्त था और अपनी हर प्रार्थना में संतान प्राप्ति की ही विनती करता था। दूसरी तरफ उसकी पत्नी भी बालाजी की परमभक्त थी , वह भी हर मंगलवार हनुमानजी का व्रत रखती थी और अपने सम्पूर्ण दिन को हनुमानजी की सेवा में लगा देती थी। एक मंगलवार ऐसा आया जब वो हनुमान जी भोग के लिए प्रसाद की व्यवस्था नहीं कर सकी उसे उस दिन बहूत दुःख हुआ और उसने यह प्रण लिया की अब वो पुरे सप्ताह व्रत रखेगी सप्ताह भर भूखे पेट रहने से वो महिला बडी कमजोर हो गयी। भगवान श्री हनुमान अपने इस भक्त यह त्याग देख रहे थे। अब उनसे भी रहा ना गया और उन्होंने उस महिला को बालक के रूप में दर्शन दिए महिला उस बालक के चरणों में गिर गयी , वो समझ चुकी थी की वो बालक कोई और नहीं अपितु हनुमान ही है।

बालक हनुमान ने उन्हें आशीष रूप में एक पुत्र दिया जिसका नाम उस महिला ने मंगल रखा उसके बाद हनुमान जी अद्रश्य हो गये शाम को जब ब्राहमण घर आया तब उसने देखा की उनके घर के आँगन में कोई बालक खेल रहा है। ब्राहमण पत्नी ने अपनी आपबीती और हनुमान जी कृपा के बारे में ब्राहमण को बताया परन्तु उसके पति को उसपर तनिक विश्वास नहीं हुआ। वो उस बच्चे से नफरत करने लगा और मन ही मन उसे मारने के योजना बनाने लगा।

एक दिन उसने देखा की मंगल कुआं पर पानी खीचने जा रहा था। वो ब्राहमण उसके पीछे पीछे गया और मौका मिलते ही मंगल को धक्का देकर कुआ में धकेल दिया और फिर घर आ गया । लेकिन अब उसको खुद से नफरत होने लगी की उसने एक बालक को मौत के मुंह में छोड दिया। उसे खुद से इतनी ग्लानी हुई की वो अपनी पत्नी के सामने भी नहीं आ सकता था । इसी कारण उनसे घर छोडने का निर्णय लिया तभी मंगल उसके सामने आ गया।

ब्राहमण को अपनी आँखों पर यकीन नही हो पा रहा था । रात्रि में हनुमानजी ने ब्राहमण को सपने में दर्शन दिए और बोले की अपनी पत्नी की बात पर यकीन करो वो सत्य ही बोल रही है । तब ब्राहमण को महसूस हुआ की उसने गलती की है , उसने अपनी पत्नी से माफी मांगी और फिर वो खुशी खुशी अपने पुत्र मंगल के साथ रहने लग।

इस तरह हनुमान जी ने जेसे इस ब्राहमण जोडे को अपना आशीष दिया वेसे ही सभी भक्तो पर अपना आशीष रखे।

हर दिन भगवान श्री हनुमान की मूर्ति का मंदिर में जा कर दर्शन करे । सुबह जगने के बाद और रात्रि में सोने से पहले हनुमान चालीसा या हनुमान मंत्र का जाप करे। दिन में कम से कम एक बार हनुमान चालीसा पूर्ण ध्यान और समझते हुए पढे।

यह व्रत रोग, शोक, भय, बाधा, शनि जन्य पीडा आदि से मुक्ति दिलाता है

शनिवार का व्रत करने से शनि और राहु की शांति होती है। शनि की शांति हेतु कम से कम 19 व्रत एवं राहु की शांति के लिए 18 व्रत किए जाते हैं। यह व्रत मनस्ताप, रोग, शोक, भय, बाधा आदि से मुक्ति एवं शनि जन्य पीडा के निवारण के लिए विशेष रूप से फलदायक होता है। शनिवार के दिन प्रात: स्नानादि करने के बाद काला तिल और लौंग मिश्रित जल पश्चिम दिशा की ओर मुख करके पीपल वृक्ष पर चढाएं। तत्पश्चात शिवोपासना या हनुमत आराधना और साथ ही शनि की लौह प्रतिमा की पूजा करनी चाहिए। फिर शनिवार व्रत कथा का पाठ करना चाहिए। उडद के बने पदार्थ बूढे ब्राहमण को देना चाहिए और स्वयं सूर्यास्त के पश्चात भोजन ग्रहण करना चाहिए।

शनि चालीसा का पाठ सबसे सरल है। अत: यहां सर्वाधिक प्रचलित चालीसा प्रस्तुत की जा रही है। शनि चालीसा भी हनुमान चालीसा जैसे ही अति प्रभावशाली है। शनि ग्रह सभी ग्रहों में सबसे अनिष्टकारी खतरनाक ग्रह माने जाते हैं। शनि देव की नाराजगी से जातक का सर्वनाश हो जाता है। इनके अनिष्टकारी प्रभावों से मुक्त होने तथा शनि प्रभावित जातकों के समस्त कष्टों का हरण शनि चालीसा के पाठ द्वारा किया जा सकता है। किसी भी प्रकार का शनिकृत दोष, विवाह आदि में उत्पन्न बाधाएं इस शनि चालीसा की 21 पाठ प्रातिदिन लगातार 21 दिनों तक करने से दूर हो जाती हैं और जातक शांति सुख सौमनस्य को प्राप्त होता है।

ऐसे टालें घर पर आने वाली हर विपदा

फेंगशुई के अनुसार ये नन्हीं सी मछलियां हमारी सारी मुसीबतों को अपने सर ले लेती हैं। इस प्रकार के छोटे से मछली घर को एक्वेरियम कहा जाता है।

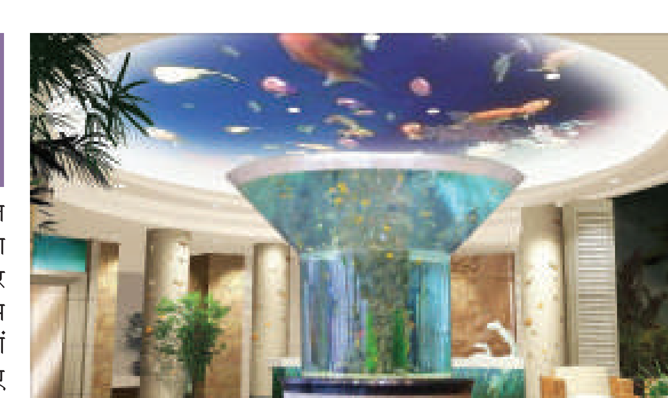

यह सही है कि मछलियों को अठखेलियां करते देखने से मानसिक शांति मिलती है, वहीं फेंगशुई में कहा गया है कि मछली धन को आकर्षित करती है और आपदा अपने सर ले लेती है। फेंगशुई के अनुसार ये नन्हीं सी मछलियां हमारी सारी मुसीबतों को अपने सर ले लेती हैं। इस प्रकार के छोटे से मछली घर को एक्वेरियम कहा जाता है। एक्वेरियम सिर्फ मन को प्रसन्नता नहीं देते बल्कि फेंगशुई के अनुसार इनसे घर के सदस्यों के ऊपर आने वाली विपत्तियां टलती हैं एवं घर में धन-संपत्ति के आगमन में निरंतरता बनी रहती है। लेकिन फेंगशुई के कुछ नियम हैं जिनका पालन करते हुए एक्वेरियम रखा जाए तभी इसका समुचित लाभ मिल पाता है। एक्वेरियम में मछलियों की संया का विशेष महत्व है। फेंगशुई के अनुसार एक्वेरियम में मछलियों की संख्या कम से कम नौ होनी चाहिए। आठ मछलियां लाल अथवा सुनहरे रंग की होनी चाहिए जबकि एक मछली काले रंग की। ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों की संया नौ बतायी गयी है। संभव है कि इन्हीं कारणों से फेंगशुई में नौ मछलियां एक्वेरियम में रखने की बात कही गयी है।

सुंदरता में बेजोड इतनी महंगी मछलियों को खरीदने और उन्हें पालने के शौकीन लोग भी हैं, जो मछलियों का व्यापार करने वालों के यहां महंगी मछलियों को लाने के लिए न सिर्फपहले से आर्डर कर देते हैं। बल्कि ऐसी मछलियों के आते ही उन्हें खरीदने के लिए एक-दूसरे से बढकर बोली तक लगाते हैं। वे इसे शुभ मानते हैं। इसलिए इसे मंगाने के लिए बेताब रहते हैं। एक्वेरियम में इठलाती सुंदर-सुंदर मछलियां बैंकॉक, सिंगापुर, चेन्नई, कोलकाता तथा चीन से मंगाई जाती हैं। जैसे सभी का अपना आशियाना होता है। वैसा ही छोटा सा प्यारा सा मछलियों का आशियाना एक्वेरियम होता है, जो एक हजार की लागत से लेकर लाखों तक में बनाया जाता है। इसमें एयरमशीन, फिल्टर व हीटर लगाया जाता है, जिसके माध्यम से इन मछलियों को ज्यादा समय तक रखा जा सकता है।

हेल्थ अलर्ट

कोई दोष नहीं है मानसिक रोग...

पूरी दुनिया में लाखों लोग मानसिक रोग के शिकार होते हैं। इसका असर उनके अजीजों पर भी पड़ता है। देखा गया है कि हर चौथे इंसान को कभी-न-कभी मानसिक रोग होता है। दुनिया-भर में इस रोग की सबसे बड़ी वजह है, निराशा। बायपोलर डिसऑर्डर और स्किड्जोफ्रीनीया बहुत गंभीर और खतरनाक मानसिक बीमारियां हैं। हालांकि इतनी भारी तादाद में लोग मानसिक रोग की गिरफ्त में आ रहे हैं, फिर भी लोग इसे छिपाए रखते हैं या इसे नजरअंदाज कर देते हैं। इस बीमारी के शिकार लोगों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया जाता। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, मानसिक रोग के शिकार बहुत-से लोग इलाज करवाने से कतराते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि लोग उनके बारे में न जाने क्या सोचेंगे।

कैसे पता चलेगा

विशेषज्ञों का कहना है कि जब एक व्यक्ति ठीक से सोच नहीं पाता, उसका अपनी भावनाओं और व्यवहार पर काबू नहीं रहता, तो ऐसी हालत को मानसिक रोग कहते हैं। मानसिक रोगी आसानी से दूसरों को समझ नहीं पाता और उसे रोजमर्रा के काम ठीक से करने में मुश्किल होती है। किसी को मानसिक रोग होने का कारण यह नहीं कि उसमें कोई दोष है। मानसिक रोग के लक्षण, हर व्यक्ति में अलग-अलग हो सकते हैं। ये इस बात पर निर्भर करते हैं कि उसके हालात कैसे हैं और उसे कौन-सी मानसिक बीमारी है। कुछ लोगों में इसके लक्षण लंबे समय तक रहते हैं और साफ नजर आते हैं, जबकि कुछ लोगों में शायद थोड़े समय के लिए हों और साफ नजर न आएं। मानसिक रोग किसी को भी हो सकता है, फिर चाहे वह आदमी हो या औरत, जवान हो या बुजुर्ग, पढ़ा-लिखा हो या अनपढ़, या चाहे वह किसी भी संस्कृति, जाति, धर्म, या तबके का हो। किसी को मानसिक रोग होने का कारण यह नहीं कि उसमें कोई दोष है। अगर मानसिक रोगी अच्छी तरह अपना इलाज करवाए, तो वह ठीक हो सकता है। वह एक अच्छी और खुशहाल जिंदगी जी सकता है।

इलाज करवाएं

मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ ज्यादातर मानसिक बीमारियां ठीक कर सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि सबसे पहले मरीज की जांच अच्छे और अनुभवी डॉक्टर से करवाएं। जांच के बाद रोगी को फायदा तभी होगा जब वह सही इलाज करवाए। इसका मतलब, उसे अपनी बीमारी के बारे में दूसरों से बात करने में झिझक महसूस नहीं करनी चाहिए। इलाज करवाने के लिए शायद रोगी को एक अच्छे डॉक्टर से बात करनी पड़े। डॉक्टर उसे उसकी बीमारी के बारे में अच्छी तरह समझा सकते हैं। साथ ही, वह उसे रोजमर्रा की समस्याओं से निपटने के लिए कुछ व्यावहारिक सलाह दे सकते हैं और इस बात की अहमियत समझा सकते हैं कि क्यों इलाज बीच में न छोड़ें। डॉक्टर से सलाह-मशविरा करते वक्त अच्छा होगा अगर परिवार का कोई सदस्य या दोस्त साथ में हो, ताकि वह बीमार व्यक्ति को सहारा और दिलासा दे सके। बहुत-से लोगों ने जब अपनी हालत के बारे में अच्छी तरह जाना और फिर डॉक्टरों की सलाह के मुताबिक इलाज करवाया, तो उन्हें अपनी बीमारी से लड़ने में काफी मदद मिली।

दूध में मिलाकर पिएं, पाएं स्वाद भी और शक्ति भी

दूध पोषक तत्वों से भरपूर होता है, लेकिन हममें से ज्यादातर लोग नियमित दिनचर्या में इसकी उपेक्षा करते हैं, विशेष रूप से बच्चे। वह तो इसे ना पीने के बहाने ढूंढ़ने लगते हैं। अगर आपका बच्चा भी ऐसा ही कुछ करता है तो हम आपके लिए दूध के साथ ऐसे हेल्दी कॉम्बिनेशन लेकर आये है, जो दूध के साथ मिलाकर पीने से इसके न्यूट्रिएंट्स और भी बढ़ा देते हैं। जी हां बहुत सारी चीजें ऐसी है जिसे दूध में मिलाने से आप स्वादिष्ट और सेहतमंद ड्रिंक पा सकते हैं। दूध के साथ खजूर, बादाम या कुछ चीजों को मिक्स करके पीने से बॉडी को एनर्जी मिलती है और कई बीमारियां दूर होती हैं।

दूध में मिलाकर पिएं ये चीजें

दूध में बादाम

दूध के साथ बादाम का संगम ना केवल एक स्वादिष्ट बल्कि पौष्टिक पेय बनाता है। दूध में बादाम डालकर पीने से हड्डियां मजबूत होती है। इसमें आयरन और कैल्शियम होता है जो खून की कमी दूर करने में मददगार है। ज्यादातर लोग बादाम का दूध सर्दियों में पीते हैं क्योंकि उनका मानना है कि इसे पीने से सर्दी भाग जाती है और

दूध में केसर

दूध प्रोटीन और कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं और केसर में प्राकृतिक चिकित्सीय गुण मौजूद होते हैं। केसर वाले दूध में पोटैशियम होता है जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में फायदेमंद होता है इसे पीने से मूड अच्छा रहता है। इस सेवन गर्भावस्था में बहुत असरदार होता है।

दूध में खजूर

दूध में खजूर मिलाकर पीने से कब्ज को दूर करने और पाचन तंत्र को ठीक रखने में मदद मिली है ऐसा इसलिए क्योंकि इस ड्रिंक में फाइबर होता है। इसके साथ ही इसमें आयरन भी होता है जो एनीमिया से बचाने में मदद करता है। इसके अलावा दूध और खजूर दोनों में कैल्शियम होता है जो जोड़ों के दर्द से निजात दिलाता है।

दूध में केला

जब केले और दूध का सेवन साथ किया जाता है तो बिना फैट के शरीर को भरपूर मात्रा में प्रोटीन, विटामिन, फाइबर और मिनरल मिल जाते हैं। इससे जो पोषण मिलता है वो शरीर को तीन चार दिन के लिए एनर्जी देने के लिए काफी है ।इस ड्रिंक में पोटैशियम और मैग्नीशियम होता है जो दिल के रोगों से बचाने और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में बहुत असरदार है। इसमें विटामिन बी-12 की मौजूदगी, डिप्रेशन को दूर करने में फायदेमंद है।

दूध में डार्क चॉकलेट पाउडर

चाकलेट का जिक्र हो और मुंह में पानी न आए, ऐसा हो ही नहीं सकता। बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को चॉकलेट खाने का शौक होता है। डार्क चॉकलेट पाउडर वाले दूध में कैल्शियम और फ्लेवोनॉइड्स होते हैं जो अर्थराइटिस और

कैंसर से बचाने में मददगार होते हैं। इसे पीने से त्वचा मुलायम और चमकदार होती है।

दूध में शहद

शहद और दूध दोनों संपूर्ण आहार माने जाते हैं। वैसे तो दूध पीने व शहद खाने दोनों के ही कई लाभ होते हैं, लेकिन दूध और शहद दोनों को साथ लिया जाए तो इनके गुण दोगुने हो जाते हैं। दूध में प्रोटीन और शहद में कार्बोहाइड्रेट्स होते है जो बॉडी के मेटाबॉलिज्म बढ़ाते हैं और मसल्स को मजबूत बनाते हैं।

ट्रेडिशनल ज्वैलरी पहने कुछ इस तरह...

पार्टी पर जाना हो तो आऊटफिट्स के साथ फुटवियर,मेकअप और ज्वैलरी भी परफैक्ट होनी चाहिए। ज्वैलरी अगर मैचिंग न हो तो कपड़ों का ग्रेस भी खत्म हो जाता है। कई बार तो घर पर बहुत से ऐसे गहने पड़े होते हैं,जिन्हें अगर ढंग से पहना जाए तो वे आपको नया लुक दे सकते हैं। आइए जानते हैं कि कौन सी ज्वैलरी किस तरह इस्तेमाल की जा सकती है। आपके पास खूबसूरत रिंग पड़ी हैं पर यह इस्तेमाल नहीं हो रही और पार्टी पर आप कोई नया पेंटेंड पहनना चाहती हैं। इसके लिए इन अंगूठियों को इस्तेमाल में लाया जा सकता है। किसी हल्की चेन में रिंग डालकर इसे पहन सकती है या फिर इसे साड़ी पर एक्सटेंशन के साथ अटैच भी कर सकते हैं। आपकी ड्रैस में सिल्वर टच है और ऐसी पायल जो आप इस्तेमाल नहीं करना चाहती तो इसे नेकलेस की तरह पहनें। इसे इंड़ो वेस्टर्न ड्रैस के साथ भी वियर कर सकते हैं। आजकल मांग टीका पहनने का बहुत ट्रैंड है। कोई हार जिसे आप बहुत बार पहन चुकी हैं तो इस बार इसे मांग टीके की तरह इस्तेमाल करें।

न्यू रिसर्च

टी सेल जेनेटिक इंजीनियरिंग से कैंसर का इलाज...

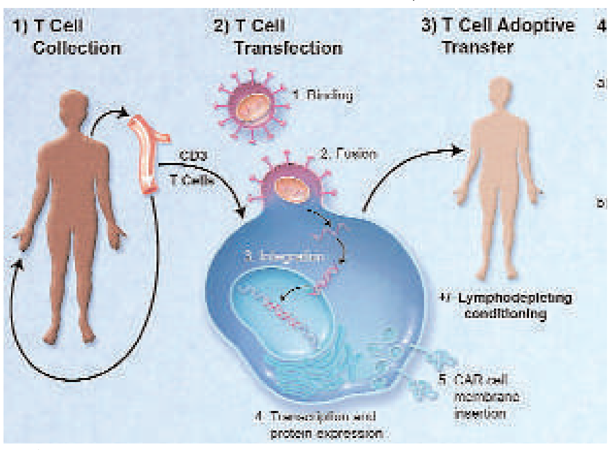

कैंसर के इलाज के एक नए तरीके की मदद से वयस्कों में ल्यूकेमिया के 88 फीसदी मामलों में सफलता मिली है। इस इलाज में मरीज की खुद की रोग प्रतिरोधक क्षमता का इस्तेमाल होता है। अमेरिकी वैज्ञानिकों द्वारा किए गए रिसर्च में ये परिणाम सामने आए हैं। इसे इम्यूनोथेरैपी के क्षेत्र में बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। नए परीक्षणों में ब्लड कैंसर के खास प्रकार एएलएल यानी एडल्ट बी सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के 16 मामले शामिल किए गए थे। अमेरिका में हर साल एएलएल से करीब 1,400 लोगों की मौत होती है। इस प्रकार के कैंसर का आमतौर पर इलाज संभव है। कई मामलों में शरीर में कीमोथेरैपी के प्रति प्रतिरोधकता पैदा हो जाती है और बीमारी फिर लौट आती है। इस शोध में 16 में से 14 मरीज पूरी तरह ठीक हो गए। उनके टी सेल जेनेटिक इंजीनियरिंग से ठीक किए गए ताकि कैंसर को शरीर से मिटाया जा सके। इन मरीजों की औसत आयु पचास वर्ष है। जब इन्हें इस इलाज के लिए लाया गया तो ठीक होने की सारी उम्मीदें छोड़ी जा चुकी थीं। उन पर कीमोथेरैपी या किसी अन्य विधि का असर पड़ना बंद हो गया था। विशेषज्ञ बताते हैं कि कैंसर के लगभग आधे मामले कम किए जा सकते हैं। कैंसर के ट्यूमर का हर पांचवां मामला सिगरेट पीने से होता है। इससे फेफड़ों के कैंसर के अलावा कई और तरह के ट्यूमर भी हो सकते हैं।

टी सेल कम करना

इस विधि में मरीज के शरीर से कुछ टी सेल निकाल कर एक खास जीन से उनकी जेनेटिक इंजीनियरिंग इस तरह की गई कि वह कैंसर सेल पर मौजूद सीडी19 प्रोटीन को पहचान कर उस पर असर कर सकें। टी सेल का काम होता है शरीर को खतरनाक हमलों से बचाना, लेकिन वे कैंसर को बढ़ने से नहीं रोक पाते हैं। रिसचर्स ने बताया कि असल में हम टी सेल को प्रयोगशाला में जीन थेरैपी की मदद से

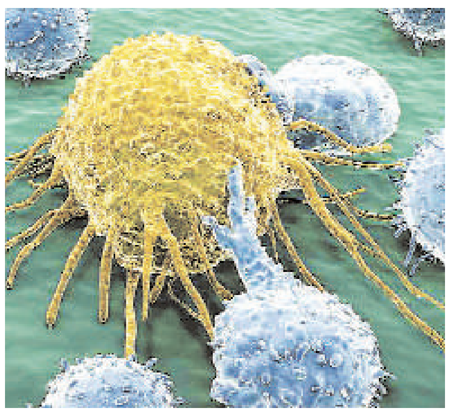

यह सिखाते हैं कि वह कैंसर सेल को पहचान कर उसे कैसे नष्ट करे। शोधकर्ताओं के मुताबिक एक खास तरह के मरीजों पर यह विधि कारगर है। इलाज के इस तरीके पर यूरोप में भी शोध जारी हैं।

इस तरह की नेकलाइन सूट करेंगी आपको...

किसी टॉप या ड्रैस को चुनते समय महिलाएं और लड़कियां अक्सर उसकी नेकलाइन को देखती है कि वह नेक लाइन उनपर सूट करेंगी भी या नहीं। नेकलाइन एक ऐसी चीज होती है, जो लुक को बना या बिगाड़ देती है। अगर

आप अपने पर सूट करती नेकलाइन की ड्रैस कैरी करती हैं तो यह लुक को और निखार देती हैं। बोट नेक सबरीना नेकलिन के नाम से भी जाना जाता है। लंबी हाइट और लंबी गर्दन वाली महिलाओं को इस नेकलाइन के साथ एक्सपेरिमेंट करना चाहिए। अगर आपकी बॉडी आवरग्लास और आप थोड़ी भारी भी हैं तो आपको इसे ट्राई करना चाहिए। वन शोल्डर नेकलाइन में एक तरफ का कंधा खुला रहता है, यह हर किसी का ध्यान आपकी गर्दन की और खिंचती है। सुंदर कॉलरबोन, लंबी गर्दन और नाजुक कंधों वाली महिलाओं के लिए यह नेकलाइन सबसे बैस्ट ऑप्शन है। वी-नेक का शेप अंग्रेजी के व्ही के आकार में होता है। यह नेकलाइन हर किसी को सूट नहीं करता। यह हौरग्लास बॉडी शेप वाली लड़कियों को यह सबसे अच्छा लगता है। टर्टल नेक आमतौर पर फिटिंग वाले स्वेटर्स में देखे जाते हैं। अगर आप स्लीम और स्ट्रट फिगर वाली है तो इस तरह की नेकलाइन कैरी करें। काउल नेकलाइन ज्यादातर छोटी और लंबी, दोनों तरह की ही स्लीव्ज वाले टॉप्स और स्वेटर्स पर देखी जाती है। यह आऊटफिट के फैब्रिक पर डिपेंड करता है कि वह आपकी कैसी लुक देता है।

किस कलर की ड्रैस कैरी करें...

जब किसी महिला या लड़की को किसी खास मौके जैसे पार्टी या फंक्शन में अपना सबसे बैस्ट लुक देना होता है तो वह अक्सर कपड़ों के रंग को लेकर कन्फ्यूज रहती है। वह सोचती है कि वह ऐसा कौन से रंग की आऊटफिट पहनें, जिसमें वह सबसे बैस्ट और स्टाइलिश लगे। अगर आप भी कुछ ऐसे ही सोचती हैं तो आज हम आपको तीन ऐसे रंग के बारे में बताएंगे, जो हमेशा ट्रैंड में रहते हैं और हर किसी को स्टाइलिश लुक भी देते हैं। वाइट एक ऐसा कलर है, जो हर मौके पर अच्छा लगता है, लेकिन यह कलर किसी धर्मिक स्थान पर कैरी करना बेस्ट ऑप्शन है। इसकी खास बात एक और है कि यह हमेशा ट्रैंड में रहता है। वाइट कलर के कपड़ों को कैरी करते समय इस बात का ध्यान रखें कि इस कलर की ड्रैस सर से पैरों तक वाइट होनी चाहिए। इसको किसी और कलर के साथ मैच करके न पहनें। लाल हमेशा लग्जरी बना रहता है। लाल रंग की आऊटफिट आपको स्टाइलिश लुक देती है। इस कलर की ड्रैस को आप किसी पार्टी में कैरी कर सकती है। इसके साथ रेड कलर की ही फुटवियर पहनें। डार्क ब्लू काफी खूबसूरत लगता है। इसको आप किसी भी फंक्शन में कैरी करके अपना स्टाइलिश लुक दे सकती है। इस कलर की आऊटफिट कैरी करके आप फ्रेश महसूस करेंगी। अगर आप अपने आपको स्लीम लुक देना चाहती है तो डार्क ब्लू या नेवी ब्लू की ड्रैस कैरी करें।

क्यों भोजन के साथ सलाद खाना है जरुरी

घर या किसी होटल पर खाना खाने दौरान हमें सलाद खाने को जरुर मिलता है। यह हमें ताकत देता है और पेट के लिये भी काफी अच्छा होता है। सलाद में कई सब्जियां और फल शामिल होते हैं जो हमें कई प्रकार से स्वास्थ्य लाभ पहुंचाते हैं। ताजा सलाद का सेवन पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है और वजन कम करने में भी मदद करता है। कच्चे फल और सब्जियों का सेवन करने से आप बेहतर महसूस करते हैं। भोजन के साथ सलाद खाने के कई स्वास्थ्य लाभ हैं।

वजन कम करता है

सलाद कैलोरी में कम होते हैं और इससे आपका वजन नियंत्रित रहता है। सलाद में फल और गुड फैट जैसे ऑलिव ऑयल और ऐवाकाडो को शामिल करने से शरीर को आयरन, लिकोपिन, ल्यूटिन और अन्य पोषक तत्वों को अवशोषित करने में मदद मिलती है।

कब्ज दूर करता है

सेहतमंद भोजन आपके शरीर को अधिक ऊर्जा देता है और इससे आपका पेट भी लंबे समय तक भरा रहता है। सलाद हमारे भोजन में फाइबर की मात्रा को बढ़ाता है । जिससे कोलेस्ट्राल और कब्ज की समस्या दूर होती है। भोजन से पहले उच्च फाइबर युक्त आहार का सेवन करने से आपको वजन घटाने में मदद मिलती है।

बार बार भूख लगने से बचाता है

अगर आपको हमेशा कुछ न कुछ मीठा खाने का मन करता रहता है, तो कैंडी या चॉकलेट के स्थान पर फलों के सलाद का सेवन करें। न सिर्फ इससे आपकी भूख शांत होगी, बल्कि इसका स्वाद भी ताजा होगा और यह आपके शरीर में ऊर्जा का संचार भी करेगी।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

सलाद विटामिन, मिनरल से भरपूर होते हैं। इनमें विटामिन, इम्यूनिटी, विटामिन सी, संक्रमण से बचाव, आयरन अवशोषण, स्वस्थ हड्डियां, मसूड़ों और त्वचा को रोगों से बचाना, जख्मों को भरने और रक्त को गाढ़ा बनाने जैसे तत्व होते हैं। इसके अलावा कैल्शियम और अन्य पोषक तत्व भी सलाद में होते हैं।

हाइड्रेट रखता है

सलाद में अगर आप खीरा, ककड़ी, मूली आदि चीजों का सेवन करते हैं तो यह आपको दिनभर हाइड्रेट रखता है। अगर आप पुदीने को खीरे के साथ मिला कर खाये तो यह और भी फायदेमंद होता है, इन दोनों को मिक्स करने से शरीर अच्छे से डिटॉक्सीफाइंग होने के अलावा प्रचुर मात्रा में मिनरल और विटामिन भी देता है।

पोषक तत्वों से है भरा

गहरे रंग के फल और सब्जियों, स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक होती है । दरअसल गहरे रंग के फल और सब्जियों में कैल्शियम और मैग्निशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। ब्रोकली, सलाद पत्ता, पत्ता गोभी और दूसरी पत्तेदार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं। चुकंदर खून को बढ़ाने का काम करता है। इसमें प्रचुर मात्रा में फोलिक एसिड, आयरन और कैल्शियम पाया जाता है। मूली में विटामिन सी, सोडियम और कैल्शियम पाया जाता है।

पैन्ट के साथ साड़ी ब्लाउज...

जब भी ब्लाउज की बात आती है तो सबसे पहले साड़ी का ख्याल ही दिमाग में आता है। लेकिन फैशन के इस युग में डिजाइनर्स हमेशा ही कुछ नया करने की फिराक में रहते हैं। अगर आप भी अब तक ब्लाउज को सिर्फ साड़ी के साथ ही पहनती हैं तो अब कुछ नया ट्राई करें। अब ब्लाउज को साड़ी के साथ टीमअप करने का तरीका बेहद पुराना हो गया है। अगर आपका नाम भी उन महिलाओं की श्रेणी में हैं जो फैशनपरस्त हैं और जिन्हें हमेशा ही अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना अच्छा लगता है तो अब आप साड़ी को भूल जाइए और ब्लाउज को दीजिए एक नया अंदाज। तो आईए जानते हैं साड़ी ब्लाउज को टीमअप करने के नए तरीके के बारे में-

ब्लाउज विद पैन्ट

हाल ही में साड़ी ब्लाउज को पैन्ट के साथ पहनने का चलन काफी है। अब साड़ी के लुक को एक डिफरेंट और मॉडर्न टच देने के लिए इस लुक में पैन्ट्स का प्रयोग होने लगा है। इतना हीं नहीं, पिछले दिनों डिजाइनर्स ने स्लिम पैंट्स विद साड़ी ब्लाउज और साड़ी का फ्यूजन रैम्प पर पेश किया था। इस लुक में लोअर वियर में पेटीकोट के स्थान पर स्लिम पैन्ट्स पहनी जाती है। साथ ही लुक को एन्हॉन्स करने के लिए साड़ी को भी डिफरेंट स्टाइल में डेप भी किया जाता है। इस तरह एक छोटे से बदलाव के जरिए एक इंडियन वियर को स्टाइलिश व मॉडर्न टच मिल जाता है।

ब्लाउज विद धोती पैन्ट्स

वैसे साड़ी ब्लाउज सिर्फ स्लिम पैंट्स के साथ ही नहीं जंचता, बल्कि इसे धोती पैंट्स के साथ पहनना भी एक अच्छा आइडिया हो सकता है। आप चाहें तो साड़ी ब्लाउज के उपर जैकेट भी पहन सकती हैं। इंडियन-वेस्टर्न का यह कॉम्बिनेशन बॉलीवुड के गलियारों में काफी प्रचलित है। कई बॉलीवुड दिवा जैसे सोनम कपूर आदि इस स्टाइल को अक्सर कैरी किए नजर आती हैं। वैसे इसके साथ आप हैवी ज्वैलरी पहनकर अपनी खूबसूरती में चार-चांद लगा सकती हैं। इतना ही नहीं, इसे आप किसी फैशन इवेंट या पार्टी में भी पहन सकती हैं।

साड़ी ब्लाउज विद स्कर्टस

अगर आप ट्रेंडी ब्लाउज पहनने की शौकीन हैं तो इस साल ट्रेंड में रहे ऑफ शोल्डर ब्लाउज या स्लीव्लेस ब्लाउज को लॉन्ग स्कर्ट्स या सेरोंग के साथ भी पहन सकती हैं। अपने लुक को एन्हॉन्स करने के लिए आप लाइट वेट स्टेटमेंट ज्वैलरी भी इसके साथ कैरी कर सकती हैं। यह पैटर्न स्कर्ट के अतिरिक्त प्लेन स्कर्ट के साथ भी खूब फबता है। वैसे इन दिनों फैशन डिजाइनर्स ब्लाउज को शॉर्ट व लॉन्ग स्कर्ट के साथ टीमअप करके साड़ी को बतौर दुपट्टा पल्लू इस्तेमाल कर रहे हैं। यह एकदम नया व डिफरेंट लुक है।

ब्लाउज विद लहंगा

वैसे तो ब्लाउज को लहंगे के साथ पहनने का चलन काफी पुराना है। लेकिन अगर आप किसी फंक्शन में अपनी किसी दोस्त या बहन का लहंगा पहनना चाहती हैं तो उसके साथ अपना साड़ी ब्लाउज पहनना एक अच्छा आइडिया हो सकता है। इससे आपको पुराने लहंगे में ही एक न्यू लुक मिल जाएगा। वैसे आप इस लहंगे के साथ दुपट्टा कैरी करें या नहीं। यह पूरी तरह आपकी इच्छा पर निर्भर करता है।

संपादकीय

भारत पर 100 फीसदी टैरिफ!

राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ का खेल फिर शुरू कर दिया है। अमरीकी कांग्रेस (संसद) में एक बिल पेश किया गया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले पांच देशों-भारत, चीन, हंगरी, अजरबैजान, स्लोवाकिया-पर 100 फीसदी टैरिफ थोपने का प्रावधान है। संसद में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स सांसद बिल पारित करने के पक्ष में हैं, क्योंकि वे रूस की अर्थव्यवस्था को अधिक कमजोर करना चाहते हैं। बिल के मसविदे में 500 फीसदी टैरिफ का प्रस्ताव था, जिसे घटा कर 100 फीसदी किया गया है। यदि अमरीकी संसद में यह बिल पारित किया जाता है, तो भारत पर 100 फीसदी टैरिफ के अलावा, 12.5 फीसदी बाल-मजदूरी का टैरिफ और 18 फीसदी सामान्य टैरिफ, कुल मिला कर 130.5 फीसदी टैरिफ लागू हो सकता है। अमरीका ने हमारे तांबा, इस्पात, एल्युमीनियम पर 50 फीसदी टैरिफ और सेमीकंडक्टर तथा ऑटो पाट्र्स पर 25-25 फीसदी टैरिफ थोप रखा है। यदि 100 फीसदी टैरिफ लागू हो गया, तो भारत अमरीका को जो सालाना 6.5 लाख करोड़ रुपए का निर्यात करता है, वह प्रभावित होगा। रूस से कच्चा तेल खरीद कर भारत सालाना 60,000 करोड़ रुपए की बचत करता है, लेकिन टैरिफ लागू होने से 10 गुना अधिक निर्यात पर पलीता लग सकता है। भारत के 2.1 लाख करोड़ रुपए के फार्मा, वस्त्र, हीरे के निर्यात पर भी असर पड़ेगा। आखिर अमरीका के साथ 'माई डियर फ्रेंड' वाली दोस्ती और रणनीतिक साझेदारी का सच यही है कि हम टैरिफ की मार लगातार झेलते रहें? राष्ट्रपति ट्रंपके आदेशानुसार ही तेल, गैस के आयात करें? यदि वह रूसी तेल की खरीद के लिए छूट दे, तो बल्लियां उछलते रहें और रूस से खुल कर खरीददारी करें? ट्रंप होते कौन हैं, क्या दुनिया भर के 'चौधरी' हैं, ठेकेदार हैं, जो भारत जैसे संप्रभु देश और दुनिया के सबसे बड़े बाजार को हांकते रहते हैं? हमारी सरकार और नेतृत्व गुमसुम क्यों रहते हैं? ब्राजील जैसे छोटे देश के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा अमरीका को टका-सा जवाब दे सकते हैं, लेकिन दुनिया की सबसे अधिक आबादी का देश-भारत-अमरीकी राष्ट्रपति के फरमान सुनने और पालन करने को विवश है? दुर्भाग्य, विडंबना और शर्मिन्दगी है! सवाल यह भी गंभीर है कि क्या राष्ट्रपति ट्रंप100 फीसदी टैरिफ थोप कर भारत पर 'व्यापार समझौते' के लिए दबाव बनाने में कामयाब हो सकते हैं? फरवरी में समझौते की जो रूपरेखा सार्वजनिक हुई थी, उसके बाद आधी जुलाई तक भी 'अंतिम सौदा' नहीं हो पाया है! बहरहाल भारत ने रूसी तेल खरीदना जारी रखा है। जून में भी 26.1 लाख बैरल तेल रोजाना खरीदा गया। ट्रंप की टैरिफ नीति भी अजीब है, क्योंकि रूस से लगातार गैस खरीदने वाले यूरोपीय देशों को प्रस्तावित टैरिफ से बाहर रखा गया है। यूरोपीय देश रूस से 65,000 करोड़ रुपए की गैस आयात कर रहे हैं। क्या वे 'मौसी के बेटे' हैं ट्रंप के? क्या इससे रूस की युद्ध-मशीन को ताकत नहीं मिल रही है? युद्ध के मैदान में यूरोप रूस के खिलाफ मोर्चे खोल रहा है, यूक्रेन को हरसंभव मदद दे रहा है, लेकिन 9.97 मिलियन मीट्रिक टन गैस बीते 6 माह के दौरान रूस से खरीदी है। यह कैसी कूटनीति है भाई? यही नहीं, बिल में प्रस्ताव है कि जो देश रूस से सैन्य उपकरण, हथियार आदि भी खरीदेगा, टैरिफ उस पर भी थोपा जाएगा। भारत रूस से करीब 45 फीसदी हथियार, सैन्य सामग्री, रक्षा उपकरण आदि दशकों से खरीद रहा है, क्या भारत पर अतिरिक्त टैरिफ भी लग सकता है? हालांकि अमरीकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप-टैरिफ को बिल्कुल 'अवैध' करार दिया था, लेकिन ट्रंप किसकी परवाह करने वाले राष्ट्रपति हैं? वह तो 'पक्के दुकानदार' हैं और विदेश नीति, व्यापार नीति भी 'दुकान' की तरह चलाना चाहते हैं! अमरीका ने भारत पर गंभीर आरोप लगाया था कि भारत जो सामान अमरीका में बेचता है, वह सामान 'जबरन श्रम', यानी बाल-मजदूरी, से बनवाया गया होता है, लिहाजा अमरीका ने 12.5 फीसदी टैरिफ थोप रखा है। भारत सरकार ने उस आरोप का जबरदस्त जवाब क्यों नहीं दिया? क्या अमरीका चाहता है कि भारत उससे ही तेल खरीदे? क्यों खरीदें? वह कच्चा तेल महंगा पड़ता है और आपूर्ति कमोबेश 40 दिन के बाद होती है।

बिल के मसविदे में 500 फीसदी टैरिफ का प्रस्ताव था, जिसे घटा कर 100 फीसदी किया गया है। यदि अमरीकी संसद में यह बिल पारित किया जाता है, तो भारत पर 100 फीसदी टैरिफ के अलावा, 12.5 फीसदी बाल-मजदूरी का टैरिफ और 18 फीसदी सामान्य टैरिफ, कुल मिला कर 130.5 फीसदी टैरिफ लागू हो सकता है। अमरीका ने हमारे तांबा, इस्पात, एल्युमीनियम पर 50 फीसदी टैरिफ और सेमीकंडक्टर तथा ऑटो पाट्र्स पर 25-25 फीसदी टैरिफ थोप रखा है। यदि 100 फीसदी टैरिफ लागू हो गया, तो भारत अमरीका को जो सालाना 6.5 लाख करोड़ रुपए का निर्यात करता है, वह प्रभावित होगा। रूस से कच्चा तेल खरीद कर भारत सालाना 60,000 करोड़ रुपए की बचत करता है, लेकिन टैरिफ लागू होने से 10 गुना अधिक निर्यात पर पलीता लग सकता है। भारत के 2.1 लाख करोड़ रुपए के फार्मा, वस्त्र, हीरे के निर्यात पर भी असर पड़ेगा। आखिर अमरीका के साथ 'माई डियर फ्रेंड' वाली दोस्ती और रणनीतिक साझेदारी का सच यही है कि हम टैरिफ की मार लगातार झेलते रहें? राष्ट्रपति ट्रंपके आदेशानुसार ही तेल, गैस के आयात करें।

कुछ अलग

मैं दूध का धुला हूं भाई...

जब मैं पैदा हुआ था, तो मुझे दूध से नहलाया गया था। उस समय एकदम से शुद्ध दूध मिलता था। आज की तरह उसमें मिलावट नहीं होती थी। कोई सिंथेटिक दूध नहीं होता था। एकदम शुद्धता की गारंटी थी। मुझे दूध से नहाने के बाद मेरी दादी ने भविष्यवाणी की थी कि यह आगे चलकर हर मोर्चे पर दूध का धुला हुआ साबित होगा। और मेरी दादी की भविष्यवाणी पत्थर पर लकीर निकली। जहां-जहां मैंने काम किया, वहां वहां मुझे एक से बढक़र एक भ्रष्टाचारी मिले जो छोटे-मोटे भ्रष्टाचार पर भी पकड़े जाते थे और उनके दामन पर छींटे पड़ जाते थे। लेकिन मैं भाग्यशाली रहा। न तो कभी मैं पकड़ा गया और न ही कभी मेरे दामन पर छींटे पड़े। इससे यह साबित हो गया कि मैं दूध का धुला हुआ हूं। अब लोग पूछते हैं कि भाई, आखिर यह चमत्कार कैसे हुआ? मैं उन्हें मुस्कुराकर कहता हूं कि यह कोई साधारण उपलब्धि नहीं है। इसके लिए वर्षों की साधना करनी पड़ती है। इस देश में ईमानदार होना जितना कठिन नहीं, उससे कहीं कठिन है हर समय अपने आपको ईमानदार साबित करते रहना। और उससे भी कठिन है बिना कुछ किए, केवल भाषण देकर दूध का धुला हुआ कहलाते रहना। आजकल तो हर कोई दूध का धुला हुआ है। नेता कहते हैं कि उन पर लगे सारे आरोप राजनीतिक साजिश हैं। अफसर कहते हैं कि फाइल ही गलत थी। ठेकेदार कहता है कि सीमेंट में मिलावट उसने नहीं, मौसम ने कर दी। व्यापारी कहता है कि महंगाई उसकी वजह से नहीं, ग्रह-नक्षत्रों की चाल से बढ़ी है। और जनता...वह बेचारी हर बार यही मान लेती है कि शायद सचमुच दूध में ही कुछ काला होगा। हमारे यहां जांच समितियां भी बड़ी पवित्र होती हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल स्तर निरंतर नीचे जा रहा है

सूखती धरती, बढ़ती प्यास : जल दिवालियापन की ओर बढ़ता भारत

डॉ. सत्यवान सौरभ

मानव इतिहास की अधिकांश महान सभ्यताएँ नदियों के किनारे विकसित हुईं, क्योंकि जल ही जीवन और समृद्धि का मूल स्रोत रहा है। किंतु इक्कीसवीं शताब्दी में जल संसाधनों पर बढ़ते दबाव ने विश्व के अनेक देशों के समक्ष गंभीर संकट उत्पन्न कर दिया है। भारत इस संकट का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर उभर रहा है। विश्व की लगभग 18 प्रतिशत जनसंख्या का भार वहन करने वाला भारत विश्व के केवल लगभग 4 प्रतिशत मीठे जल संसाधनों का स्वामी है। बढ़ती जनसंख्या, तीव्र शहरीकरण, औद्योगिकीकरण, कृषि क्षेत्र में जल का अत्यधिक दोहन, जल प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन तथा जल प्रबंधन की संरचनात्मक कमियों ने देश को ऐसी स्थिति में पहुँचा दिया है जहाँ केवल जल संकट की बात करना पर्याप्त नहीं रह गया है। अनेक विशेषज्ञों का मत है कि यदि वर्तमान प्रवृत्तियाँ जारी रहीं तो भारत जल संकट से आगे बढ़कर जल दिवालियापन की स्थिति में पहुँच सकता है।

जल केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन, सभ्यता, आर्थिक विकास, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन का आधार है। मानव इतिहास की अधिकांश महान सभ्यताएँ नदियों के किनारे विकसित हुईं, क्योंकि जल ही जीवन और समृद्धि का मूल स्रोत रहा है। किंतु इक्कीसवीं शताब्दी में जल संसाधनों पर बढ़ते दबाव ने विश्व के अनेक देशों के समक्ष गंभीर संकट उत्पन्न कर दिया है। भारत इस संकट का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर उभर रहा है। विश्व की लगभग 18 प्रतिशत जनसंख्या का भार वहन करने वाला भारत विश्व के केवल लगभग 4 प्रतिशत मीठे जल संसाधनों का स्वामी है। बढ़ती जनसंख्या, तीव्र शहरीकरण, औद्योगिकीकरण, कृषि क्षेत्र में जल का अत्यधिक दोहन, जल प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन तथा जल प्रबंधन की संरचनात्मक कमियों ने देश को ऐसी स्थिति में पहुँचा दिया है जहाँ केवल जल संकट की बात करना पर्याप्त नहीं रह गया है। अनेक विशेषज्ञों का मत है कि यदि वर्तमान प्रवृत्तियाँ जारी रहीं तो भारत जल संकट से आगे बढ़कर जल दिवालियापन की स्थिति में पहुँच सकता है। जल दिवालियापन वह अवस्था है जब उपलब्ध जल संसाधन प्राकृतिक पुनर्भरण की क्षमता से अधिक दोहन के कारण समाप्तप्राय हो जाएँ, जल की गुणवत्ता इतनी खराब हो जाए कि उसका उपयोग कठिन हो जाए तथा समाज, कृषि, उद्योग और पारिस्थितिकी की आवश्यकताओं की पूर्ति संभव न रह जाए। भारत में प्रति व्यक्ति वार्षिक जल उपलब्धता स्वतंत्रता के प्रारंभिक वर्षों में पाँच हजार घन मीटर से अधिक थी, जो लगातार घटते-घटते जल तनाव की सीमा के निकट पहुँच चुकी है। अनेक महानगर समय-समय पर पेयजल संकट का सामना कर चुके हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल स्तर निरंतर नीचे जा रहा है। अनेक नदियाँ प्रदूषण के कारण जीवनदायिनी के बजाय प्रदूषण वाहक बनती जा रही हैं। वर्षा की अनिश्चितता और जलवायु परिवर्तन ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। यह संकट केवल प्राकृतिक कारणों से उत्पन्न नहीं हुआ, बल्कि जल प्रबंधन की दीर्घकालिक कमजोरियों, नीतिगत असंतुलनों और सामाजिक व्यवहारों का परिणाम भी है। भारत की सबसे बड़ी समस्या भूजल पर अत्यधिक निर्भरता है। देश विश्व का सबसे बड़ा भूजल उपयोगकर्ता है। सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक उपयोग के लिए लाखों की संख्या में ट्यूबवेल संचालित हैं। कई राज्यों में मुफ्त अथवा अत्यधिक सब्सिडी वाली बिजली ने भूजल दोहन को और प्रोत्साहित किया है। जल निकासी की तुलना में पुनर्भरण बहुत कम होने के कारण भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। अनेक क्षेत्रों में कुएँ और हैंडपंप सूख चुके हैं तथा किसानों को अधिक गहराई तक बोरिंग करनी पड़ रही है। इससे ऊर्जा लागत बढ़ रही है और छोटे किसान आर्थिक संकट में फँस रहे हैं। कई स्थानों पर भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक तथा नाइट्रेट की मात्रा बढ़ने से सार्वजनिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है। जल प्रबंधन की दूसरी बड़ी कमजोरी वर्षा

जल के समुचित संचयन का अभाव है। भारत में अधिकांश वर्षा कुछ ही महीनों में होती है, किंतु उसका बड़ा भाग नदियों के माध्यम से समुद्र में चला जाता है। यदि इस जल का वैज्ञानिक ढंग से संग्रहण और पुनर्भरण किया जाए तो भूजल संकट को काफी हद तक कम किया जा सकता है। दुर्भाग्यवश पारंपरिक जल संरचनाएँ जैसे तालाब, बावड़ियाँ, जोहड़, कुएँ और झीलें उपेक्षा, अतिक्रमण और प्रदूषण का शिकार हो गई हैं। शहरी क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन को कानूनी रूप से अनिवार्य तो बनाया गया है, परंतु उसका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी सीमित है। जल प्रदूषण भी जल संकट को जल दिवालियापन की दिशा में ले जाने वाला प्रमुख कारण है। देश की अधिकांश नदियाँ घरेलू सीवेज, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक कचरे तथा कृषि रसायनों से प्रभावित हैं। बड़ी मात्रा में बिना उपचारित सीवेज प्रतिदिन नदियों में छोड़ा जाता है। अनेक उद्योग पर्यावरणीय मानकों का पालन नहीं करते। परिणामस्वरूप उपलब्ध जल की गुणवत्ता निरंतर गिर रही है। जल की मात्रा चाहे जितनी हो, यदि वह उपयोग योग्य नहीं है तो वास्तविक जल उपलब्धता स्वतः कम हो जाती है। यह स्थिति स्वास्थ्य, कृषि, मत्स्य पालन और जैव विविधता सभी के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती है। कृषि क्षेत्र में जल का अत्यधिक और अल्पदक्ष उपयोग भी वर्तमान संकट का एक महत्त्वपूर्ण कारण है। भारत के कुल मीठे जल का लगभग अस्सी प्रतिशत भाग कृषि में प्रयुक्त होता है, किंतु सिंचाई की दक्षता अभी भी निम्न है। अधिकांश क्षेत्रों में पारंपरिक बाढ़ सिंचाई पद्धति अपनाई जाती है, जिसमें बड़ी मात्रा में जल व्यर्थ बह जाता है। न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा सरकारी खरीद की नीतियों ने कई राज्यों में धान और गन्ने जैसी अत्यधिक जल-आवश्यक फसलों की खेती को प्रोत्साहित किया है, जबकि उन क्षेत्रों की जल उपलब्धता इसके अनुकूल नहीं है। इससे भूजल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और दीर्घकाल में कृषि की स्थिरता भी प्रभावित होती है। शहरी जल प्रबंधन भी गंभीर कमियों से ग्रस्त है। तेजी से बढ़ते शहरों में पाइपलाइन से जल की भारी हानि होती है। गैर-राजस्व जल की मात्रा कई नगरों में अत्यधिक है। उपचारित अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग बहुत कम किया जाता है। झीलों और तालाबों पर अतिक्रमण होने से वर्षा जल का प्राकृतिक संचयन समाप्त हो रहा है। विडंबना यह है कि एक ओर शहरों में वर्षा के समय जलभराव होता है और दूसरी ओर गर्मियों में वही शहर जल संकट से जूझते हैं। यह दर्शाता है कि हमारी जल प्रबंधन प्रणाली प्राकृतिक जल चक्र के अनुरूप विकसित नहीं हो सकी है। जल प्रबंधन की एक अन्य संरचनात्मक कमजोरी संस्थागत विखंडन है। जल से संबंधित कार्य अनेक मंत्रालयों, विभागों और एजेंसियों में विभाजित हैं। सिंचाई, पेयजल, भूजल, नदी संरक्षण, शहरी जलापूर्ति और पर्यावरण संरक्षण अलग-अलग संस्थाओं के अधीन हैं। इनके बीच समन्वय का अभाव समेकित जल नीति के निर्माण और प्रभावी क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न करता है। नदी बेसिन आधारित योजना के स्थान पर प्रशासनिक सीमाओं के आधार पर जल प्रबंधन किया जाता है, जिससे संसाधनों का वैज्ञानिक उपयोग नहीं हो पाता। जलवायु परिवर्तन ने इस संकट को और गहरा बना दिया है। मानसून की अनिश्चितता, अल्प अवधि में अत्यधिक वर्षा, लंबे शुष्क काल, हिमालयी हिमनदों के पिघलने तथा तापमान वृद्धि ने जल चक्र को प्रभावित किया है। इससे बाढ़ और सूखे दोनों की आवृत्ति तथा तीव्रता बढ़ी है। जल संसाधनों की योजना यदि पुराने जलवायु पैटर्न के आधार पर बनाई जाएगी तो भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति संभव नहीं होगी। इन सभी चुनौतियों के कारण जल संकट केवल संसाधन संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा व्यापक प्रश्न बन चुका है। जल की कमी से कृषि उत्पादन प्रभावित होगा, जिससे खाद्यान्न सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उद्योगों की उत्पादन क्षमता घट सकती है। जलजनित रोगों का प्रसार बढ़ सकता है। राज्यों और क्षेत्रों के बीच जल विवाद तीव्र हो सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर पलायन होने की संभावना भी बढ़ सकती है। अतः जल सुरक्षा को राष्ट्रीय विकास की केंद्रीय प्राथमिकता बनाना समय की आवश्यकता है। इस चुनौती का समाधान केवल नए बाँध बनाने या अधिक भूजल निकालने से संभव नहीं है। इसके लिए जल प्रबंधन की संपूर्ण सोच में परिवर्तन आवश्यक है। सबसे पहले जल को एक सीमित और मूल्यवान प्राकृतिक संपदा के रूप में स्वीकार करना होगा। जल संसाधनों का प्रबंधन नदी बेसिन आधारित समेकित दृष्टिकोण से किया जाना चाहिए, जिसमें सतही जल, भूजल, वर्षा जल और पारिस्थितिकीय आवश्यकताओं को एक साथ ध्यान में रखा जाए। प्रत्येक नदी घाटी के लिए वैज्ञानिक जल बजट तैयार किया जाए और उसी के अनुसार जल उपयोग की योजना बनाई जाए। भूजल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रत्येक क्षेत्र में भूजल निकासी और पुनर्भरण का वैज्ञानिक आकलन किया जाए। जलभृतों का मानचित्रण, डिजिटल निगरानी तथा सामुदायिक भागीदारी पर आधारित भूजल शासन विकसित किया जाए।

देश दुनिया से

बच्चियों की सुरक्षा एक यक्ष-प्रश्न

देश में बढ़ते यौन शोषण, बलात्कार और हत्याओं जैसी दिल दहला देने वाली घटनाओं ने डर, भय और खौफ का वातावरण पैदा कर दिया है। कुछ दिनों पूर्व राजस्थान के श्रीगंगानगर में तेरह वर्ष की मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी एवं पश्चिम बंगाल के बरुईपुर में बारह वर्ष की अबोध बेटी से बलात्कार और फिर हत्या मानवता को शर्मसार करने वाली है। इसी तरह पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी इलाके के एक निजी स्कूल में महज तीन वर्षीय बच्ची के साथ उसी स्कूल के 57 वर्षीय कर्मचारी द्वारा दुराचार की घटना मनुष्य की रुग्ण और विक्षिप्त मानसिकता को व्यक्त करती है। ये घटनाएं रूह को कंपकंपा देने वाली हैं। ऐसा लगता है कि जैसे कि इनसान हैवान हो गया हो। श्रीगंगानगर में घर से खेलने निकली बच्ची का रिक्शा चालक के द्वारा किडनैपिंग का शिकार होने, उसे बेचने के बाद शहर के तीन होटलों में एक सौ बीस घंटे तक बत्तीस लोगों की हवस का शिकार होती रही। घटिया मानसिकता और दरिंदगी से ग्रसित गिद्धों ने एक मासूम बच्ची को नोच डाला और दर्दनाक शारीरिक और मानसिक प्रताडऩा देकर उसे मृत्यु के दरवाजे पर छोड़ दिया। विक्षिप्त मानसिकता के बत्तीस लोगों की आत्मा जैसे मर गई हो। इस दौरान किसी एक को भी घर में अपनी मां-बहन या बेटी को याद कर रहम नहीं आया। जरा सोचिए कि वह अबोध बच्ची किस अकल्पनीय भयंकर त्रासदी और दहशत के खौफनाक मंजर से गुजरी होगी? ये दरिंदे मनुष्य तो नहीं हो सकते। हां, मनुष्य के वेश में नर पिशाच, कुत्ते और गिद्ध तो हो सकते हैं। दस दिन से आइसीयू में जिंदगी और मौत से जूझ रही एक अबोध बालिका की तकलीफ मानवता पर गंभीर प्रश्न है। धिक्कार है ऐसी घटिया मानसिकता पर। आज सारी मानवता शर्मसार है। आखिर क्या कसूर था उस मासूम बच्ची का? क्या बत्तीस लोगों में से किसी एक की अंतरआत्मा भी नहीं जागी? आज पूरे भारतवर्ष की बेटियों और बहनों की आंखों में करुणा के आंसू हैं, दहशत है और उन्हें असुरक्षा महसूस हो रही है। डर और खौफ के साये में जी रही ये बच्चियां न जाने कब और किस

अप्रत्याशित दुराचार का शिकार हो जाए? यह प्रकरण दरिंदगी की इंतहा की कल्पना से भी परे है। यह प्रकरण महज एक घटना नहीं बल्कि इनसानियत पर एक काला धब्बा है। अफसोस है कि अनेकों ऐसे कुकृत्यों के बाद लोगों के द्वारा नारे, जुलूस, कैंडल मार्च, धरने और प्रदर्शन के बाद भी हमने कोई सबक नहीं लिया। दिल्ली में निर्भया तथा हिमाचल प्रदेश में गुडिया जैसे घिनौने बलात्कार और हत्या के शर्मनाक मामलों के बाद भी हम कोई पुख्ता और असरदार कानून नहीं बना सके। हर बार पीड़िताओं और उनके परिवारों को लंबी कानूनी प्रक्रियाओं के बाद यदि न्याय मिला भी होगा तो भी किसी परिजनों को उनकी जीवित बच्ची मिली? ऐसे दुष्कर्मियों को तो तुरंत् रफांसी की सजा मिलनी चाहिए। ऐसी गंदी मानसिकता के दरिंदों को जीने का कोई अधिकार नहीं होना चाहिए। देश में बलात्कार और हत्या के घृणित मामलों में केवल और केवल फांसी का ही प्रावधान होना चाहिए ताकि बच्चियों के साथ गलत करने से पहले लोगों में डर और दहशत हो, अन्यथा बार-बार कोई न कोई बेकसूर बच्ची ऐसे गिद्धों की दरिंदगी का शिकार होती रहेगी। बलात्कार और हत्या के मामलों को अक्षम्य अपराध की श्रेणी में लाया जाना समय की पुकार है। इन लोगों को कड़ी से कड़ी सजा देने के लिए सख्त कानून की आवश्यकता है। बलात्कारी केवल बलात्कारी होता है। बलात्कारी की कोई जाति और धर्म नहीं होता। इन शैतानों को केवल मृत्युदंड ही अंतिम सजा होनी चाहिए। इन लोगों के साथ कोई भी लिहाज, क्षमा या दया याचना नहीं होनी चाहिए। आज पूरे देश में बच्चियों, बेटियों और महिलाओं की सुरक्षा एक यक्ष प्रश्न बन चुका है। अभिभावक भयभीत हैं। कब जैसे कौनसी अप्रिय घटना सुनने को मिल जाए, कह नहीं सकते। इन बलात्कारों और जघन्य अपराधों के विरोध में देश भर में कैंडल मार्च और विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। जघन्य अपराध होने पर इस तरह के प्रदर्शन एक परंपरा सी बन चुकी है, बल्कि कोई स्थायी समाधान होता नजर नहीं आ रहा। सोशल मीडिया ट्रायल, पुलिस की छानबीन, अपराधियों और आरोपियों की धरपकड़, न्यायालयों की परिक्रमा और फिर 'वही ढाक के तीन पात'। वर्षों की लम्बी न्यायिक प्रक्रिया के बाद कोई फैसला होता है तब तक समाज में कोई और जघन्य अपराध हो जाता है। समाज में पुलिस, न्यायालय या कानून का कोई स्थायी खौफ नहीं है। पीड़ित माता-पिता, परिजन एवं सगे सम्बन्धी त्वरित न्याय चाहते हैं, लेकिन कानून, पुलिस और न्यायिक व्यवस्था की अपनी मजबूरियां हैं। घटना होने पर पीड़ित को न्याय दिलाने, आरोपी को अपराधी साबित करने तथा अपराध की सजा मिलने तक सब शांत हो जाता है, जैसे कि कुछ हुआ ही न हो। मानवता सिसकती रहती है, पीड़ित न्याय के इंतजार में रहते हैं। वैसे भी कहा जाता है 'जस्टिस डिलेड इज जस्टिस डिनाइड।' हालांकि श्रीगंगानगर में पुलिस प्रशासन द्वारा ऐसे निंदनीय कार्य करने वाले तीन होटलों पर बुलडोजर चला कर ध्वस्त करने की कार्रवाई प्रशंसनीय है। इसी तरह से पश्चिम बंगाल में बुरुईपुर में बलात्कार और हत्या के मामले में सरकार द्वारा त्वरित कार्रवाई करना प्रशंसनीय है, लेकिन यह नाकाफी है। ऐसी घटनाएं शर्मनाक ही नहीं घोर निंदनीय भी हैं। पूरे देश को महिला अपराधों के खिलाफ खड़ा होना पड़ेगा।

आप का नज़रिया

इरादों की नई कार्यशैली

हर सरकार को अपनी कार्यशैली का एक नक्शा जमीन पर उतारना पड़ता है और इस लिहाज से सुक्खू सरकार ने अपने इरादे चिन्हित कर दिए हैं। मंडे बैठकों के दौर के बाद उच्च स्तरीय बैठकों में इरादों की कार्यशैली स्पष्ट हो रही है। मेडिकल कालेजों को श्रेष्ठ मेडिकल कालेजों के बाद अब जिला, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों की सुध में नई इच्छा शक्ति जागृत हुई है। आज भी स्वास्थ्य के परिप्रेक्ष्य में पहली दस्तक नजदीकी अस्पतालों और खास तौर पर जिला, क्षेत्रीय या जोनल अस्पतालों में होती है। अगर जिलों की ओपीडी जिला स्तरीय अस्पतालों में संतुष्ट हो जाए, तो मेडिकल कालेज और श्रेष्ठ तथा गुणवत्ता पूर्ण सेवाओं का पैमाना तय कर पाएंगे। इसी संदर्भ में हिमाचल सरकार एमआरआई मशीनों तथा डिजिटल मैमोग्राफी सुविधा का विस्तार बिलासपुर, कुल्लू, ऊना, सोलन, धर्मशाला तथा पालमपुर जैसे अस्पतालों में कर रही है। इसके अलावा मेडिकल कालेजों में 256 स्लाइस हाई एंड सीटी स्कैन तथा डिजिटल-एक्सरे मशीनें आ रही हैं। जाहिर है निरीक्षण-परीक्षण की दृष्टि से बहुत कुछ मुकम्मल होगा। निजी क्षेत्र के सामने हिमाचल की स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा सुदृढ़ होगा, तो मरीजों का विश्वास आज भी सरकारी अस्पतालों को अहमियत दे रहा है। हमारा मानना है कि हिमाचल को रोग विशेष के आधार पर क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों को राज्य स्तरीय दर्जा देना होगा। मसलन कोई एक अस्पताल अगर न्यूरो की दक्षता में संपूर्ण सुसज्जित हो तो उसे इस विषय का राज्य स्तरीय अस्पताल घोषित किया जाए। इसी तरह गैस्ट्रो, मधुमेह, यूरोलॉजी, हड्डी रोग, हार्ट व अन्य रोग विशेष के राज्य स्तरीय अस्पताल बना देने चाहिएं। इससे अनुसंधान, निपुणता व दक्षता को नया आयाम मिलेगा तथा राज्य में सुपरस्पेशियलिटी की श्रृंखला बन जाएगी। हिमाचल को कुछ अस्पतालों को पर्यटन से जोड़ कर देखते हुए हैल्थ टूरिज्म प्रोमोट करना होगा। मसलन कुल्लू-मनाली, शिमला व धर्मशाला के अस्पतालों में हैल्थ टूरिज्म की संभावनाएं देखी जानी चाहिएं, जबकि पपरोला आयुर्वेदिक चिकित्सालय के साथ-साथ कुछ अन्य आयुर्वेदिक अस्पताल भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवाएं दे सकते हैं। बहुत सारे विदेशी हिमाचल के धर्मशाला व मनाली प्रवास के दौरान डेंटल व आंख परीक्षण की सस्ती सुविधाओं से अभिभूत होते हैं। इतना ही नहीं हिमाचल के पचास साठ शहरों के लिए अब सिटी अस्पतालों की श्रृंखला में निजी निवेश प्रोत्साहित करने की योजना बनानी होगी। बहरहाल हिमाचल की सुक्खू सरकार काम, प्रगति और परियोजनाओं की निरंतरता में जो नक्शे बना रही है, उसमें सबसे अधिक निवेश और निष्कर्ष कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार को लेकर निकल रहे हैं। विस्थापन से पुनर्वास तक कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार, पूरे देश के लिए एक मिसाल है। राहत के मायने मानवीय हैं, साथ ही दृढ़ प्रतिज्ञा इरादों की बुलंदी भी जाहिर करते हैं। अंतिम दौर में पहुंचा कार्य यह एहसास दिलाता है कि वर्तमान सरकार इस ऐतिहासिक कार्य की हर ईंट पर अपना नाम लिख रही है। दो सौ करोड़ की एक और किस्त से शामलात पर खड़े अवैध कब्जे भी मरहम-पट्टी करवा रहे हैं, ताकि गगल को बहुआयामी व्यापार का नाम देने वाले निराश होकर ठोकरें न खाएं। अब तक 2263 करोड़ का आबंटन साबित करता है कि सरकारें चाहें, तो अपने इरादों की मीनारें ऊंची कर सकती हैं। अब देखना यही बाकी है कि अंतिम डेढ़ साल की परिक्रमा में सुक्खू के नेतृत्व में मिशन रिपीट की सतह पर आगे कौन सी बुलंदी रेखांकित होती है।

मेडिकल कालेजों को श्रेष्ठ मेडिकल कालेजों के बाद अब जिला, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों की सुध में नई इच्छा शक्ति जागृत हुई है। आज भी स्वास्थ्य के परिप्रेक्ष्य में पहली दस्तक नजदीकी अस्पतालों और खास तौर पर जिला, क्षेत्रीय या जोनल अस्पतालों में होती है। अगर जिलों की ओपीडी जिला स्तरीय अस्पतालों में संतुष्ट हो जाए, तो मेडिकल कालेज और श्रेष्ठ तथा गुणवत्ता पूर्ण सेवाओं का पैमाना तय कर पाएंगे। इसी संदर्भ में हिमाचल सरकार एमआरआई मशीनों तथा डिजिटल मैमोग्राफी सुविधा का विस्तार बिलासपुर, कुल्लू, ऊना, सोलन, धर्मशाला तथा पालमपुर जैसे अस्पतालों में कर रही है। इसके अलावा मेडिकल कालेजों में 256 स्लाइस हाई एंड सीटी स्कैन तथा डिजिटल-एक्सरे मशीनें आ रही हैं। जाहिर है निरीक्षण-परीक्षण की दृष्टि से बहुत कुछ मुकम्मल होगा। निजी क्षेत्र के सामने हिमाचल की स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा सुदृढ़ होगा, तो मरीजों का विश्वास आज भी सरकारी अस्पतालों को अहमियत दे रहा है। हमारा मानना है कि हिमाचल को रोग विशेष के आधार पर क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों को राज्य स्तरीय दर्जा देना होगा। मसलन कोई एक अस्पताल अगर न्यूरो की दक्षता में संपूर्ण सुसज्जित हो तो उसे इस विषय का राज्य स्तरीय अस्पताल घोषित किया जाए। इसी तरह गैस्ट्रो, मधुमेह, यूरोलॉजी, हड्डी रोग, हार्ट व अन्य रोग विशेष के राज्य स्तरीय अस्पताल बना देने चाहिएं। इससे अनुसंधान, निपुणता व दक्षता को नया आयाम मिलेगा तथा राज्य में सुपरस्पेशियलिटी की श्रृंखला बन जाएगी। हिमाचल को कुछ अस्पतालों को पर्यटन से जोड़ कर देखते हुए हैल्थ टूरिज्म प्रोमोट करना होगा।

दृष्टि कोण

क्या विकसित भारत 2047 का लक्ष्य 2075 में हासिल होगा

यदि आप विकसित भारत 2047 का स्वप्न देख रहे हैं तो थोड़ा संभल जाइए, क्योंकि कुछ अर्थशास्त्रियों ने यह तर्क दिया है कि यदि भारत की मौजूदा आर्थिक वृद्धि दर, उत्पादकता और रोजगार सृजन की गति में पर्याप्त सुधार नहीं हुआ, तो भारत को ₹विकसित देश₹ बनने में 2047 के बजाय 2075 तक का समय लग सकता है। बता दें कि यह कोई आधिकारिक सरकारी अनुमान नहीं है, बल्कि कतिपय अर्थशास्त्रियों द्वारा किए गए एक आर्थिक विश्लेषण पर आधारित दृष्टिकोण मात्र है, जो सत्य के निकट है या परे, यह भविष्य के गर्भ में है। हाँ, इतना जरूर है कि इससे विपक्ष को सत्तापक्ष की खिल्ली उड़ाने का एक मौका जरूर मिल गया है। दरअसल, इस संदर्भ में चर्चित अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला ने भी कहा कि यदि वर्तमान गति ऐसी ही बनी रही, तो विकसित भारत का लक्ष्य 2047 तक हासिल करना कठिन हो सकता है। मसलन, Surjit Bhalla का आशय यह है कि केवल उच्च आर्थिक वृद्धि दर पर्याप्त नहीं है। यदि वर्तमान गति, निवेश, उत्पादकता और रोजगार सृजन की चुनौतियाँ बनी रहीं, तो भारत को विकसित देश बनने में 2047 के बजाय 2075 तक का समय लग सकता है। इस प्रकार से देखा जाए तो उन्होंने और उनके जैसे अन्य कई अर्थशास्त्रियों द्वारा उठाई जाने वाली प्रमुख चिंताएँ इस प्रकार हैं:- पहली, विकास दर में कमी: विकसित भारत के लक्ष्य के लिए लंबे समय तक 8–9% या उससे अधिक वास्तविक GDP वृद्धि की आवश्यकता मानी जाती है, जबकि हाल के वर्षों में वृद्धि इससे कम रहने का अनुमान है। दूसरी, प्रति व्यक्ति आय: विकसित देश बनने का आधार केवल कुल GDP नहीं, बल्कि प्रति व्यक्ति आय भी है। यदि जनसंख्या के अनुपात में आय पर्याप्त तेजी से नहीं बढ़ती, तो लक्ष्य पीछे खिसक सकता है। तीसरी, रोजगार की चुनौती: आर्थिक वृद्धि के अनुरूप पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण रोजगार नहीं बनने से आय और उपभोग दोनों प्रभावित होते हैं। चौथी, विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग): GDP और रोजगार में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी अपेक्षित स्तर

तक नहीं बढ़ पाई है। पांचवीं, मानव पूंजी: शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और श्रम उत्पादकता में अभी भी उल्लेखनीय सुधार की आवश्यकता है। छठी, वैश्विक अनिश्चितताएँ: भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार बाधाएँ, ऊर्जा कीमतें और वैश्विक आर्थिक मंदी जैसे कारक भी विकास की गति को प्रभावित कर सकते हैं। हालाँकि, यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि यह एक आर्थिक आकलन है, कोई निश्चित भविष्यवाणी नहीं। यदि भारत अगले दो दशकों में तेज़ और निरंतर आर्थिक वृद्धि, व्यापक रोजगार सृजन, विनिर्माण विस्तार, बुनियादी ढाँचे में निवेश, शिक्षा-स्वास्थ्य सुधार और प्रशासनिक सुधारों को प्रभावी ढंग से लागू करता है, तो 2047 का लक्ष्य अधिक यथार्थवादी हो सकता है। इसलिए सुरजीत भल्ला का तर्क मूलतः यह है कि यदि वर्तमान गति और संरचनात्मक चुनौतियाँ नहीं बदलीं, तो विकसित भारत का लक्ष्य 2047 से काफी आगे खिसक सकता है। इसके पीछे प्रमुख कारण बताए जाते हैं जो इस प्रकार हैं: पहला, विकास दर की चुनौती: विकसित देशों की श्रेणी में पहुँचने के लिए भारत को लंबे समय तक लगभग 7–8% या उससे अधिक वास्तविक जीडीपी (GDP) वृद्धि बनाए रखनी होगी। यदि वृद्धि 6% के आसपास रहती है, तो लक्ष्य पीछे खिसक सकता है। दूसरा, प्रति व्यक्ति आय कम होना: भारत की कुल अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, लेकिन बड़ी आबादी के कारण प्रति व्यक्ति आय अभी विकसित देशों से काफी कम है। तीसरा, रोजगार और उत्पादकता: उच्च आर्थिक वृद्धि के साथ गुणवत्तापूर्ण रोजगार और श्रम उत्पादकता में तेज सुधार आवश्यक है।

मेसी पर रहेगी विशेष नजर, लेकिन मैन-मार्किंग नहीं करेंगे : स्पेनिश कोच फुएंते

न्यूयार्क

फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते ने कहा है कि उनकी टीम अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी पर विशेष नजर रखेगी, लेकिन उन्हें रोकने के लिए मैन-मार्किंग की रणनीति नहीं अपनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि अपने अनुभव से वह जानते हैं कि मेसी जैसे खिलाड़ी को पूरे मैच में एक खिलाड़ी के भरोसे रोकना लगभग असंभव है।

शुक्रवार को आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में डे ला फुएंते ने कहा, मेरा मेसी से पहला सामना तब हुआ था, जब मैं सेविला की युवा टीम का कोच था। हम बार्सिलोना खेलने गए थे और मैंने एक युवा खिलाड़ी मेसी के बारे में बहुत कुछ सुन रखा था।

उन्होंने आगे कहा, हमने एक खिलाड़ी को उनकी मैन-मार्किंग की जिम्मेदारी दी थी, लेकिन 70वें मिनट में मुझे उस खिलाड़ी को बदलना पड़ा क्योंकि उसे पीला कार्ड मिल चुका था। उस समय स्कोर 0-0 था, लेकिन अगले 15 मिनट में मेसी ने हमारे खिलाफ चार गोल कर दिए।

उन्होंने स्पष्ट किया, इसलिए इस बार हम मैन-मार्किंग नहीं करेंगे। हमें पूरे समय सतर्क रहना होगा और निश्चित रूप से मेसी पर विशेष ध्यान देना होगा।

39 वर्षीय मेसी की जमकर तारीफ करते हुए स्पेन के कोच ने कहा, मेसी अपने आप में अनोखे खिलाड़ी हैं। वह युवा खिलाड़ियों के लिए अपने व्यवहार और खेल भावना के कारण प्रेरणा हैं। खासकर जिस तरह का विश्व कप वह इस उम्र में खेल रहे हैं, वह वास्तव में शानदार है।

फाइनल में स्पेन के कोच का मुकाबला अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी से भी होगा। दोनों की दोस्ती वर्ष 2017 में हुई थी, जब स्कालोनी प्रोफेशनल कोचिंग लाइसेंस की पढ़ाई कर रहे थे और डे ला फुएंते उनके प्रशिक्षक थे।

अर्जेंटीना के खेल को लेकर पूछे गए सवाल पर डे ला फुएंते ने कहा, ओह, नहीं... बिल्कुल नहीं। मैं ऐसा कहने की कभी हिम्मत नहीं करूंगा। मुझे अर्जेंटीना की इस टीम के लिए बेहद सम्मान है।

उन्होंने कहा, उन्होंने विश्व कप जीता है, दो कोपा अमेरिका खिताब जीते हैं, फाइनलिसिमा जीती है और टीम की कमान मेरे करीबी मित्र स्कालोनी के हाथों में है। मेरे मन में उनके लिए सिर्फ सम्मान है, और सम्मान ही है।

उन्होंने आगे कहा, मेरा मानना है कि स्पेन और अर्जेंटीना दोनों ऐसी रणनीति के साथ मैदान में उतरेंगे, जहां प्रतिभा और बेहतरीन फुटबाल सबसे ऊपर होगी।

न्यूज़ ब्रीफ

पी. वी. सिंधु जापान ओपन 2026 के फाइनल में, चेन यूफेई चोट के कारण सेमीफाइनल से हटीं

टोक्यो। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी. वी. सिंधु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान ओपन 2026 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में चीन की विश्व नंबर-4 चेन यूफेई चोट के कारण मुकाबला बीच में ही छोड़ने पर मजबूर हो गईं, जिससे सिंधु को विजेता घोषित किया गया। मुकाबले के दौरान सिंधु पहले गेम को 21-19 से जीत चुकी थीं और दूसरे गेम में 15-10 से आगे चल रही थीं। इसी दौरान चेन यूफेई हैमस्ट्रिंग की चोट से परेशान दिखीं और मैच से हटने का फैसला किया। पहले गेम में कड़ी टक्कर के बाद सिंधु ने बनाई बढ़तसिंधु ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और पहले गेम के मध्य तक चार अंकों की बढ़त बना ली। हालांकि, पूर्व ओलंपिक चैंपियन चेन यूफेई ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 19-19 से बराबर कर दिया। दबाव के बावजूद सिंधु ने संयम बनाए रखा और पहला गेम 21-19 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधु का दबदबादूसरे गेम में भी सिंधु ने शुरुआत से ही मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने 15-10 की मजबूत बढ़त हासिल कर ली थी, तभी चेन यूफेई ने चोट के कारण मुकाबला छोड़ दिया और सिंधु फाइनल में पहुंच गईं। शानदार वापसी का सिलसिला जारी इस जीत के साथ 31 वर्षीय सिंधु का शानदार फार्म जारी है। वर्ष 2026 की शुरुआत उन्होंने विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान से की थी, लेकिन लगातार अच्छे प्रदर्शन के दम पर वह शीर्ष-10 में वापसी करते हुए अब विश्व नंबर-9 बन चुकी हैं। फाइनल में किससे होगा मुकाबला जापान ओपन के खिताबी मुकाबले में सिंधु का सामना जापान की अकाने यामागुची और इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वारदानी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा।

भारत में भी गेंदबाजों को सहायता देने वाली तेज पिचें बनायें : पुजारा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट विशेषज्ञ बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि देश में ऐसी

पिचें बनायी जानी चाहिये जिससे गेंदबाजों को भी सहायता मिले। पुजारा के अनुसार इन पिचों पर खेलने से घरेलू गेंदबाजों को तो लाभ होगा ही बल्लेबाजों को भी तेज और उछाल भरी पिचों पर खेलने का अवसर मिलेगा। इससे वे विदेशी हालातों में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। पुजारा ने देश में तेज पिचों को बनाने का ये सुझाव इसलिए भी दिया है क्योंकि भारतीय टीम के बल्लेबाज विदेशी दौरों में तेज और उछाल भरी पिचों पर जूझते आये हैं। इंग्लैंड में भी यही देखने में आया है। तेज और उछाल भरी पिचों के कारण ही हाल ही में, भारतीय टीम को आयरलैंड जैसी कमजोर टीम के खिलाफ टी20 0-2 से हार मिली, जिसके बाद उसे इंग्लैंड के खिलाफ भी टी20 सीरीज में 0-4 की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। इस पूरे दौरे में, भारतीय बल्लेबाजों को उछाल और गति का सामना करने में काफी परेशानी हुई, जिससे उनकी तकनीक और अनुकूलन क्षमता पर सवाल उठे। यह स्थिति और भी चिंताजनक इसलिए हो जाती है क्योंकि यही खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार प्रदर्शन करते हैं, जहां पिचें अक्सर सपाट और बल्लेबाजी के अनुकूल होती हैं।

हर्षित और वरुण के बार-बार चोटिल होने से भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ीं : रिपोर्ट

मुम्बई। तेज गेंदबाज हर्षित राणा और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के बार-बार चोटिल होने से भारतीय टीम की

मुश्किलें बढ़ गयी हैं। राणा अपने डेब्यू के बाद से ही फिट नहीं होने के कारण कई बार टीम से बाहर हुए हैं। पहले उनके घुटने की सर्जरी हुई थी। वहीं अब वह मांसपेशियों में खिंचाव (हैमस्ट्रिंग) के कारण टीम से बाहर हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार उनका इस प्रकार बार-बार चोटिल होना भारतीय टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। वहीं कहा जा रहा है कि रिहैबिलिटेशन के दौरान बढ़े हुए वजन के कारण् उनकी फिटनेस प्रभावित हो रही है। हर्षित इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए जब टीम के साथ जुड़े थे, तब उनका वजन सामान्य से अधिक पाया गया था। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ दो और इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 मैच खेले पर पांच मैच के बाद ही उन्हें दाहिने पैर में ग्रेड-1 हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर होना पड़ा। इसी से टीम प्रबंधन की चिन्ता बढ़ा गयी है क्योंकि घुटने की सर्जरी, बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब और रिटर्न टू प्ले प्रोटोकॉल पूरा करने के बाद भी राणा का वजन कैसे बढ़ गया ये किसी को समझ नहीं आ रहा है।

विश्व कप का फाइनल खेलना हमारा सपना इतिहास रचना चाहती है टीम : सलीमा टेटे

नई दिल्ली

भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा है कि एफआईएच महिला हाकी विश्व कप 2026 में टीम का लक्ष्य सिर्फ अच्छा प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि फाइनल तक पहुंचकर इतिहास रचना है। उन्होंने कहा कि एफआईएच नेशंस कप का खिताब जीतने के बाद टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है और सभी खिलाड़ी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों को चुनौती देने के लिए तैयार हैं।

15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होने वाले महिला हाकी विश्व कप में भारत को पूल-डी में चीन, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 16 अगस्त को चीन के खिलाफ करेगा।

पहली बार विश्व कप में कप्तानी करेंगी सलीमा

विश्व कप में पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी करने जा रही सलीमा ने हाकी इंडिया को दिए एक साक्षात्कार में कहा, यह मेरे लिए बेहद खास एहसास है। मैं उत्साहित भी हूं और थोड़ी घबराहट भी है, क्योंकि हाकी का यह सबसे बड़ा टूर्नामेंट है और भारत की कप्तानी करना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। हर खिलाड़ी विश्व कप खेलने का सपना देखता है और मुझे टीम की कप्तानी का मौका मिला है, जिससे यह और भी खास हो गया है।

उन्होंने आगे कहा, पिछले विश्व कप में हमने अच्छा हाकी खेला था, लेकिन नतीजे हमारे पक्ष में नहीं रहे। इस बार हम सभी फाइनल तक पहुंचने और उससे भी आगे जाने की बात कर रहे हैं। यही हमारा साझा सपना है। मेरी पहली जिम्मेदारी अच्छा प्रदर्शन करना है, ताकि अपने खेल से टीम का नेतृत्व कर सकूं। साथ ही मैं खासकर युवा खिलाड़ियों की हर संभव मदद करना चाहती हूं।

टीम की सबसे बड़ी ताकत है आपसी संवाद

युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के संतुलन पर सलीमा ने कहा, इस टीम की सबसे बड़ी ताकत आपसी संवाद है। युवा खिलाड़ी वरिष्ठ खिलाड़ियों से सलाह लेने में कभी संकोच नहीं करते और अनुभवी खिलाड़ी भी हमेशा उनका मार्गदर्शन करने के लिए तैयार रहते हैं।

उन्होंने कहा, मैं चाहती हूं कि हर खिलाड़ी खुलकर अपनी बात रखे। हमें एक-दूसरे को सुनना, सीखना और एकजुट रहना होगा। विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में टीम के बीच मजबूत तालमेल बेहद जरूरी होता है। जब हम एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं और अच्छी तरह संवाद करते हैं, तो दबाव का सामना करना आसान हो जाता है।

दबाव को चुनौती की तरह लेना होगा

विश्व कप की चुनौती पर सलीमा ने कहा, हर विश्व कप अलग होता है क्योंकि यहां दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों का सामना करना पड़ता है। हमारे पूल में भी मजबूत टीमें हैं और हर मैच में हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा।

उन्होंने कहा, हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती दबाव को बोझ नहीं, बल्कि सकारात्मक रूप से स्वीकार करना है। हमने अच्छी तैयारी की है। अब जरूरत खुद पर भरोसा रखने और अपनी रणनीति पर अमल करने की है। यदि हम मानसिक रूप से मजबूत रहे और एक-दूसरे का साथ दिया, तो हर चुनौती का सामना कर सकते हैं।

पहले मैच में चीन से भिड़ंत पर सलीमा ने कहा, हम इस चुनौती के लिए तैयार हैं। पिछली बार क्या हुआ था, यह अलग बात है। यह नया टूर्नामेंट है और हमारे पास खुद को साबित करने का नया मौका है।

उन्होंने कहा, मेरा संदेश टीम के लिए बिल्कुल स्पष्ट होगा— आत्मविश्वास और जुझारूपन के साथ खेलो। हमें विरोधी टीम के अनुसार अपना खेल नहीं बदलना है, बल्कि अपनी शैली में खेलते हुए उन्हें हमारे अनुसार खेलने के लिए मजबूर करना है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अंतिम सेकंड तक लड़ाई जारी रखनी है। यदि हम ऐसा कर पाए तो मनचाहा परिणाम हासिल कर सकते हैं।

युवा खिलाड़ियों को दिया खास संदेश

युवा खिलाड़ियों के लिए सलीमा ने कहा, मैंने उनसे कहा है कि अपनी मेहनत पर भरोसा रखें। उन्होंने अपनी प्रतिभा के दम पर टीम में जगह बनाई है, इसलिए विश्व कप का अतिरिक्त दबाव लेने की जरूरत नहीं है। खुलकर खेलें और खुद को अभिव्यक्त करें।

उन्होंने आगे कहा, गलतियां खेल का हिस्सा हैं। वरिष्ठ खिलाड़ी भी गलतियां करते हैं। सबसे जरूरी बात सही सोच, आत्मविश्वास और अपनी ताकत के अनुसार खेलना है। यदि वे इस मौके का आनंद लेंगे और खुद पर भरोसा रखेंगे, तो निश्चित रूप से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

देश के लिए खेलना सबसे बड़ी प्रेरणा

टीम की प्रेरणा पर सलीमा ने कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना ही हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा है। जब भी हम भारतीय जर्सी पहनकर मैदान पर उतरते हैं, तो यह गर्व का क्षण होता है।

उन्होंने कहा, मैच से पहले हम हमेशा सकारात्मक माहौल बनाए रखने की कोशिश करते हैं और खुद को याद दिलाते हैं कि हम एक टीम हैं और हमें एक-दूसरे के लिए लड़ना है। हमारे कोच भी हमेशा यही कहते हैं कि खुद पर विश्वास रखो और वही हाकी खेलो, जो तुम जानते हो। उनका हम पर भरोसा ही हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा देता है। जब हम अपनी तैयारी पर भरोसा रखते हैं और एकजुट रहते हैं, तो हम किसी भी टीम को चुनौती दे सकते हैं।

फीफा विश्व कप फाइनल से पहले मेसी ने की यामल की तारीफ, कहा वह कुछ ऐतिहासिक कर सकता है

न्यूयार्क

फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले अर्जेंटीना के महान फुटबालर लियोनेल मेसी ने स्पेन के युवा स्टार लामिन यामल की खुलकर सराहना की। मेसी ने कहा कि यामल एक असाधारण खिलाड़ी हैं और भविष्य में इतिहास रचने की क्षमता रखते हैं। हालांकि उन्होंने मुस्कुराते हुए यह भी कहा कि फाइनल में वह ऐसा नहीं होने देना चाहेंगे।

फाइनल की पूर्व संध्या पर फीफा ने न्यूयार्क के हडसन नदी के किनारे स्थित जैविट्स सेंटर में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में मेसी, अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी, गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज, स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते और कप्तान रोद्री ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन इंग्लैंड के पूर्व फुटबालर रियो फर्डिनेंड और हास्य कलाकार केविन हार्ट ने किया, जबकि टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच, एनएफएल दिग्गज टाम ब्रैडी और एनबीए स्टार केविन ड्यूरेंट ने खिलाड़ियों से बातचीत की।

यामल को बताया शानदार खिलाड़ी

कार्यक्रम के दौरान टाम ब्रैडी ने वह चर्चित तस्वीर याद दिलाई, जिसमें 20 वर्षीय मेसी एक चैरिटी फोटोशूट के दौरान बच्चे लामिन यामल को नहलाते हुए दिखाई दिए थे।

इस पर मेसी ने कहा, लामिन वास्तव में शानदार खिलाड़ी है। मैं उसे काफी समय से देख रहा हूं क्योंकि वह उस क्लब के लिए खेलता है, जिससे मुझे बेहद लगाव है। उसके पास इतिहास रचने का मौका है। हम कोशिश करेंगे कि इस बार ऐसा न हो।

उन्होंने मुस्कुराते हुए आगे कहा, हम अच्छा मुकाबला खेलना चाहेंगे, लेकिन उम्मीद है कि वह और उनकी टीम अच्छा प्रदर्शन न करें।

स्कालोनी ने की स्पेन के कोच की सराहना

कार्यक्रम के बाद अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते से मुलाकात कर उन्हें गले लगाया। बाद में स्कालोनी ने कहा, मैं यहां केवल लुइस की वजह से आया हूं। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं और उनकी प्रशंसा करता हूं।

विश्व कप फाइनल से पहले आयोजित इस कार्यक्रम में फुटबाल और अन्य खेलों की कई बड़ी हस्तियां एक मंच पर नजर आईं। वहीं, अर्जेंटीना की टीम लगातार दूसरी बार विश्व कप जीतने के लक्ष्य के साथ फाइनल में उतरेगी।

संगकारा और जयवर्धने के बीच हुई थी टेस्ट क्रिकेट की सबसे बड़ी साझेदारी

मुम्बई। आजकल सीमित ओवरों के क्रिकेट के प्रति लोग आकर्षित हो रहे हैं। पर इसके बाद भी टेस्ट क्रिकेट का रोमांच भूला नहीं जा सकता है। इसका कारण है कि लंबे प्रारुप में ही किसी खिलाड़ी की असली परीक्षा होती है। टेस्ट क्रिकेट में कई क्रिकेटरों ने एक से बढ़कर एक पारियां खेली है। इस दौरान बल्लेबाजों के बीच कई ऐतिहासिक साझेदारियां भी हुई हैं। ये साझेदारियां ऐसी रही जो रनों के साथ ही क्रीज पर खेल रहे दो बल्लेबाजों के धैर्य, दृढ़ संकल्प और आपसी तालमेल को बयां करती हैं। टेस्ट क्रिकेट में ऐसी ही कुछ ऐतिहासिक साझेदारियां हुई हैं। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारी का विश्व कीर्तिमान श्रीलंका के कुमार संगकारा और माहेला जयवर्धने के नाम दर्ज है और आज तक इसे कोई जोड़ी नहीं तोड़ पायी है। जुलाई 2006 में कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उतरे इन दोनों दिग्गजों ने तीसरे विकेट के लिए रिकार्ड तोड़ 624 रन बना दिये। तब संगकारा ने 287 और कप्तान जयवर्धने ने 374 रनों की अविस्मरणीय पारी खेली, इससे डेल स्टेन और मखाया एनटिनी जैसे दिग्गज तेज गेंदबाजों भी बेबस नजर आये थे। यह साझेदारी आज भी अटूट है और श्रीलंका की ऐतिहासिक जीत की नींव बनी।

ट्रंप ने की मेसी, रोनाल्डो व केन की तारीफ, बोले महान खिलाड़ी कुछ अलग लेकर पैदा होते हैं

न्यूयार्क

फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अर्जेंटीना के स्टार फुटबालर लियोनेल मेसी, पुर्तगाल के दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो और इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि महान खिलाड़ी कुछ ऐसी विशेष प्रतिभा के साथ पैदा होते हैं, जो उन्हें दूसरों से अलग बनाती है।

स्पेन और अर्जेंटीना के बीच होने वाले विश्व कप फाइनल से पहले न्यूयार्क में शुक्रवार को आयोजित एक कार्यक्रम में ट्रंप ने कहा, हम सभी न्यूयार्क में इकट्ठा हुए हैं, क्योंकि रविवार को स्पेन और अर्जेंटीना जैसी दो शानदार टीमों के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। मैंने सेमीफाइनल में मेसी का वह पास देखा। उन पर एक बेहतरीन खिलाड़ी की कड़ी निगरानी थी, फिर भी वह दाईं ओर बढ़े और उन्होंने जो पास दिया, वह लगभग पूरी तरह सटीक था। मैं कहूंगा कि वह केवल एक चौथाई इंच के अंतर से पूर्णता से चूका होगा। उसी ने मैच का रुख बदल दिया। वह वास्तव में शानदार था।

उन्होंने आगे कहा, महान खिलाड़ी बार-बार ऐसे ही कमाल करते हैं। वे कुछ अतिरिक्त प्रतिभा लेकर पैदा होते हैं। रोनाल्डो भी उन्हीं में से एक हैं। मैं वर्षों से उन्हें जानता हूं और वह बेहतरीन इंसान हैं। ट्रंप ने इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन की भी तारीफ करते हुए कहा, इंग्लैंड के पास हैरी केन जैसा शानदार खिलाड़ी है। मैंने उनके साथ गोल्फ भी खेला है। वह शानदार खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि इंग्लैंड ने उन्हें रक्षात्मक भूमिका देकर गलती की। टीम बढ़त में थी, लेकिन उसने अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को आगे की बजाय रक्षा में लगा दिया।

वेस्टइंडीज के मौजूदा कप्तानों ने सोबर्स को दी श्रद्धांजलि, कहा-उनकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी

नई दिल्ली

वेस्टइंडीज क्रिकेट के मौजूदा कप्तानों रोस्टन चेज (टेस्ट), शाई होप (टी20 और वनडे) और हेले मैथ्यूज (महिला टीम) ने महान क्रिकेटर सर गारफील्ड (सर गैरी) सोबर्स के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी प्रतिभा, विनम्रता और खेल के प्रति समर्पण ने ऐसा मानदंड स्थापित किया है, जो आने वाली पीढ़ियों के खिलाड़ियों को हमेशा प्रेरित करता रहेगा।

क्रिकेट वेस्टइंडीज द्वारा इंस्टाग्राम पर साझा किए गए संयुक्त बयान में कप्तानों ने कहा, वेस्टइंडीज क्रिकेट की कप्तानी करते हुए हम उस जिम्मेदारी को समझते हैं, जो उन महान खिलाड़ियों की विरासत को आगे बढ़ाने के साथ आती है जिन्होंने इस गौरवशाली इतिहास की नींव रखी। सर गैरी की प्रतिभा, उनकी विनम्रता और खेल के प्रति समर्पण ने ऐसा मानक स्थापित किया है, जो हर नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करता रहेगा।

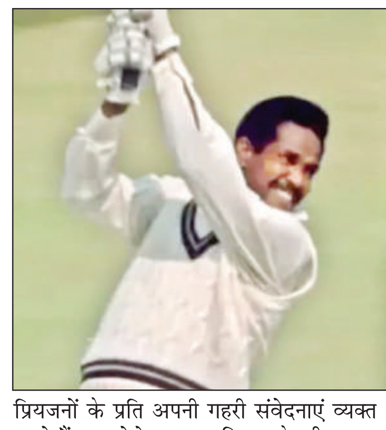

उन्होंने आगे कहा, हम उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। हम ऐसे महान व्यक्तित्व के जीवन का सम्मान करते हैं, जिन्होंने सीमाओं से परे जाकर अपनी पहचान बनाई। उनकी विरासत क्रिकेट के इतिहास, कैरेबियाई भावना और इस खेल से प्रेम करने वाले हर व्यक्ति के दिलों में हमेशा जीवित रहेगी।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने वीडियो से दी श्रद्धांजलि – क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक अन्य इंस्टाग्राम पोस्ट में सर गारफील्ड सोबर्स को श्रद्धांजलि देते हुए एक भावुक वीडियो साझा किया। पोस्ट के साथ लिखा गया, उस महान खिलाड़ी को श्रद्धांजलि, जिसने हम सभी को प्रेरित किया। शांति से विश्राम करें, सर गैरी।

89 वर्ष की आयु में हुआ निधन – वेस्टइंडीज के महानतम खिलाड़ियों में शुमार सर गारफील्ड सोबर्स का 17 जुलाई 2026 को 89 वर्ष की आयु में बारबाडोस के सेंट माइकल स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। उनके बेटे डैनियल सोबर्स के अनुसार, उन्होंने शांतिपूर्वक अंतिम सांस ली। वह पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे और सांस लेने में तकलीफ बढ़ने के कारण उन्हें आक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया था।

क्रिकेट इतिहास के महानतम आलराउंडरों में शामिल – सर गारफील्ड सोबर्स ने 1954 से 1974 के बीच वेस्टइंडीज के लिए 93 टेस्ट मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 57.78 की औसत से 8,032 रन बनाए, जिसमें 26 शतक शामिल हैं। गेंदबाजी में उन्होंने 235 विकेट भी हासिल किए। 1958 में पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई उनकी नाबाद 365 रन की पारी उस समय टेस्ट क्रिकेट का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर थी, जो 36 वर्षों तक विश्व रिकार्ड रहा। वर्ष 1968 में उन्होंने नाटिंघमशायर की ओर से खेलते हुए ग्लैमार्गन के मैल्कम नैश के एक ओवर में लगातार छह छक्के लगाकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले बल्लेबाज बनने का गौरव भी प्राप्त किया। क्रिकेट में उनके अतुलनीय योगदान के लिए वर्ष 1975 में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने उन्हें नाइटहुड से सम्मानित किया। वर्ष 2000 में उन्हें विजडन ने 20वीं सदी के पांच महानतम क्रिकेटरों में शामिल किया। वहीं, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर को दिया जाने वाला प्रतिष्ठित सर गारफील्ड सोबर्स ट्राफी पुरस्कार भी उनकी महान विरासत का प्रतीक है। सर गारफील्ड सोबर्स के निधन के बाद दुनिया भर के क्रिकेटरों और खेल जगत की हस्तियां उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रही हैं।

लाल सागर पर ईरान का कथित खतरा, भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर गहराएगा दबाव

सऊदी तेल आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका, भारत को आपूर्ति स्रोतों में और विविधता लानी होगी

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच, ईरान की कथित धमकी ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला पर गंभीर दबाव की आशंका बढ़ा दी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने यमन के हूती आंदोलन से लाल सागर में महत्वपूर्ण बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट को अवरुद्ध करने की तैयारी करने को कहा है, यदि अमेरिका उसके बिजली ढांचे पर हमला करता है। यह कदम भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा है, खासकर सऊदी अरब से कच्चे तेल की आपूर्ति के मद्देनजर, जो देश के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के बाद सऊदी अरब अपनी ईस्ट-वेस्ट क्रूड आयल पाइपलाइन के जरिए लाल सागर बंदरगाहों तक कच्चा तेल पहुंचा रहा है। जून में सऊदी अरब भारत का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल स्रोत था, जिसने उस महीने भारत के कुल आयात का 7 प्रतिशत से अधिक हिस्सा दिया। एक ऊर्जा विश्लेषक ने इस स्थिति को चिंताजनक बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि सऊदी अरब अपनी क्षमता का 55-60 प्रतिशत लाल सागर के जरिये निर्यात करता है, और इस मार्ग के अवरुद्ध होने से देशों को अपने भंडार का उपयोग करना पड़ेगा। भारत के पास पर्याप्त भंडारण नहीं है; भारतीय रिफाइनरों के पास केवल लगभग 20 दिनों का वाणिज्यिक भंडारण है, जिससे मांग में कटौती करनी पड़ सकती है। बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट में नौवहन बाधित होने पर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर जोखिम बढ़ सकता है और तरल पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की आपूर्ति पर भी अधिक खतरा होगा। इस संभावित संकट से निपटने के लिए भारत पहले से ही अपने कच्चे तेल स्रोतों को विविध बना रहा है। पश्चिम एशिया संकट के कारण पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं से आपूर्ति बाधित होने के बाद, भारतीय रिफाइनरियों ने रूस, ब्राजील, वेनेजुएला, अंगोला और अमेरिका से आयात बढ़ाया है। जून में रूस से भारत का कच्चे तेल का आयात रिकार्ड 25.8 लाख बैरल प्रति दिन तक पहुंच गया, जो उस महीने देश के कुल आयात का आधे से अधिक था। फिलिपकैपिटल के वाइस प्रेसिडेंट नितिन तिवारी के मुताबिक लाल सागर का बंद होना असर डालेगा, लेकिन भारत स्थिति को और विविधता लाकर संभाल सकता है। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात से भी आपूर्ति बढ़ने की संभावना व्यक्त की। भारतीय रिफाइनरियों ने अपनी रणनीति बदलकर गैर-पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं से खरीद बढ़ाकर व्यवधान की भरपाई की है।

न्यूज ब्रीफ

रिजर्व बैंक ने नियमों का पालन न करने पर मुथूट फाइनेंस सहित छह कंपनियों पर जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआई) ने नियमों का पालन न करने के लिए छह कंपनियों पर जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने इन कंपनियों पर विभिन्न नियामकीय कमियों और उल्लंघनों की वजह से 2.70 लाख से लेकर 6.20 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया है। इनमें गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी मुथूट फाइनेंस भी शामिल है। आरबीआई की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार सेंट्रल बैंक ने मुथूट फाइनेंस पर 5.80 लाख रुपये, सत्या माइक्रोकैपिटल लिमिटेड और पैन एमामी कास्मेड पर 3.10-3.10 लाख रुपये, धनी लोन्स एंड सर्विसेज और मुथूट व्हीकल एंड एसेट फाइनेंस पर 2.70-2.70 लाख रुपये और अवेल फाइनेंशियल सर्विसेज पर 6.20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने बताया कि मुथूट फाइनेंस पर जुर्माना इसलिए लगाया है, क्योंकि वह खातों के जोखिम वर्गीकरण की समय-समय पर समीक्षा करने की व्यवस्था को लागू करने में विफल रही है। इसके अलावा संदिग्ध लेनदेन की प्रभावी पहचान तथा सूचना के लिए मजबूत साफ्टवेयर का इस्तेमाल नहीं किया। इसी प्रकार अलग अलग कारणों से अवेल फाइनेंशियल सर्विसेज, पैन एमामी कास्मेड और सत्य माइक्रोकैपिटल तथा अन्य पर भी जुर्माना लगाया गया है।

विदेशी मुद्रा भंडार लगातार दूसरे सप्ताह बढ़कर 675.15 अरब डालर पहुंचा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने के मुताबिक 10 जुलाई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 96.4 करोड़ डालर बढ़कर 675.15 अरब डालर पर पहुंच गया है। यह लगातार दूसरा सप्ताह है जब भारत के भंडार में वृद्धि दर्ज की गई है, जो मौजूदा आर्थिक परिदृश्य के लिए एक सकारात्मक संकेत है। इससे पिछले सप्ताह में भी विदेशी मुद्रा भंडार में 7.26 अरब डालर की उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। उल्लेखनीय है कि 27 फरवरी को पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने से पहले यह रिकार्ड 728.49 अरब डालर पर था। हालांकि, संघर्ष के कारण रुपये पर दबाव बढ़ने और आरबीआई के डालर बेचकर बाजार में हस्तक्षेप करने से भंडार में कई सप्ताह तक गिरावट आई थी। अब लगातार दूसरे सप्ताह की वृद्धि मौजूदा दबावों से कुछ राहत का संकेत दे रही है। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 93 करोड़ डालर बढ़कर 546.51 अरब डालर हो गईं। इसी अवधि में देश के स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.4 करोड़ डालर बढ़कर 105.22 अरब डालर पर पहुंच गया। विशेष आहरण अधिकार 30 लाख डालर बढ़कर 18.63 अरब डालर तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास भारत का आरक्षित कोष भी 70 लाख डालर बढ़कर 4.79 अरब डालर दर्ज किया गया है।

डीमैट म्यूचुअल फंड यूनिट्स पर भी एसडब्ल्यू और एसटीपी संभव, सेबी ने दी मंजूरी

मुंबई। बाजार नियामक सेबी ने म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। अब डीमैट खातों में रखी म्युचुअल फंड यूनिट्स पर भी सिस्टमैटिक विड्राल प्लान (एसडब्ल्यूपी) और सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह कदम उन लाखों निवेशकों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है, जो अपनी म्युचुअल फंड होल्डिंग को डीमैट फार्म में रखते हैं और अब तक इन स्वचालित विकल्पों का लाभ नहीं उठा पा रहे थे। सेबी ने बताया कि यह नई सुविधा दो चरणों में लागू की जाएगी। पहले चरण में, 31 जनवरी, 2027 तक यूनिट-आधारित एसडब्ल्यूपी और एसटीपी के लिए पंजीकरण की अनुमति दी जाएगी, जहाँ निवेशक निश्चित संख्या में यूनिटों को रिडीम या ट्रांसफर कर सकेंगे। दूसरा चरण 30 अप्रैल, 2027 तक लागू होगा, जिसमें यह सुविधा रकम-आधारित एसडब्ल्यूपी और एसटीपी तक बढ़ाई जाएगी, जिससे निवेशक नियमित अंतराल पर तय राशि निकाल या ट्रांसफर कर पाएंगे। नियामक ने डिपाजिटरीज को 31 अक्टूबर तक आवश्यक परिचालन व्यवस्था स्थापित करने और सिस्टम में बदलाव करने का निर्देश दिया है। यह बदलाव ऐसे समय में आया है जब आनलाइन म्युचुअल फंड वितरक, जैसे ग्रो, निवेशकों को स्टेटमेंट आफ अकाउंट से डीमैट होल्डिंग की ओर तेजी से प्रेरित कर रहे हैं। एसडब्ल्यूपी निवेशकों को नियमित आय प्राप्त करने में मदद करता है, जबकि एसटीपी एक स्कीम से दूसरी में व्यवस्थित निवेश ट्रांसफर करने की सुविधा देता है।

भू-राजनीतिक तनाव से बेअसर रहा भारतीय शेयर बाजार हफ्ते की शुरुआत कमजोर, पर अंत में जोरदार उछाल

मुंबई

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने वैश्विक चुनौतियों के बावजूद उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण सप्ताह की शुरुआत भले ही कमजोर रही हो, लेकिन निवेशकों के दृढ़ विश्वास और कुछ सकारात्मक घरेलू संकेतों ने बाजार को अंततः नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित शक्ति को दर्शाता है। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को निराशाजनक रही, जब पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के कारण सेंसेक्स 650 से अधिक अंक लुढ़का और निफ्टी 24,000 के महत्वपूर्ण स्तर का परीक्षण करता दिखा। हालांकि, आईटी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के शेयरों में मजबूती से बाजार ने दिन के अंत तक लगभग सपाट स्तर पर वापसी कर ली।

मंगलवार को फिर से भू-राजनीतिक चिंताओं, विदेशी कोषों की निकासी और वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख ने सेंसेक्स और निफ्टी दोनों को लाल निशान पर बंद होने को मजबूर किया। बुधवार को अमेरिकी खुदरा मुद्रास्फीति की धीमी रफ्तार के अनुमान ने एशियाई बाजारों में खरीदारी का माहौल बनाया, जिससे भारतीय बाजार भी हरे निशान पर खुले और मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। गुरुवार को पश्चिम एशिया में गहराते संघर्ष के बावजूद भारतीय बाजार ने कमजोर वैश्विक संकेतों को दरकिनार करते हुए मजबूती दिखाई। हालांकि, एक्सपायरी के दिन और ईरान-अमेरिका युद्ध की अनिश्चितताओं के कारण बाजार सपाट बंद हुए, लेकिन यह भारतीय बाजार की अंतर्निहित स्थिरता का प्रमाण था।

सप्ताह का अंत धमाकेदार रहा। शुक्रवार को आईटी कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त खरीदारी और टेक महिंद्रा के मजबूत तिमाही नतीजों ने बाजार को नई ऊर्जा दी। जब अमेरिका, जापान और यूरोप जैसे वैश्विक बाजार भारी गिरावट का सामना कर रहे थे, तब भारतीय निवेशकों ने घरेलू बाजार में चौतरफा खरीदारी की। इसके परिणामस्वरूप, सेंसेक्स 964.58 अंक की जोरदार तेजी के साथ 78,151.45 पर और निफ्टी 272.75 अंक चढ़कर 24,345.50 के रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ।

रिलायंस के ओ2सी का बंपर मुनाफा, राजस्व 30 फीसदी बढ़ा, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और बेहतर मार्जिन रहे प्रमुख कारण

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के आयल-टु-केमिकल्स (ओ2सी) कारोबार ने जून 2026 तिमाही में जोरदार प्रदर्शन किया है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और मजबूत मार्जिन के दम पर कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 30 फीसदी बढ़कर 2,01,803 करोड़ रुपये और एबिटा 17 फीसदी बढ़कर 17,010 करोड़ रुपये हो गया। कच्चे तेल की कीमतें, जो होरमुज स्ट्रेट बंद होने से बढ़कर 104.5 डालर प्रति बैरल हो गईं, इस राजस्व वृद्धि का मुख्य कारण रहीं। बेहतर ट्रांसपोर्टेशन फ्यूल क्रैक और डाउनस्ट्रीम मार्जिन ने एबिटा में बढ़ोतरी में योगदान दिया। चेयरमैन मुकेश अंबानी ने वैश्विक बाधाओं और आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटों के बावजूद इसे शानदार प्रदर्शन बताया। हालांकि, महंगे फीडस्टाक की खरीद, निर्धारित रखरखाव और बढ़ती माल ढुलाई व बीमा लागत ने मार्जिन पर दबाव डाला। घरेलू बाजार में, आरआईएल ने ईंधन कीमतें स्थिर रखीं और एलपीजी उत्पादन बढ़ाया, जिससे बिक्री में नुकसान हुआ। डीजल, मोटर स्पिरिट (एमएस) और एटीएफ पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क की पुनः बहाली ने भी मार्जिन को प्रभावित किया। पश्चिम एशिया संकट और ऊंची कीमतों के कारण जून 2026 तिमाही में घरेलू पालीमर की मांग में 21.7 फीसदी की गिरावट देखी गई, जिसमें पालीएथिलीन 30 फीसदी, पालीप्रोपालीन 20 फीसदी और पालीविनाइल क्लोराइड 8 फीसदी नीचे रहे।

इलेक्ट्रिक स्कूटर विडा वीएक्स2 प्लस का नया संस्करण पेश

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में हीरो विडा ने अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर विडा वीएक्स2 प्लस का एक नया संस्करण पेश किया है। इलेक्ट्रिक स्कूटर का यह नया माडल, पहले से उपलब्ध 3.4 किलोवाट-घंटा संस्करण की तुलना में काफी अधिक ड्राइविंग रेंज प्रदान करता है।

नए विडा वीएक्स2 प्लस की एक्स-शोरूम कीमत नई दिल्ली में 1.44 लाख रुपये निर्धारित की गई है, जो इसे लंबी दूरी तय करने वाले ग्राहकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती है। इस नए संस्करण में दो हटाई जा सकने वाली 2.2 किलोवाट-घंटा बैटरियां दी गई हैं, जिनकी कुल क्षमता 4.4 किलोवाट-घंटा है।

कंपनी का दावा है कि यह ईवी स्कूटर एक बार पूर्ण चार्ज होने पर 187 किलोमीटर की आईडीसी प्रमाणित रेंज प्रदान कर सकता है, जो इसके मौजूदा छोटे बैटरी पैक वाले माडल की 146 किलोमीटर की रेंज से काफी बेहतर है।

चार्जिंग के लिए, इसके साथ 1 किलोवाट क्षमता वाला पोर्टेबल चार्जर मिलता है, जिससे बैटरी को शून्य से 80 प्रतिशत तक चार्ज होने में लगभग 3 घंटे 17 मिनट और पूर्ण चार्ज होने में करीब 5 घंटे 8 मिनट का समय लगता है। डीसी फास्ट चार्जिंग की सुविधा का उपयोग करने पर, बैटरी केवल 65 मिनट में 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है, और हीरो के 6,000 से अधिक फास्ट चार्जिंग स्टेशन देशभर में उपलब्ध हैं।

वीएक्स2 प्लस में पहले की तरह 6 किलोवाट की मोटर दी गई है, जो 26 न्यूटन मीटर का टार्क उत्पन्न करती है और इसकी अधिकतम गति 90 किलोमीटर प्रति घंटा है। इसमें ईको, राइड और स्पोर्ट जैसे तीन राइडिंग मोड के साथ-साथ ओवरटेकिंग के लिए बूस्ट सुविधा भी मिलती है।

स्कूटर में 4.3 इंच की टीएफटी स्क्रीन, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी और मोड़-दर-मोड़ दिशा-निर्देशन जैसी आधुनिक सुविधाएं भी शामिल हैं।

टाटा टेक्नोलाजीज का पहली तिमाही में मुनाफा बढ़कर 180.75 करोड़

नई दिल्ली। वैश्विक इंजीनियरिंग और डिजिटल सेवा कंपनी टाटा टेक्नोलाजीज लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 6.2 प्रतिशत बढ़कर 180.75 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 170.28 करोड़ रुपये से बढ़कर 180.75 करोड़ रुपये हुआ। इसी अवधि में, एकीकृत परिचालन आय 1,244.29 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,664.63 करोड़ रुपये हो गई, जो लगभग 33.8 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाती है। टाटा टेक्नोलाजीज के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा, मांग का माहौल सकारात्मक बना हुआ है। उन्होंने मजबूत रणनीतिक वृद्धि वाले क्षेत्रों में गतिविधियों, बेहतर सौदे क्रियान्वयन और प्रमुख ग्राहक कार्यक्रमों में बढ़ती स्पष्टता को इस प्रदर्शन का श्रेय दिया।

भारत में मोबाइल-चिप क्रांति! सरकार ने खोला 1.9 लाख करोड़ का खजाना

मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग और सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 को मंजूरी, अगले 5 साल में दिखेगा असर

नई दिल्ली

भारत को वैश्विक विनिर्माण और तकनीकी केंद्र बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने मोबाइल फोन विनिर्माण और सेमीकंडक्टर उद्योग को बढ़ावा देने के लिए दो महत्वाकांक्षी योजनाओं को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (एमपीएमएस) के तहत अगले पांच साल में 62,500 करोड़ रुपये के व्यय को हरी झंडी दी है, वहीं इंडियन सेमीकान मिशन 2.0 (आईएसएम2.0) के लिए 1.28 लाख करोड़ रुपये का भारी-भरकम आवंटन किया गया है। इन संयुक्त पहलों का लक्ष्य देश में मोबाइल उत्पादन को बढ़ावा देने, घरेलू पुर्जों के निर्माण को सशक्त करने और अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को विकसित करना है।

मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (एमपीएमएस): असेंबली हब से पूर्ण विनिर्माण केंद्र तक का सफर मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम का मुख्य उद्देश्य भारत को केवल असेंबली हब से आगे बढ़कर पूर्ण विनिर्माण केंद्र बनाना है। इसके तहत मोबाइल उत्पादन बढ़ाने, स्थानीय पुर्जों के निर्माण को बढ़ावा देने, तथा डिजाइन व रिसर्च में भारतीय कंपनियों की क्षमता को मजबूत किया जाएगा। वित्त वर्ष 2027 से 2031 तक लागू रहने वाली इस योजना में पात्र बिक्री पर 2.25 से 5 फीसदी तक का प्रोत्साहन मिलेगा। विशेष रूप से, जो कंपनियां अधिक घरेलू पुर्जों का उपयोग करेंगी, उन्हें 1.5 फीसदी तक अतिरिक्त इन्सेंटिव दिया जाएगा, जबकि डिजाइन और आरएंडडी में निवेश करने वाली कंपनियों को 3 फीसदी तक का अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा। यह कदम घरेलू कंपनियों की कमाई बढ़ाने और भारत की वैश्विक हिस्सेदारी को मजबूत करने पर केंद्रित है।

सेमीकान मिशन 2.0: चिप आत्मनिर्भरता की ओर इंडियन सेमीकान मिशन 2.0 के लिए मंजूर 1.28 लाख करोड़ रुपये देश में चिप डिजाइन, सेमीकंडक्टर फैक्ट्री, पैकेजिंग और टेस्टिंग सुविधाओं के विकास पर केंद्रित होंगे। यह योजना छात्रों और इंजीनियरों को आधुनिक चिप डिजाइन की ट्रेनिंग भी देगी, जिससे भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके।

ब्रोकरेज फर्म रिपोर्ट: एक ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि नई एमपीएमएस योजना से पूरा मोबाइल इलेक्ट्रानिक्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर लाभान्वित होगा। हालांकि रिपोर्ट के अनुसार डिक्सन टेक्नोलाजी अपने मजबूत निर्यात कारोबार और कंपोनेंट सप्लाई नेटवर्क के कारण इस योजना की सबसे बड़ी लाभार्थी कंपनियों में से एक हो सकती है। पीएलआई योजना की सफलता से मिली प्रेरणा यह नई पहल 2020 में शुरू हुई सफल प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव (पीएलआई) योजना की तर्ज पर है, जिसने भारत को दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बनाया। पीएलआई के तहत वित्त वर्ष 2020 के 2.1 लाख करोड़ रुपये से मोबाइल उत्पादन बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 5.5 लाख करोड़ रुपये हो गया, और मोबाइल निर्यात लगभग आठ गुना बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल फ्लेक्सीकैप फंड ने 5 साल में दोगुना किया निवेशकों का पैसा

एकमुश्त निवेश और एसआईपी दोनों में बंपर मुनाफा; जानें क्या है इस स्कीम की खास रणनीति

नई दिल्ली

जो निवेशक बिना अधिक जोखिम उठाए अपने पैसों को तेजी से बढ़ाना चाहते हैं, उनके लिए आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल फ्लेक्सीकैप फंड एक आकर्षक विकल्प बनकर उभरा है। एक विश्लेषण के अनुसार, इस स्कीम ने पिछले 5 साल के दौरान (जुलाई 2021 से जून 2026 तक) 14 फीसदी तक का सालाना चक्रवृद्धि रिटर्न दिया है, जिससे निवेशकों का पैसा लगभग दोगुना हो जाता है। यह फंड लम्पसम और सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) दोनों तरीकों से शानदार रिटर्न देने में सक्षम रहा है। यह स्कीम लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्माल-कैप शेयरों में एकसाथ निवेश करती है, जिससे जोखिम को संतुलित रखते हुए बेहतर रिटर्न हासिल किया जा सके। आंकड़ों के मुताबिक यदि 17 जुलाई, 2021 को इस स्कीम में 10 लाख रुपये का एकमुश्त निवेश किया गया होता, तो 30 जून, 2026 तक उसकी कीमत बढ़कर करीब 19.61 लाख रुपये हो जाती, जो 14.55 फीसदी का चक्रवृद्धि रिटर्न दर्शाता है। यह स्कीम के बेंचमार्क के 11.88 फीसदी रिटर्न से कहीं बेहतर है। एसआईपी निवेशकों के लिए भी यह फंड काफी फायदेमंद साबित हुआ है। स्कीम शुरू होने के बाद से यदि हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी 30 जून, 2026 तक की गई होती, तो कुल 6 लाख रुपये के निवेश पर 8.47 लाख रुपये मिलते। यह 13.83 फीसदी के मजबूत सीएजीआर को दर्शाता है, जबकि इसके बेंचमार्क ने 10.43 फीसदी का रिटर्न दिया। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी के एक अधिकारी के अनुसार, स्कीम का उद्देश्य ऐसे पोर्टफोलियो बनाना है जो बाजार में गिरावट के दौरान भी तेजी से रिकवर कर सकें। यह ग्रोथ से वैल्यू बनती है के सिद्धांत पर काम करती है, जिसका फोकस लंबी अवधि की वृद्धि क्षमता वाले व्यवसायों में निवेश पर रहता है। पोर्टफोलियो का 60-65 फीसदी हिस्सा ग्रोथ-ओरिएंटेड और 30-35 फीसदी कान्ट्रा/साइक्लिकल शेयरों में लगा होता है।

ICICI PRUDENTIAL MUTUAL FUND

रेनो की चुनिंदा कारों पर मिल रही बंपर छूट

नई दिल्ली। रेनो भारतीय ग्राहकों के लिए चालू महीने में अपनी चुनिंदा कारों पर बंपर छूट की पेशकश कर रही है। जुलाई महीने में काइगर, ट्राइबर और क्विड माडलों पर नकद छूट, एक्सचेंज बोनस, वाहन स्क्रैपिंग लाभ और निष्ठा लाभ जैसे कई फायदे दिए जा रहे हैं। ये सभी आफर 31 जुलाई 2026 तक मान्य हैं और इनकी उपलब्धता तथा लाभ की राशि शहर, डीलरशिप और स्टाक पर निर्भर करती है। इस महीने रेनो काइगर पर सबसे अधिक लाभ मिल रहा है, जो केरल के ग्राहकों के लिए कुल 1.25 लाख रुपये तक हो सकता है। इसमें रुपए 50,000 तक की नकद छूट और रुपए 50,000 तक का एक्सचेंज बोनस शामिल है, साथ ही स्क्रैपिंग और निष्ठा लाभ भी उपलब्ध हैं। अन्य राज्यों में काइगर पर रुपए 20,000 से रुपए 30,000 तक की नकद छूट और रुपए 25,000 से रुपए 40,000 तक का एक्सचेंज बोनस दिया जा रहा है। भारतीय बाजार में काइगर की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत रुपए 5.81 लाख है। रेनो ट्राइबर के चुनिंदा वेरिएंट पर भी केरल में रुपए 60,000 तक का लाभ मिल रहा है, जिसमें रुपए 30,000 नकद छूट और रुपए 30,000 एक्सचेंज बोनस शामिल है। गुजरात में यह लाभ रुपए 45,000 तक है, जबकि अन्य राज्यों के ग्राहकों को रुपए 30,000 तक का कुल फायदा मिल सकता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

मोबाइल फोन की लत बच्चों की रचनात्मकता और सोचने की क्षमता को प्रभावित करती है : पू. बागेश्वर सरकार

डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल में आध्यात्मिक कार्यक्रम, विद्यार्थियों को मोबाइल से दूरी और नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश

हैदराबाद, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बागेश्वर धाम बालाजी मंदिर के मुख्य पुजारी एवं आध्यात्मिक गुरु पूजनीय श्री बागेश्वर सरकार ने कहा कि मोबाइल फोन की बढ़ती लत बच्चों के मानसिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक मोबाइल उपयोग से विद्यार्थियों की रचनात्मकता , एकाग्रता और स्वतंत्र रूप से सोचने की क्षमता प्रभावित होती है। इसलिए छात्रों को डिजिटल माध्यमों का संतुलित उपयोग करते हुए अध्ययन, आध्यात्मिकता और नैतिक मूल्यों पर अधिक ध्यान देना चाहिए। शनिवार को गुंडला पोचमपल्ली स्थित डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल परिसर में विद्यार्थियों के लिए आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने यह विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डीआरएसआईएस के डायरेक्टर गर्व अग्रवाल ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक तनाव को कम करना तथा उनमें सकारात्मक सोच का विकास करना है। उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा के साथ आध्यात्मिक मूल्यों का समन्वय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और मानसिक संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूजनीय श्री बागेश्वर सरकार ने विद्यालय परिसर में स्मृति पट्टिका का अनावरण भी किया।

अपने संबोधन में पूजनीय श्री बागेश्वर सरकार ने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को मोबाइल फोन, इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के अत्यधिक उपयोग से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि नियमित प्रार्थना और ध्यान से मानसिक तनाव कम होता है तथा पढ़ाई और परीक्षाओं से जुड़ा भय दूर करने में सहायता मिलती है।

उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों के मोबाइल उपयोग को प्रतिदिन एक से दो घंटे तक सीमित रखें तथा उन्हें पार्क में समय बिताने और पुस्तकों के अध्ययन के लिए प्रेरित करें।पूजनीय श्री बागेश्वर सरकार ने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों को रामायण, महाभारत तथा स्वामी विवेकानंद जैसी महान विभूतियों के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंग और नैतिक शिक्षाएँ सुनाएँ। उन्होंने विद्यार्थियों को माता-पिता एवं बड़ों का सम्मान करने, सहपाठियों की सहायता करने और प्रकृति के प्रति प्रेम एवं संवेदनशीलता विकसित करने का संदेश दिया।उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है। आध्यात्मिक मूल्यों से युक्त शिक्षा विद्यार्थियों को भविष्य का सक्षम नेतृत्वकर्ता, जिम्मेदार नागरिक और संवेदनशील इंसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अवसर पर डीआरएसआईएस के चेयरमैन दयानंद अग्रवाल, डायरेक्टर संजय कुमार अग्रवाल एवं अंजनी कुमार अग्रवाल, प्रिंसिपल आई. वेणु गोपाल सहित विद्यालय के शिक्षकगण और सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्रम एवं खान मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने नारायण रावपेट मंडल के जक्कापुर जेडपी हाई स्कूल में नवनिर्मित भोजन कक्ष का उद्घाटन किया। यह कक्ष डोंथुला सुशीलाम्मा नारायण राव मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा बनवाया गया है।
मंत्री ने कहा कि बेहतर बुनियादी ढांचे से छात्रों के स्वास्थ्य व शिक्षा में सुधार होगा।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के 'शपथ' अभियान के तहत नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से कराया अवगत, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का दिया संदेश

निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान, तेलंगाना ईगल फोर्स के पुलिस निरीक्षक ने किया प्रेरित

हैदराबाद, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की सामाजिक पहल शपथ 0 हमारा मिशन, हमारी जिम्मेदारी: नशामुक्त युवा भारत के अंतर्गत बेगम बाजार स्थित सेंट पॉल्स हाई-टेक हाई स्कूल में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए उन्हें स्वस्थ, सकारात्मक और जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित तेलंगाना ईगल फोर्स के पुलिस निरीक्षक श्री श्रीनिवास राव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नशे के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने, अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहने तथा स्वस्थ जीवन मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

विद्यालय के निदेशक सुनकरी प्रेमकिशोर, प्रधानाचार्य विकास एवं कंप्यूटर फैकल्टी अंजलि सिंह के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में टीम 'शपथ' के चेयरमैन श्री रामनिवास बंसल, आयुष अग्रवाल, कन्हैया गड़िया, अनिल सिंह एवं अंजलि सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजकों ने कहा कि युवाओं को नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए जागरूक करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसी उद्देश्य से 'शपथ' अभियान के माध्यम से विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

अग्रवाल समाज ने भगवान जगन्नाथ रथयात्रा में निभाई सेवा

श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत, प्रसाद वितरण और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भक्तिमय बना वातावरण

हैदराबाद, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना ने भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए सेवा, भक्ति और सामाजिक समर्पण का अनुकरणीय परिचय दिया।

एनटीआर स्टेडियम से प्रारंभ हुई यह विशाल रथयात्रा आबिड्स चारमास पहुँची, जहाँ अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ जी का भव्य स्वागत किया गया।

प्रसाद वितरण और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा श्रद्धालुओं का मन

इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें समाज के सदस्यों ने पूरे समर्पण और उत्साह के साथ सेवा दी। अग्रवाल समाज तेलंगाना की महिला समिति ने रंगारंग सांस्कृतिक एवं भक्तिमय प्रस्तुतियाँ देकर पूरे वातावरण को श्रद्धा और उल्लास से सराबोर कर दिया। रथयात्रा का समापन नांपल्ली एग्जीबिशन ग्राउंड में महाआरती के साथ हुआ। इस भव्य आयोजन में लगभग दो लाख श्रद्धालुओं ने भगवान श्री जगन्नाथ जी के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

रथयात्रा के दौरान अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा किए गए उल्लेखनीय सहयोग, सेवा कार्यों एवं व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए इस्कॉन ने मंच पर समाज के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता एवं कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल का सम्मान किया। साथ ही अग्रवाल समाज तेलंगाना के समस्त पदाधिकारियों, महिला समिति, स्वयंसेवकों एवं सदस्यों के प्रति विशेष आभार भी व्यक्त किया गया।

सामूहिक प्रयासों से बना आयोजन ऐतिहासिक

इस आयोजन को सफल बनाने में अग्रवाल समाज तेलंगाना की सचिव डॉ. सीमा जैन, संयुक्त सचिव प्रतीक नसरिया, कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल अग्रवाल, इवेंट कन्वीनर सुमन गुप्ता, मोनिका अग्रवाल, सीमा अग्रवाल एवं रानी मित्तल का विशेष योगदान रहा।

इसके अतिरिक्त रिंकू गर्ग, सुमन अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, आशा जी सहित एर्रागड्डा शाखा, मलकपेट शाखा, डोमलगुड़ा शाखा, रानी सती दादी सखी महिला शाखा, गोशामहल शाखा, गीता जी गाचीबौली शाखा, अगरकुल महिला शाखा तथा अग्रवाल समाज तेलंगाना के सभी पदाधिकारियों, महिला समिति एवं स्वयंसेवकों ने आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सभी के सामूहिक प्रयास, उत्कृष्ट समन्वय एवं निस्वार्थ सेवा भावना के कारण भगवान श्री जगन्नाथ जी की यह भव्य रथयात्रा श्रद्धा, संगठन और सामाजिक सहभागिता का एक ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय उदाहरण बन गई।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सेवा भावना समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों को साथ लेकर निरंतर समाजोपयोगी कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा, समर्पण और मानवता का यह अभियान समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना को मजबूत कर रहा है। जरूरतमंदों की निस्वार्थ सेवा ही सच्ची मानवता है और प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को ऐसे सेवा कार्यों से जुड़कर समाज के प्रति अपना दायित्व निभाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य केवल अन्नदान करना ही नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना और समाज में सेवा के संस्कारों को आगे बढ़ाना भी है। ग्रुप का प्रत्येक सदस्य पूरी निष्ठा, समर्पण और सेवा भाव के साथ प्रतिदिन इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दे रहा है। ऐसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ-साथ लोगों को एक-दूसरे की सहायता के लिए प्रेरित करते हैं।

इस अवसर पर महेश अग्रवाल, अनिल धरसुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, जगन गुप्ता, महेश गोयल, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल एवं रेनू शर्मा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने नियमित अन्नदान सेवा में सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का समापन जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित कर मानव सेवा के संकल्प के साथ किया गया।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में

जयघोष और भक्ति के बीच निकली भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा

हैदराबाद, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान श्री जगन्नाथ जी, श्री बलभद्र जी एवं माता सुभद्रा जी की भव्य रथयात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ आयोजित की गई। गुरुवार, 16 जुलाई 2026 को सायं 3:31 बजे श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा से आरती के उपरांत भगवान की पालकी एवं रथयात्रा का शुभारंभ हुआ। रथयात्रा में आकर्षक धार्मिक झांकियां, ढोल-नगाड़े एवं बाजे-गाजे के साथ श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा बर्तन बाजार, स्वास्तिक मिर्ची, किराणा मार्केट, बेगम बाजार छतरी, वंदे मातरम् स्कूल, श्रृंगी ऋषि मार्ग (दाल मंडी), आर्यन स्पोर्ट्स क्लब एवं फली मार्केट सहित विभिन्न मार्गों से होती हुई रात्रि 7:45 बजे पुनः श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा पहुँची।

मार्ग में विभिन्न स्थानों पर स्वजातीय बंधुओं, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं तथा राजस्थानी समाज के लोगों ने पुष्पवर्षा एवं आरती के साथ शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया। पूरे मार्ग में जय जगन्नाथ और जगन्नाथ राजा की जय के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा पहुँचने पर भगवान श्री जगन्नाथ जी का भव्य एवं अलंकृत श्रृंगार किया गया। इसके पश्चात भगवान को छप्पन भोग एवं छत्तीस प्रकार के व्यंजनों का नैवेद्य अर्पित किया गया। महाआरती के बाद सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी एवं भोजन प्रसाद की व्यवस्था की गई।

मंदिर परिसर स्वजातीय बंधुओं, महिलाओं एवं बच्चों से खचाखच भरा रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर महाप्रसाद ग्रहण किया और आयोजन की भव्यता की सराहना की।

आयोजन समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में तन, मन और धन से सहयोग देने वाले सभी स्वजातीय बंधुओं, समाजजनों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही आगामी श्रावण महोत्सव के अंतर्गत प्रत्येक श्रावण सोमवार को आयोजित होने वाले भगवान श्री विजय शंकर जी महाराज के रुद्राभिषेक एवं भव्य प्रसादी में अधिकाधिक संख्या में सहभागिता का आग्रह किया। आयोजन समिति ने विश्वास व्यक्त किया कि समाज की एकजुटता और धार्मिक आस्था से ऐसे आयोजन भविष्य में भी इसी भव्यता के साथ आयोजित होते रहेंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें। आज का दिन उन्माद में घिर जाने का है; क्योंकि आप अपने जीवनसाथी के साथ प्रेम के चरम का अनुभव करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आपके लिए अपने प्रिय से दूर रहना बहुत मुश्किल होगा। आज आपके बॉस का बढ़िया मिज़ाज पूरे कार्यालय के माहौल को अच्छा बना देगा। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। आपके जीवनसाथी की ओर से मिला कोई ख़ास तोहफ़ा आपके खिन्न मन को ख़ुश करने में काफ़ी मददगार साबित होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। घरेलू कामकाज आपको ज़्यादातर वक़्त व्यस्त रखेंगे। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। अगर हाल में आप व आपका जीवनसाथी बहुत ख़ुश महसूस नहीं कर रहे थे, तो आज हालात बदल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आपकी आकर्षक छवि मनचाहा परिणाम देगी। आज के दिन काम करते वक़्त आपको कोई ख़ास दिक़्क़त नहीं आएगी और आप एक विजेता की तरह उभरेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से कुछ ख़ास देखने को मिल सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

किसी सृजनात्मक काम में ख़ुद को व्यस्त रखना बेहतर रहेगा। साथ ही बीमारी से जूझने के लिए ख़ुद को उत्साहित करते रहें। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। पुराने दोस्त मददगार और सहयोगी साबित होंगे। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। सहकर्मियों और वरिष्ठों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इज़ाफ़ा करेगा। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। समय और धन की कद्र आपको करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक़्त परेशानियों भरा रह सकता है। परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। यह दिन प्रसन्नता और ज़िन्दादिली के साथ किसी ख़ास संदेश को भी देगा। अगर आप सीधा जवाब नहीं देंगे तो आपके सहयोगी आपसे नाराज़ हो सकते हैं। आज आपको अपने कामों को समय पर निपटाने की कोशिश करनी चाहिए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

स्वास्थ्य का ख़याल रखें, नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार–दुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे तनाव से बचें। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपको भी तेज़ी से क़दम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक़्त ही ज़ाया करेंगे और कुछ नहीं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

खेलों और आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी आपकी खोयी ऊर्जा को फिर से इकट्ठा करने में आपकी मदद करेगी। ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। घर के कामों को पूरा करने के बाद ऐसा लगता है कि आपके जीवनसाथी आज आपके ऊपर ख़ास ध्यान देंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ तो हो सकता है लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आपकी वजह से जिसे नुक़सान हुआ हो, उससे माफ़ी मांगने की ज़रूरत है। वक़्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक़्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक़्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सेहत अच्छी रहेगी। जिन व्यापारियों के संबंध विदेशों से हैं उन्हें आज धन हानि होने की संभावना है इसलिए आज के दिन सोच समझकर चलें। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आप महसूस करेंगे कि आपकी रचनात्मकता कहीं खो गयी है और फ़ैसले करने में आपको ख़ासी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। जिन रिश्तों को आप अहमियत देते हैं उन्हें समय देना भी आपको सीखना होगा नहीं तो रिश्ते टूट सकते हैं। आपको महसूस होगा कि आपका वैवाहिक जीवन बहुत ख़ूबसूरत है।

आज का पंचांग

दिनांक : 19 जुलाई 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 03:32 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी सायं 06:12 तक
योग : परिघ रात्रि 07:22 तक
करण : कौलव सायं 03:32 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 05:51,सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : स्कन्द षष्ठी , साईं टेऊंराम जयंती , अमृत सिद्धि योग सायं 06:13 से रात्रि 05:51 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हैदराबाद में सजेगा देश का सबसे बड़ा दंत चिकित्सा महाकुंभ

हैदराबाद डेंटल कन्वेंशन 25 जुलाई से

हैदराबाद, जुलाई 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो)।
इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) आगामी 25 और 26 जुलाई, 2026 को हैदराबाद के प्रसिद्ध हाईटेक्स एग्जीबिशन सेंटर में प्रतिष्ठित हैदराबाद डेंटल कन्वेंशन (एचडीसी) 2026 की मेजबानी करने जा रहा है। दो दिवसीय इस भव्य सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन 25 जुलाई को तेलंगाना सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री माननीय श्री दामोदर राजा नरसिम्हा करेंगे।

इस गरिमामयी अवसर पर आईडीए (आईडीए) हेड ऑफिस के अध्यक्ष डॉ. मनोज श्रीवास्तव, निर्वाचित अध्यक्ष डॉ. नितिन बर्वे और मानद महासचिव डॉ. अशोक धोबले भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। ''कनेक्टिंग माइंड्स, एडवांसिंग डेंटिस्ट्री'' के मुख्य विषय पर आयोजित होने वाला यह सम्मेलन भारत के

सबसे प्रतीक्षित ओरल और डेंटल एजुकेशन फोरम में से एक है। इस महाकुंभ में देश भर से दंत चिकित्सक, शिक्षाविद, शोधकर्ता, छात्र और उद्योग जगत के दिग्गज एक मंच पर जुटेंगे। सम्मेलन में 6000 से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

हैदराबाद डेंटल कन्वेंशन 2026 का एक मुख्य आकर्षण 'स्पोर्ट्स डेंटिस्ट्री' पर इसका विशेष ध्यान केंद्रित करना है, जो वैश्विक स्तर पर एक उभरती हुई विशेषता के रूप में पहचान बना रही है। इसमें विशेषज्ञ खेल के दौरान दांतों के ट्रॉमा की रोकथाम और प्रबंधन, एथलीटों के ओरल हेल्थ असेसमेंट, कस्टम माउथगार्ड, आपातकालीन देखभाल प्रोटोकॉल और स्पोर्ट्स मेडिसिन में ओरल हेल्थकेयर के एकीकरण पर विस्तृत चर्चा करेंगे। इसके अलावा, सम्मेलन में देश–विदेश के जाने–माने विशेषज्ञ डिजिटल डेंटिस्ट्री, इम्प्लांटोलॉजी, एस्थेटिक रिहैबिलिटेशन, एंडोडॉन्टिक्स, ऑर्थोडॉन्टिक्स, प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मिनिमली इनवेसिव ट्रीटमेंट्स जैसे विषयों पर नवीनतम प्रगति प्रस्तुत करेंगे। इसके साथ ही प्रसिद्ध क्लिनिशियनों की देखरेख में गहन हैंड्स–ऑन वर्कशॉप और क्लिनिकल ट्रेनिंग भी आयोजित की जाएगी, जिससे पेशेवरों को आधुनिक डायग्नोस्टिक्स का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा।

इस आयोजन के दौरान भारत की सबसे बड़ी डेंटल ट्रेड प्रदर्शनियों में से एक का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें 250 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शक ओरल हेल्–थकेयर से जुड़े अपने अत्याधुनिक उत्पादों, तकनीकों और नवाचारों का प्रदर्शन करेंगे।

कार्यक्रम के उत्साह को दोगुना करने के लिए एक जीवंत शैक्षणिक और सांस्कृतिक मंच 'उड़ान' का भी आयोजन किया जा रहा है। इसमें साइंटिफिक पेपर प्रेजेंटेशन, पोस्टर कॉम्पिटिशन, क्विज, डिबेट के साथ–साथ संगीत, नृत्य और कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल होंगी, जो दंत चिकित्सा बिरादरी की प्रतिभा और आपसी भाईचारे का जश्न मनाएंगी।

जिला परिषद बॉयज़ स्कूल में अंग्रेजी शिक्षक के रूप में कार्यरत गडी वार नागनाथ को स्कूल शिक्षा निदेशक नवीन निकोलस द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2025–2026 के लिए स्कूल की फेस रिकग्निशन सिस्टम में 90% से अधिक उपस्थिति दर्ज कराने के लिए स्कूल के प्रधानाचार्य राजेंद्र के हाथों प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर शिक्षण टीम ने उन्हें बधाई दी।

डोंगली से लिंबूर जाने वाली सड़क पर जल निकासी बाधित होने और गिरे पेड़ों से गंदा पानी जमा होने की शिकायत पर तहसीलदार ने गांव का निरीक्षण किया। ग्राम पंचायत के प्रस्ताव पर राजस्व निरीक्षक, पंचायत सचिव सवाई सिंह और बुजुर्गों के साथ मिलकर समस्या का समाधान कराया गया, जिस पर ग्रामीणों ने हर्ष जताया।

सिखवाल प्रगति समाज ने भगवान श्री जगन्नाथ जी की शोभायात्रा का किया भव्य स्वागत

हैदराबाद, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा का श्रृंगी ऋषि भवन पर सिखवाल प्रगति समाज की ओर से श्रद्धा एवं उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर भगवान श्री जगन्नाथ जी की विधिवत आरती उतारी गई तथा पूरे वातावरण में भक्ति और श्रद्धा का भाव देखने को मिला।

शोभायात्रा के श्रृंगी ऋषि भवन पहुँचने पर समाज के पदाधिकारियों, पुजारी एवं कार्यकर्ताओं ने भगवान श्री जगन्नाथ जी की आरती कर पुष्प अर्पित किए। श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ भगवान का स्वागत करते हुए धार्मिक आस्था का परिचय दिया।

सिखवाल प्रगति समाज के पदाधिकारियों ने भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा के सफल आयोजन के लिए श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर की आयोजन समिति का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर रामदेव नागला, मोतीलाल तिवारी, गोविंदराम उपाध्याय, सुरेश कुमार व्यास (जानम), अनिल जायलवाल, चन्द्रभान व्यास, सुरेश जोशी, चम्पालाल ओझा, रामेश्वरलाल जोशी (एल.आई.सी.), अमरचंद जायलवाल, राधेश्याम उपाध्याय चुतरावत, हरीकिशन ओझा, मुरलीधर तिवारी, विनोद व्यास निम्बेड़ा, नरेश पाण्डिया, सूरज व्यास, गौतम उपाध्याय, मुकंद ओझा एवं अज्जू वैष्णव सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने भगवान श्री जगन्नाथ जी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और रथयात्रा की भव्यता की सराहना की।

जन सेवा संघ की चेर्लापल्ली क्षेत्रीय बैठक संपन्न

हैदराबाद, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जन सेवा संघ के कोषाध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास्तव द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जन सेवा संघ की चरलापल्ली क्षेत्रीय बैठक अनुशासन समिति के संयोजक श्री पी.पी. पांडेय तथा नॉर्थ जोन के जोनल अध्यक्ष श्री राधेश्याम राय यादव के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक माह अधिक से अधिक नए सदस्यों को जोड़ने, सदस्यता अभियान को गति देने तथा विभिन्न संगठनात्मक एवं महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों ने जन सेवा संघ की गतिविधियों को समाज के

अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

बैठक के दौरान चरलापल्ली क्षेत्रीय समिति का गठन करते हुए विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों की घोषणा की गई।

समिति में श्री राकेश कुमार बर्फा को अध्यक्ष, श्री लक्ष्मण बर्फा एवं श्री ताराचंद बर्फा को उपाध्यक्ष, श्री हिम्मताराम सिरवी को सचिव, श्री रूपाराम राठौर को संयुक्त सचिव तथा श्री सज्जन सिंह राठौर को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

कार्यकारिणी सदस्य के रूप में श्री नरेश सिरवी, श्री मूलाराम सांचा, श्री मोहनलाल चौधरी, श्री नेमाराम चौधरी, श्री दयाराम सोलंकी, श्री नारायणलाल एवं श्री रूपाराम राठौर को मनोनीत किया गया।

बैठक का समापन संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित पदाधिकारियों ने समाज सेवा, संगठन विस्तार और जनहित के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का विश्वास व्यक्त किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

एमओयू गया...

इन हमलों में तेल सुविधा केंद्र पर कई लोग घायल हो गए और डिसैलिनेशन प्लांट में आग लग गई, जिससे बिजली बनाने वाली कई यूनिट्स को बंद करना पड़ा। रेगिस्तान वाले इस छोटे से देश में दो दिनों के भीतर डिसैलिनेशन प्लांट पर यह दूसरा हमला था। यह देश अपने पीने के पानी का 90 प्रतिशत हिस्सा इसी प्रक्रिया से प्राप्त करता है। इसके अलावा, जॉर्डन में मौजूद अमेरिका के दो सैन्य केंद्रों पर भी ईरान ने ताबड़तोड़ हमले किए। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसने लंबी दूरी की मिसाइलों से जॉर्डन के अल–अजराक एयर बेस और वहां मौजूद अमेरिकी कमांड सुविधाओं को निशाना बनाया है, जिससे वहां भयानक आग लग गई।

ईरान के हमले में...

ईरानी न्यूज एजेंसी सेपाह ने बताया कि खठ्रछ की 'सहार्गाह कॉर्प्स एयरोस्पेस फोर्स' ने जॉर्डन के अल–अजराक में स्थित अमेरिकी बेस पर फाइटर जेट शेल्टर और एक बड़े पार्किंग रैंप पर ताबड़तोड़ हमले किए। इस भीषण हमले में कम से कम दो फाइटर जेट और तीन अमेरिकी विमान पूरी तरह से नष्ट हो गए। मिसाइल और ड्रोन के इस संयुक्त एवं एक साथ हुए हमले से कई अन्य सैन्य संपत्तियों को भी भारी नुकसान पहुंचा है।

एक अन्य कड़े बयान में, आईआरजीसी ने दावा किया है कि शुक्रवार रात उसकी नौसेना ने कुवैत के बंदर अल–अहमदी में तैनात अमेरिकी बेड़े के 'फ्यूल सप्लाई डॉक' और बहरीन के शेख ईसा में युद्धक विमानों के जमावड़े वाली रणनीतिक जगह को अपने ड्रोन और मिसाइल हमलों से निशाना बनाया। ईरान का दावा है कि उसने बहरीन में सक्रिय 'बैटेलको' (इरींश्रले) नाम के एक बेहद संवेदनशील इंटेलिजेंस डेटा सेंटर को भी मलबे में तब्दील कर दिया है। इस चौतरफा हमले से खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य तंत्र को गहरा धक्का लगा है।इस भीषण सैन्य टकराव के बीच, ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने ईरान–अमेरिका के बीच हुए समझौते (एमओयू) पर एक बड़ा और बेहद सख्त बयान जारी किया है। उन्होंने आज साफ शब्दों में कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की अब कोई विश्वसनीयता नहीं बची है। एक के बाद एक किए गए सिलसिलेवार ट्वीट्स में मोजतबा खामेनेई ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अब अमेरिका और ईरान के बीच किसी भी प्रकार के नए समझौते की गुंजाइश नहीं देखते हैं।

अंतरिक्ष...

यह प्रक्षेपण भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक नए युग की शुरुआत है, क्योंकि यह देश का पहला निजी तौर पर विकसित कक्षीय–श्रेणी का यान बन गया है। इससे भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में निजी क्षेत्र की भागीदारी के द्वार खुल गए हैं। इसरो ने कहा कि मिशन आगमन केवल एक प्रक्षेपण नहीं है, बल्कि यह भारत के निजी अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक नए अध्याय की शुरुआत है।विक्रम–1 अपने साथ अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू तकनीकी प्रदर्शक पेलोड ले गया है। इनमें 18 कैरेट सोने का एक सूक्ष्म यान शामिल है जिसके भीतर नोबेल पुरस्कार विजेता सर सी. वी. रमन, डॉ. विक्रम साराभाई और पूर्व राष्ट्रपति व प्रतिष्ठित वैज्ञानिक डॉ. एपीजे. अब्दुल कलाम की सूक्ष्म कलाकृतियां हैं, जो चावल के दाने से भी छोटी हैं। इसके अलावा एक हीरे का आभूषण और स्काईरूट का अपना स्कोप उपग्रह भी शामिल है। कर्नाटक की कॉसमॉस डायमंड्स द्वारा विकसित द कॉस्मिक ब्लूम 16.95 कैरेट के हीरे का कमल का आभूषण है जो खिलते हुए फूल के आकार का है। अन्य भारों में कर्नाटक की ग्राहा स्पेस का एक छोटा उपग्रह (क्यूबसैट), तेलंगाना की कॉस्मोसर्व स्पेस का अंतरिक्ष में रोबोटिक हाथ का प्रदर्शन और जर्मनी की डीक्यूब्ड कंपनी के अंतरिक्ष में प्रदर्शन करने वाले उपकरण शामिल हैं।विक्रम–1 सात मंजिला ऊंचा बहु–चरणीय प्रक्षेपण यान है जिसमें पूरी तरह से कार्बन मिश्रित संरचना, ठोस ईंधन बूस्टर और उन्नत तरल ईंधन वाले इंजनों का उपयोग किया गया है। इसे पृथ्वी की निचली कक्षा में 350 किलोग्राम तक के छोटे उपग्रहों को 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित करने और सौर–तुल्यकालिक कक्षा में 260 किलोग्राम तक के उपग्रहों को भेजने के लिए तैयार किया गया है।18 नवंबर 2022 को देश के पहले निजी उप–कक्षीय प्रक्षेपण यान विक्रम–एस के सफल प्रक्षेपण के बाद स्काईरूट का यह दूसरा अभियान है। इस ऐतिहासिक अभियान को प्रारंभ नाम दिया गया था, जो भारत से पहला निजी प्रक्षेपण था।कंपनी के अनुसार, मिशन आगमन का प्राथमिक उद्देश्य विक्रम–1 की प्रणोदन, मार्गदर्शन, नौवहन, नियंत्रण और समग्र यान प्रदर्शन सहित सभी प्रमुख प्रणालियों के उड़ान संबंधी महत्वपूर्ण आंकड़े एकत्र करना है। इन आंकड़ों का उपयोग यान के डिजाइन को प्रमाणित करने और भविष्य के वाणिज्यिक प्रक्षेपण कार्यक्रमों को सहायता देने के लिए किया जाएगा।

सत्ता पक्ष...

फ़ैसला नहीं लिया गया है और यह मामला विचार–ाधीन है। गौरतलब है कि टीएमसी और शिवसेना (यूबीटी) दोनों ने ही इन बागी सांसदों की सदस्यता रद्द करने (अयोग्य घोषित करने) की मांग की थी।

स्पीकर द्वारा इस फैसले को देने से पहले टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल और पार्टी के अलग हुए बागी गुट दोनों से मुलाकात की गई थी। यही प्रक्रिया शिवसेना (यूबीटी) के मामले में भी अपनाई गई। सूत्रों के मुताबिक, स्पीकर ने संसद के कानूनी और संवैधानिक विशेषज्ञों से व्यापक सलाह–मशविरा किया। सोच–समझकर और कानूनी रूप से सही निर्णय लेने से पहले पिछली मिसालों, पूर्व स्पीकरों और राज्यसभा के सभापतियों द्वारा लिए गए फैसलों की बारीकी से समीक्षा की गई। इस बीच, बागी गुट के लिए एक और अच्छी खबर यह है कि संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू ने रविवार को होने वाली सर्वदलीय बैठक में शामिल होने के लिए एनसीपीआई को अलग से न्योता भेजा है।अगर उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) की बात करें, तो 2024 के चुनाव में उनके कुल नौ सांसद जीतकर आए थे। इनमें से छह सांसदों ने अब पाला बदल लिया है और वे एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए हैं। शिंदे गुट का दामन थामने वाले सांसदों के नाम इस प्रकार हैं: संजय दीना पाटिल – मुंबई नॉर्थ ईस्ट, संजय जाधव – परभणी, संजय देशमुख – यवतमाल–वाशिम, भाऊसाहेब वाकचौरे – शिर्डी, नागेश पाटिल अष्टीकर – हिंगोली,ओमप्रकाश राजे निंबालकर – धाराशिव।

वांगचुक...

उन्होंने अपने लोकप्रिय शो मूवर्स एंड शेकर्स पर इस गंभीर मुद्दे को प्रमुखता से उठाया, जहां वे अक्सर देश के विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर व्यंग्य करते नजर आते हैं। अपने शो में सोनम वांगचुक का पुरजोर समर्थन करते हुए शेखर सुमन ने कहा, सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक जी कई दिनों से जंतर–मंतर पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए अनशन पर बैठे हैं। मैं हैरान हूं यह देखकर कि कोई हैरान क्यों नहीं है? एक इंसान देश और समाज की बेहतरी के लिए अनशन पर बैठा है, स्टूडेंट्स के फ्यूचर के लिए अनशन पर बैठा है, शिक्षा के चरमराते ढांचे को संभालने के लिए अनशन पर बैठा है और व्यवस्था चैन से लेटी हुई है।

बागी लौटें तो ...

पार्टी के तीन प्रमुख राज्यसभा सांसदों सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक ने पार्टी छोड़ दी है। वहीं, काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में पार्टी के 20 सांसदों ने भी एक अलग गुट बनाकर एनडीए का समर्थन करने का दावा किया है। इन सांसदों में काकोली घोष के अलावा शर्मिला सरकार, प्रसून बनर्जी, जगदीश चंद्र बसुनिया, अरूप चक्रवर्ती, कालीपदा सोरेन, शताब्दी रॉय, जून मालिया, माला रॉय, यूसुफ पठान, रचना बनर्जी, बापी हलदार, मिताली बाग, खलीलुर रहमान, अबू ताहेर खान, असित मल, देव अधिकारी और पार्थ भौमिक समेत कई अन्य बड़े नाम शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ...

लेन–देन का एक निष्पक्ष फॉरेंसिक ऑडिट कराने की अपील की गई है। इसके साथ ही, साल 2019 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के क्रियान्वयन की जांच के लिए एक स्वतंत्र समिति बनाने की मांग भी की गई है, ताकि भविष्य में नए ट्रस्टियों की नियुक्ति के लिए स्पष्ट और पारदर्शी दिशा–निर्देश तय किए जा सकें।

अब चलेंगे ...

जिसमें से 34,000 रीम दो अलग–अलग करेंसी के लिए रिजर्व हैं (प्रत्येक रीम में 500 शीट होती हैं)। एएनआई के अनुसार, इस सब्सट्रेट में पोर्ट्रेट के साथ विंडो, मेटल नंबर, चुंबकीय धागा, छाया छवि और इंद्रधनुषी पैटर्न जैसी खास सुरक्षा विशेषताएं होनी चाहिए। यह शीट भारतीय रिजर्व बैंक नोट प्रिंटिंग प्राइवेट लिमिटेड और सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया की प्रिंटिंग प्रेस में छपाई के लिए पूरी तरह अनुकूल होगी।द इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि 18 अगस्त तय की गई है। टेंडर डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि मौजूदा खरीद सिर्फ तत्काल आवश्यकता के लिए है और परीक्षण सफल होने पर बड़े मूल्यवर्ग को कवर करने वाले बड़े ऑर्डर भी दिए जा सकते हैं।

चीन–पाकिस्तान को लेकर टेंडर में कड़ी शर्तें, नहीं होगी पशु वसा

इस टेंडर प्रक्रिया में भारत सरकार ने सुरक्षा के कड़े नियम लागू किए हैं। बोलीदाताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि चीन या पाकिस्तान में उनका संचालन भारत से संबंधित कार्यों से पूरी तरह अलग हो। वे इन दोनों देशों से कच्चा माल नहीं खरीद सकते और न ही ऐसे कर्मियों को तैनात कर सकते हैं जिन्होंने पहले चीन या पाकिस्तान में काम किया हो। भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों की कंपनियों के लिए उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग की पंजीकरण समिति के साथ रजिस्टर्ड होना अनिवार्य है।इसके अलावा, योग्य बोलीदाताओं के पास किसी केंद्रीय बैंक को सुरक्षा फीचर्स वाले पॉलिमर सब्सट्रेट की आपूर्ति करने का कम से कम तीन साल का अनुभव होना चाहिए। आवेदकों को लैब टेस्टिंग के लिए पॉलिमर शीट के नमूने जमा करने होंगे, साथ ही यह प्रमाण पत्र भी देना होगा कि इस सामग्री में पशु वसा और डीएनए की मात्रा बिल्कुल नहीं है।

क्या कहना है आरबीआई गवर्नर का?

आरबीआई ने अभी तक पायलट प्रोजेक्ट के लिए नोटों के मूल्यवर्ग की आधिकारिक घोषणा खुद नहीं की है। हालांकि, इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने जून में हुई मौद्रिक नीति बैठक के बाद कहा था कि पॉलिमर नोटों पर एक प्रस्ताव विचाराधीन है और केंद्रीय बैंक अंतिम फैसला लेने से पहले इसके लाभ और सुरक्षा पहलुओं का गहन आकलन कर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया ने 1988 में की थी शुरुआत

पॉलिमर (प्लास्टिक) से बने नोटों को पारंपरिक कागजी करेंसी की तुलना में अधिक टिकाऊ, साफ और सुरक्षित माना जाता है। इन्हें पहली बार ऑस्ट्रेलिया ने साल 1988 में पेश किया था और आज दुनिया के 50 से अधिक देशों में इनका उपयोग किया जाता है। इन नोटों की नकल (नकली नोट बनाना) करना बेहद मुश्किल होता है और लंबी आयु होने के कारण इससे छपाई की लॉन्ग–टर्म लागत में भारी कमी आती है।

रथयात्रा में अग्र महिला मंच ने वितरित की शीतल छाछ

हैदराबाद, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भगवान श्री जगन्नाथ जी की पावन रथयात्रा के अवसर पर अग्र महिला मंच, तेलंगाना द्वारा हिमायतनगर स्थित आगरा होटल के समीप श्रद्धालुओं के लिए शीतल छाछ (मट्ठा) वितरण सेवा का आयोजन किया गया। रथयात्रा में बड़ी संख्या में शामिल श्रद्धालुओं ने इस सेवा का लाभ उठाया और मंच की इस पहल की सराहना की।

अग्र महिला मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया कि धार्मिक आयोजनों में सेवा कार्य करना भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपरा है। उन्होंने कहा कि छाछ वितरण का उद्देश्य रथयात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को गर्मी से राहत प्रदान करना तथा सेवा, सहयोग और सद्भाव की भावना को मजबूत करना है।

इस अवसर पर अग्र महिला मंच की सदस्याओं ने भविष्य में भी धार्मिक, सामाजिक एवं जनकल्याण से जुड़े सेवा कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के माध्यम से मानवीय मूल्यों को सशक्त बनाने का प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

श्रद्धा, सेवा और सहयोग के वातावरण में आयोजित यह छाछ वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सेवा का लाभ प्राप्त किया।

विवेक निशांत नाथ ने एनएमडीसी के निदेशक (वाणिज्य) का कार्यभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। विवेक निशांत नाथ ने भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी लिमिटेड के निदेशक (वाणिज्य) का कार्यभार ग्रहण किया। मेटल और माइनिंग क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, श्री विवेक निशांत नाथ बिक्री और विपणन, अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक संचालन, खरीद, लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति-श्रृंखला प्रबंधन में व्यापक अनुभव अपने साथ लाए हैं।

श्री नाथ ने 1992 में एनएमडीसी के साथ अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की और घरेलू लौह अयस्क की बिक्री और विपणन में व्यापक अनुभव प्राप्त करते हुए विभिन्न वाणिज्यिक भूमिकाओं में लगभग पंद्रह वर्षों तक कंपनी को सेवाएँ दीं। इसके पश्चात उन्होंने एस्सार स्टील लिमिटेड और आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया में प्रमुख पदों पर कार्य किया और 2021 में वे ओडिशा माइनिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएमसी) में महाप्रबंधक (बिक्री और विपणन) के रूप में शामिल हुए। बाद में उन्हें 2024 में ओएमसी में मुख्य महाप्रबंधक (बिक्री और विपणन) के रूप में पदोन्नत किया गया, जहां उन्होंने लौह अयस्क, क्रोम

अयस्क, मैंगनीज अयस्क, बॉक्साइट, चूना पत्थर और फेरोक्रोम के बिक्री और विपणन कार्यों का नेतृत्व किया।

ओएमसी में उनके कार्यकाल के दौरान, कंपनी ने लौह अयस्क की बिक्री और राजस्व में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की। उन्होंने वाणिज्यिक संचालन में सुधार के लिए ग्राहक-केंद्रित पहल, पारदर्शी मूल्य-निर्धारण तंत्र, डिजिटल सिस्टम और लॉजिस्टिक्स सुधारों को शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में, ओएमसी की लौह अयस्क की बिक्री वित्तवर्ष 21 में 12.33 मिलियन टन से बढ़कर वित्त वर्ष 26 में 38.26 मिलियन टन हो गई।

इस क्षेत्र के प्रति उनका अटूट समर्पण उनके विद्वतापूर्ण योगदान से स्पष्ट है, जिसमें उन्होंने प्रासंगिक उद्योग विषयों पर 11 से अधिक शोध पत्र लिखे हैं। श्री नाथ की विशेषज्ञता की मांग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर की जाती है, जहां उन्हें एसजीएक्स, फास्टमार्केट्स, माइस्टील, एसएमएम, आईएमएआरसी, मेटल जंक्शन, मेटालॉजिक और स्टीलमिंट जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर प्रमुख वक्ता और अतिथि व्याख्याता के रूप में आमंत्रित किया गया है।

उन्होंने सिम्बायोसिस सेंटर फॉर मैनेजमेंट स्टडीज, पुणे से अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), इंदौर से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट में मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम भी पूरा किया है।

एनएमडीसी, प्रमुख निजी इस्पात कंपनियों और ओडिशा माइनिंग कॉर्पोरेशन में उनका अनुभव, एनएमडीसी के वाणिज्यिक संचालनों को मजबूत करने, ग्राहकों की भागीदारी बढ़ाने और 100 मिलियन टन लौह अयस्क खनन कंपनी बनने के कंपनी के दृष्टिकोण का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बांसवाड़ा में आठवां बोनालू महोत्सव आज

बांसवाड़ा, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जोड़कनका दुर्गा देवी मंदिर का आठवां आषाढ़ बोनालू महोत्सव 19 जुलाई को मनाया जाएगा। मंदिर कमेटी के अनुसार, शोभायात्रा सुबह 9 बजे पुराने बांसवाड़ा की चावड़ी से शुरू होकर चमन स्कूल चौरस्ता, शहीद स्मारक चौरस्ता होते हुए दुर्गा माता मंदिर पहुंचेगी। महोत्सव में राज्य कृषि सलाहकार विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी, राज्य एग्रो इंडस्ट्रीज चेयरमैन कसुला बलराजू सहित जनप्रतिनिधि और विभिन्न वर्गों के लोग शामिल होंगे।

तेलंगाना आंदोलनकारियों से बड़ी संख्या में जुटने की अपील

बांसवाड़ा, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस सरकार द्वारा गठित के.के. कमेटी के आह्वान पर कामारेड्डी जिला अध्यक्ष उद्‌था गंगाधर गुप्ता ने हैदराबाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि शहीद स्मारक ज्योति पर तेलंगाना आंदोलनकारियों को दी गई 6 गारंटियों पर चर्चा के लिए कमेटी ने बैठक बुलाई है। उन्होंने आंदोलनकारियों से अपने अधिकारों की आवाज बुलंद करने के लिए बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की।

सड़क हादसे रोकने को मंचेरियाल में ट्रैफिक व्यवस्था का निरीक्षण

मंचेरियाल, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर डीसीपी ए. भास्कर ने शुक्रवार को आईबी चौक, बेल्लमपल्ली चौक, लक्ष्मी थिएटर चौक सहित प्रमुख चौराहों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ट्रैफिक सिग्नल व्यवस्था और दुर्घटनाओं में कमी लाने के उपायों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में चार प्रमुख चौराहों पर सिग्नल लगाए गए हैं और फ्री लेफ्ट, बोलार्ड व यू-टर्न की व्यवस्था की जा रही है। इस मौके पर एसीपी आर. प्रकाश, मेयर धरणी मधु सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

हैदराबाद, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन शनिवार, 18 जुलाई 2026 को तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी, सिकंदराबाद में गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सभा में वर्षभर की गतिविधियों की समीक्षा, आगामी योजनाओं पर चर्चा तथा संगठनात्मक विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

साधारण सभा का शुभारंभ स्मरणीय नमस्कार महामंत्र एवं प्रेरणा गीत के साथ हुआ। इसके पश्चात परामर्शिका श्रीमती मंजू दुगड़ ने प्रेक्षा ध्यान का अभ्यास कराया। उन्होंने ज्योति केंद्र प्रेक्षा एवं दीर्घ श्वास का अभ्यास करवाते हुए बताया कि वर्तमान समय में मानसिक शांति और विचारों में स्थिरता के लिए ध्यान अत्यंत आवश्यक है।

मंडल की अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंघी ने सभी आगंतुक सदस्य बहनों का स्वागत किया। उन्होंने पदाधिकारियों का नवरत्नों से उपमित करते हुए स्मृति-चिह्न (मोमेंटो) प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा गत एक वर्ष में सहयोग देने वाली सभी बहनों के प्रति प्रमोद भावना व्यक्त करते हुए आभार प्रकट किया।

मंत्री श्रीमती निशा सेठिया ने पिछली बैठक की कार्यवाही (मिनट्स) का वाचन किया तथा मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित सदस्याओं ने 'ॐ अर्हं' की ध्वनि के साथ सर्वसम्मति से पारित किया।

इसके पश्चात कोषाध्यक्ष श्रीमती शीतल सांखला ने वर्षभर का आय-व्यय विवरण सभा के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसे भी सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया।

कार्यसमिति सदस्य श्रीमती मनीषा सिंघी ने परिवार एवं संपूर्ण महिला मंडल की ओर से अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंघी को सफल एक वर्षीय कार्यकाल के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। पूर्वाध्यक्ष श्रीमती प्रेम पारख ने संगठन के संविधान का वाचन किया।

सभा के दौरान 'मर्यादा हमारी पहचान बने' विषय पर कन्या मंडल द्वारा प्रभावशाली प्रस्तुति दी गई। यह प्रस्तुति सुश्री पूर्वी सेठिया ने प्रस्तुत की। कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती रुबी दुगड़ ने कन्या मंडल की वर्षभर की गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर श्रीमती दिव्या दुगड़ को कार्यसमिति सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया।

कार्यक्रम का प्रभावी संचालन श्रीमती वर्षा बैद ने किया। इस अवसर पर पूर्वाध्यक्ष श्रीमती अंजु बैद, उपाध्यक्ष श्रीमती प्रभा दुगड़, पूर्वाध्यक्ष श्रीमती प्रेम पारख, परामर्शिका श्रीमती मंजू दुगड़, श्रीमती सरला पी. भूतोड़िया, संरक्षिका श्रीमती चन्द्रा सुराणा, श्रीमती हर्षलता दुधेड़िया सहित अनेक वरिष्ठ सदस्याओं ने अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंघी के सफल एक वर्षीय कार्यकाल की सराहना करते हुए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ।

केबीआर पार्क में दिखा विशालकाय अजगर

मॉर्निंग वॉकर्स के सामने से रेंगता हुआ गुजरा 12 फीट लंबा सांप

हैदराबाद, 18 जुलाई (एजेंसियां)। बंजारा हिल्स स्थित कासु ब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) राष्ट्रीय उद्यान में शनिवार की सुबह वॉक पर निकले लोगों के लिए बेहद चौंकाने वाली रही। यहाँ सुबह की सैर पर आए लोगों ने पार्क के भीतर एक विशालकाय 12 फीट लंबा अजगर देखा।

यह भारी-भरकम अजगर सुबह की सैर के लिए आए आगंतुकों के ठीक सामने पार्क के एक वॉकिंग ट्रैक को धीरे-धीरे पार कर रहा था। अपने अत्यधिक विशाल आकार के कारण, अजगर को रास्ते को पूरी तरह से पार करने में काफी समय लगा। इस दौरान वहां मौजूद कई आगंतुकों ने अपने मोबाइल फोन पर इस दुर्लभ दृश्य के वीडियो रिकॉर्ड कर लिए, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इस घटना के बाद, पार्क में आए लोग कुछ समय के लिए बेहद सतर्क और सावधान नजर आए।

रास्ता पार करने के बाद अजगर बिना किसी को नुकसान पहुंचाए स्वाभाविक रूप से वापस घने वन क्षेत्र में चला गया। रिपोर्टों के अनुसार, इस पूरी घटना के दौरान कोई भी अप्रिय घटना नहीं घटी और सभी आगंतुक पूरी तरह सुरक्षित हैं।

भले ही केबीआर नेशनल पार्क हैदराबाद शहर के बिल्कुल बीचों-बीच (हार्ट ऑफ द सिटी) स्थित है, लेकिन यह विभिन्न प्रकार के पक्षियों, जानवरों और सरीसृपों के प्राकृतिक आवास के रूप में जाना जाता है। इस घटना ने एक बार फिर शहरी वन क्षेत्रों में मौजूद समृद्ध जैव विविधता को उजागर किया है।

इस घटना के सामने आने के बाद वन्यजीव विशेषज्ञों ने आम जनता को सलाह दी है कि जब भी कहीं जंगली जानवर दिखाई दें, तो उनसे हमेशा एक सुरक्षित दूरी बनाए रखें। उन्हें किसी भी तरह से उकसाने या परेशान करने से बचें और ऐसी स्थिति में तुरंत वन विभाग के अधिकारियों को सूचित करें।

बस्ती दवाखाना कर्मियों ने आंदोलनकारी के रूप में मान्यता की मांग की

बांसवाड़ा, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना बस्ती दवाखाना कॉन्ट्रैक्ट एवं आउटसोर्सिंग एम्प्लॉई एसोसिएशन के संयुक्त सचिव रौथु नरसिम्हा ने हैदराबाद में अमरज्योति स्थल पर तेलंगाना एक्टिविस्ट मान्यता कमेटी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बस्ती दवाखानों में कार्यरत उन कर्मचारियों को तेलंगाना आंदोलनकारी के रूप में पहचान पत्र, 250 गज आवासीय भूमि, आर्थिक सहायता और बिना शर्त स्थायी नियुक्ति देने की मांग की गई, जिन्होंने आंदोलन में सक्रिय भाग लिया था।

सांसद वमसी कृष्णा ने छात्रों को बांटे स्कूल बैग

पेद्दापल्ली, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सांसद गद्दम वमसी कृष्णा ने विशाखा चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में दांडेपल्ली मंडल के गुडेम जेडपीएचएस स्कूल के छात्रों को स्कूल बैग वितरित किए। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर कुमार दीपक, अतिरिक्त कलेक्टर चंद्रय्या मौजूद रहे। इस अवसर पर सांसद ने कहा कि स्कूल में बेंचों की कमी को जल्द दूर किया जाएगा और छात्रों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने छात्रों के साथ मध्याह्न भोजन भी किया।

नवनियुक्त थाना प्रभारियों ने एसपी से की भेंट

बांसवाड़ा, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले के विभिन्न थानों में नव नियुक्त अधिकारियों ने जिला एसपी एम. राजेश चंद्रा से शिष्टाचार भेंट की। बिकनूर में एस. अनिल, राजमपेट में डी. अंजनेयुलु, माचारेड्डी में के. विजय और बीबीपेट में नवीन चंद्र को एसएचओ तथा बांसवाड़ा थाने में सिरिशा को सब-इंस्पेक्टर नियुक्त किया गया है। अधिकारियों ने कार्यभार संभालने के बाद एसपी को पुष्पगुच्छ भेंट किया।

सेवा और समर्पण का पर्याय बन चुका है राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद : कैलाश केडिया

हैदराबाद, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास रविवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कैलाश केडिया ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद आज सेवा, समर्पण और मानवता का पर्याय बन चुका है। ग्रुप के सदस्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंद, असहाय एवं गरीब लोगों की निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे हैं, जो पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि सेवा केवल एक कार्य नहीं, बल्कि जीवन जीने का सर्वोत्तम माध्यम है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद पिछले लंबे समय से नियमित अन्नदान के माध्यम से मानवता की सेवा कर रहा है। यह सेवा अभियान समाज में करुणा, सद्भाव, सहयोग और संस्कारों को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार सेवा कार्यों में भागीदारी निभाए, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंच सके।

इस अवसर पर सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, जगन गुप्ता, मनीष चिंडालिया, जय प्रकाश सारड़ा, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया एवं महेश अग्रवाल उपस्थित रहे। सभी ने नियमित अन्नदान कार्यक्रम में सेवा देकर जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया तथा मानव सेवा के इस पुनीत अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

निजामाबाद में भक्ति और श्रद्धा के साथ निकली भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की भव्य रथयात्रा

निजामाबाद, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। निजामाबाद के रामगोपाल क्षेत्र स्थित श्री गोपाललाल मंदिर के तत्वावधान में श्री जगन्नाथ स्वामी रथयात्रा महोत्सव समिति, निजामाबाद द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की भव्य रथयात्रा श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ निकाली गई। रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान के दर्शन किए और पुण्य लाभ अर्जित किया।

गुरुवार सायं 5 बजे श्री गोपाललाल मंदिर से भजन-कीर्तन एवं जयघोष के साथ रथयात्रा प्रारंभ हुई। रथयात्रा गोदाम रोड, देवी रोड, कुमार गली और मारवाड़ी क्षेत्र सहित विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुँची।

पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने अपने-अपने घरों के बाहर भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की विधिवत पूजा-अर्चना कर रथयात्रा का स्वागत किया।रथयात्रा के दौरान नगर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। बड़ी संख्या में जगन्नाथ भक्तों ने रथयात्रा में शामिल होकर भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा के दर्शन किए तथा आध्यात्मिक उत्साह के साथ यात्रा में सहभागिता निभाई।नगर भ्रमण के उपरांत रथयात्रा पुनः श्री गोपाललाल मंदिर पहुँची, जहाँ भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की विधिवत महाआरती की गई। इसके पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच गोष्ठी प्रसाद का वितरण किया गया। श्रद्धा, भक्ति और सामूहिक सहभागिता से संपन्न यह रथयात्रा महोत्सव नगरवासियों के लिए आस्था और उत्साह का केंद्र बना रहा।

आदर्श विद्यालय में छात्राओं से कथित यौन उत्पीड़न का मामला, दो शिक्षक हटाए गए

बांसवाड़ा, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा मंडल स्थित एक आदर्श विद्यालय में कार्यरत दो शिक्षकों पर छात्राओं के साथ कथित यौन उत्पीड़न (सेक्सुअल हैरेसमेंट) के आरोप लगने के बाद हड़कंप मच गया। छात्राओं द्वारा की गई शिकायत के आधार पर शिक्षा विभाग ने जांच शुरू की, जबकि पुलिस ने भी मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

शिकायत में छात्राओं ने आरोप लगाया कि विद्यालय में कार्यरत गोपाल और पवन नामक दो शिक्षक उनके साथ अभद्र व्यवहार करते थे तथा उनका कथित रूप से यौन उत्पीड़न करते थे। छात्राओं ने मामले की शिकायत उच्च अधिकारियों से करते हुए उचित कार्रवाई की मांग की। शिकायत मिलने के बाद शिक्षा विभाग ने मामले की जांच कराई। जिला शिक्षा अधिकारी मल्लिकार्जुन ने बताया कि प्रारंभिक जांच में छात्राओं द्वारा लगाए गए आरोप सही पाए जाने के बाद दोनों शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से ड्यूटी से हटा दिया गया है। विभागीय स्तर पर आगे की कार्रवाई भी की जा रही है।

बांसवाड़ा पुलिस ने भी छात्राओं की शिकायत के आधार पर संबंधित शिक्षकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस प्रकार के मामलों में किसी भी दोषी के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अमरनाथ यात्रा पर ब्रेक

खराब मौसम के मद्देनजर फैसला

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

खराब मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए 19 जुलाई से अमरनाथ यात्रा अस्थायी रूप से रोक दी गई है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पहलगाम और बालटाल, दोनों मार्गों से यात्रा पर रोक लगाने का फैसला किया है। फिलहाल बेस कैंप से किसी भी श्रद्धालु को आगे जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मौसम और रास्तों की दोबारा समीक्षा के बाद ही यात्रा शुरू करने पर फैसला लिया जाएगा।

इस ताजा फैसले को लेकर जम्मू के मंडलायुक्त रमेश कुमार ने साफ किया है कि खराब मौसम की एडवाइजरी के चलते 19 जुलाई को जम्मू से कश्मीर की तरफ कोई नया जत्था आगे नहीं बढ़ेगा। उन्होंने बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को सलाह दी है कि वे फिलहाल जम्मू, ऊधमपुर और रामबन में बनाए गए अपने ठहरने के केंद्रों पर ही रुके रहें और प्रशासन के अगले निर्देश का इंतजार करें। वहीं, कश्मीर के मंडलायुक्त अंशुल गर्ग ने बताया कि आने वाले दिनों में मौसम काफी ज्यादा बिगड़ सकता है, जिसके चलते यात्रियों की भलाई के लिए यह कदम उठाना बेहद जरूरी था। इस साल अब तक 3.7 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं।

यात्रा रुकने के बीच जम्मू-कश्मीर के ऊधमपुर से एक बेहद परेशान करने वाली खबर सामने आई है। यहाँ जखानी के पास सुबह-सुबह एक सड़क दुर्घटना हो गई, जिसमें अमरनाथ जा रहे उत्तर प्रदेश के पांच तीर्थयात्री और एक स्थानीय ड्राइवर घायल हो गए। घायलों में लखीमपुर और सीतापुर के रहने वाले लोग शामिल हैं, जिन्हें इलाज के लिए तुरंत जीएमसी (जीएमसी) ऊधमपुर में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद नेशनल हाईवे से वाहनों को हटाकर ट्रैफिक को दोबारा चालू कर दिया गया है।

हादसे की जानकारी मिलते ही जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ऊधमपुर के जिला अधिकारी सहित डॉक्टरों से फोन पर बात की और घायल श्रद्धालुओं की सेहत का हाल जाना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी घायलों को हर मुमकिन मदद के साथ बेहतरीन इलाज मिलना चाहिए।

उपराज्यपाल ने बाबा बर्फानी से सभी भक्तों की सुरक्षित और सुखद यात्रा के लिए प्रार्थना भी की। मौसम विभाग ने श्रीनगर और पूरे जम्मू-कश्मीर के लिए 19 जुलाई से 23 जुलाई तक भारी बारिश का एक बड़ा अलर्ट जारी किया है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी के कारण पूरे इलाके में मूसलाधार बारिश और बिजली गिरने की आशंका है। विशेष रूप से 21 से 23 जुलाई के बीच कश्मीर में भारी बारिश होगी, जबकि 20 से 23 जुलाई के दौरान जम्मू के रियासी और ऊधमपुर जिलों में रिकॉर्ड तोड़ बरसात का अनुमान है।इस मानसूनी सिस्टम की वजह से पीर पंजाल, गुलमार्ग, पहलगाम और जोजिला जैसे पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ आने का बहुत बड़ा खतरा मंडरा रहा है। यही वजह है कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हो सकता है।

भीषण मौसम की चेतावनी को देखते हुए प्रशासन ने जम्मू-कश्मीर डिवीजन के विंटर जोन में सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों की गर्मी की छुट्टियां 22 जुलाई तक बढ़ा दी हैं। यह फैसला बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।इसके साथ ही, प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करते हुए पर्यटकों को अपनी यात्रा फिलहाल टालने की सख्त सलाह दी है, जबकि स्थानीय लोगों को भी नदियों, नालों और ढलान वाले संवेदनशील इलाकों से दूर रहने को कहा गया है।

अज़हरुद्दीन ने छात्रों को बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया

हैदराबाद, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के अल्पसंख्यक कल्याण और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के मंत्री मोहम्मद अज़हरुद्दीन ने शनिवार को छात्रों को बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। श्री अजहरुद्दीन ने आज अरुतला स्थित तेलंगाना पब्लिक स्कूल (टीपीएस) का दौरा किया और छात्रों, शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन के साथ तीन घंटे से अधिक समय बिताया और छात्रों को बड़े सपने देखने, कड़ी मेहनत करने और अच्छे मूल्यों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ने छात्रों से बातचीत करने से पहले कक्षा कक्ष, प्रयोगशालाओं, छात्रावास, डाइनिंग हॉल, खेल सुविधाओं और अन्य बुनियादी ढांचे का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रों के साथ क्रिकेट भी खेला, उन्हें बैटिंग और फील्डिंग के टिप्स दिए, ऑटोग्राफ दिए और अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर के अनुभव साझा किए। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार द्वारा विश्व स्तरीय शैक्षणिक और खेल सुविधाओं वाले आधुनिक शिक्षण संस्थान स्थापित करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने छात्रों से इन सुविधाओं का सर्वोत्तम उपयोग करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि अनुशासन, समर्पण और दृढ़ता ही सफलता की कुंजी हैं।

पूर्व कप्तान ने अपने खुद के सफर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने स्कूल के दिनों में सीमित सुविधाओं के बावजूद सफलता हासिल की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संसाधनों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत है। उन्होंने छात्रों को पढ़ाई, खेल और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने के साथ-साथ शिक्षकों, माता-पिता और साथी छात्रों का सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

श्री अजहरुद्दीन ने जीवन भर सीखते रहने, आत्मविश्वास और मुश्किलों का सामना करने की क्षमता के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों से अच्छे मूल्य विकसित करने, अनुशासन बनाए रखने और ऐसे जिम्मेदार नागरिक बनने का प्रयास करने का आग्रह किया जो तेलंगाना और देश का नाम रोशन करें।

राष्ट्रभाषा हिंदी विद्यालय के अंग्रेजी माध्यम स्कूल में ब्लू डे मनाया गया। इस दौरान बच्चों को नीले परिधानों में सजाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय अध्यक्ष पुरुषोत्तम जाजू, सचिव निलेश रेणवा, कोषाध्यक्ष राजकुमार रेणवा और प्रधानाध्यापिका स्वरूपा रानी सहित शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सेवा का प्रत्येक कदम मानवता की सच्ची पूजा : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को प्रेम, आत्मीयता और सम्मान के साथ भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुभाष अग्रवाल ने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद बिना किसी भेदभाव के निरंतर मानव सेवा के कार्यों में जुटा हुआ है और जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही इस सेवा अभियान का सबसे बड़ा उद्देश्य है। उन्होंने सभी से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, भंवरलाल अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता एवं उर्मिला गुप्ता ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया। सभी ने सेवा कार्य को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हुए नियमित रूप से ऐसे सामाजिक एवं मानवीय कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर नियमित रूप से संचालित किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम समाज में सेवा, सहयोग और मानवता का प्रेरणादायी संदेश दे रहे हैं। ग्रुप का यह सतत सेवा अभियान जरूरतमंदों के लिए आशा का आधार बनता जा रहा है।

मुख्यमंत्री रेड्डी ने स्काईरूट एयरोस्पेस को विक्रम-1 की सफल परीक्षण उड़ान के लिए बधाई दी

हैदराबाद, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को स्काईरूट एयरोस्पेस को मिशन आगमन के तहत स्वदेशी तकनीक से विकसित ऑर्बिटल-क्लास लॉन्च व्हीकल, विक्रम-1 की सफल परीक्षण उड़ान के लिए बधाई दी और इसे भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि और तेलंगाना के लिए बेहद गर्व का क्षण बताया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में विक्रम-1 परीक्षण उड़ान-1 की सफलता को भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमताओं और अंतरिक्ष अन्वेषण में नवाचार का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि एयरोस्पेस और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के लिए तेलंगाना के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरने को दर्शाती है।

श्री रेड्डी ने इस साल अप्रैल में स्काईरूट एयरोस्पेस के अपने दौरे को याद करते हुए कहा कि उन्होंने मिशन आगमन लॉन्च अभियान से पहले श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र तक विक्रम-1 फ़्लाइट हार्डवेयर के परिवहन को हरी झंडी दिखाई थी। उन्होंने कहा कि सफल परीक्षण लॉन्च एयरोस्पेस और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के लिए एक वैश्विक केंद्र बनने की तेलंगाना की यात्रा में एक अहम पड़ाव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि एयरोस्पेस नवाचार, उन्नत विनिर्माण और अगली पीढ़ी की अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के लिए भारत के प्रमुख केंद्र के रूप में तेलंगाना की स्थिति को और मजबूत करती है। उन्होंने भरोसा जताया कि ऐसे पड़ाव वैमानिकी क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर पहचाने जाने वाले इस राज्य की परिकल्पना को गति देंगे और साथ ही नवाचारों तथा उद्यमियों की नयी पीढ़ी को प्रेरित करेंगे।

आध्यात्म, सेवा और उल्लास का संगम बनी सत्य शक्ति महिला टीवी टॉवर शाखा की सावन की सैर

हैदराबाद, 18 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सत्य शक्ति महिला टीवी टॉवर शाखा द्वारा सावन की सैर का भव्य, सफल एवं आनंदमय आयोजन किया गया। इस अवसर पर शाखा की सभी सदस्याएँ बस द्वारा श्री पाताल हनुमान देवालयम् पहुँचीं, जहाँ उन्होंने पाताल लोक हनुमान जी के दिव्य दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा परिवार, समाज और राष्ट्र की सुख-समृद्धि एवं मंगलमय भविष्य की कामना की।

दर्शन एवं पूजा-अर्चना के उपरांत सभी सदस्याओं ने स्वादिष्ट दोपहर के भोजन (लंच) का आनंद लिया। इसके बाद मनोरंजन के लिए बिंगो, तंबोला तथा म्यूज़िकल अंताक्षरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सभी सदस्याओं ने पूरे उत्साह के साथ इन गतिविधियों में भाग लिया, जिससे वातावरण हँसी, खुशी, उमंग और सौहार्द से सराबोर हो गया।

कार्यक्रम के अगले चरण में शाखा की सदस्याएँ वृद्धाश्रम पहुँचीं, जहाँ सेवा भावना का परिचय देते हुए वहाँ निवासरत बुजुर्गों को तीन-कोर्स भोजन, फ्रूटी एवं स्नैक्स वितरित किए। इस सेवा कार्य ने सभी के हृदय को भावविभोर कर दिया तथा समाज के प्रति संवेदनशीलता, करुणा और सेवा के संदेश को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी सदस्याओं ने एक साथ हाई-टी का आनंद लिया। आध्यात्म, सेवा, मनोरंजन और आपसी भाईचारे से परिपूर्ण यह सावन की सैर सभी प्रतिभागियों के लिए अविस्मरणीय अनुभव साबित हुई। इस अवसर पर सत्य शक्ति महिला टीवी टॉवर शाखा की अध्यक्ष श्रीमती रानी मित्तल, मंत्री श्रीमती नीति मित्तल, कोषाध्यक्ष श्रीमती मीना अग्रवाल, केंद्र समिति सदस्य श्रीमती सुनीता तुलस्यान, सहायता कोष सदस्य श्रीमती संतोष अग्रवाल, परामर्शदात्री श्रीमती निर्मला जी एवं श्रीमती अलका जी सहित श्रीमती लक्ष्मी जी, श्रीमती कमला जी, श्रीमती सुरभि जी, श्रीमती जगदंबा जी, श्रीमती सुजाता जी तथा अन्य कार्यकारिणी सदस्यों सहित कुल 45 सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.